हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा एवं पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

● दुमका ● वर्ष -04 ● अंक - 314 ● सोमवार 29 दिसंबर 2025 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पनडुब्बी आईएनएस वाघषीर में की यात्रा

● ऐसा करने वाली दूसरी प्रेसीडेंट, इससे पहले डॉ. कलाम सबमरीन में बैठे थे

कारवाड़ (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवाड़ नेवल बेस पर पनडुब्बी (सबमरीन) में यात्रा की। कलवरी क्लास

की सबमरीन आईएनएस वाघषीर में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे। राष्ट्रपति मुर्मू की कलवरी क्लास सबमरीन में यह पहली और किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सबमरीन में यात्रा की थी। कलाम ने फरवरी 2006 में पनडुब्बी यात्रा की थी। राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में पहुंची। एम 75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी वाघषीर को जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था। द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने इस साल राफेल की सवारी की थी। डॉ. कलाम 13 फरवरी 2006 को ईस्टर्न नेवल कमांड के तहत विशाखापट्टनम में सबमरीन में कुछ घंटों के लिए बंगाल की खाड़ी में रहे। उनके साथ तत्कालीन नौसेना प्रमुख अरुण प्रकाश भी थे।

जम्मू और कश्मीर में बड़े आंदोलन का अल्टीमेटम

नजरबंद किए गए महबूबा मुफ्ती समेत कई नेता

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स

डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किए जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए एक समिति गठित किए जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकला।

मेघालय बॉर्डर के रास्ते भारत भागे हादी के हत्यारे

● बांग्लादेश पुलिस का बड़ा दावा, कहा जल्द पकड़ेंगे

कहा-स्थानीय सहयोगियों की मदद से सीमा पार गए

ढाका (एजेंसी)। भारत और शेख हसीना विरोधी बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो मुख्य संदिग्ध भारत में छिपे हो सकते हैं। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार के मुताबिक हादी के हत्यारे मेघालय बॉर्डर के रास्ते भारत भागे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने डेली स्टार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एसएन नजरुल इस्लाम ने मीडिया को बताया कि संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख मैमन सिंह जिले के हलुआघाट बॉर्डर के रास्ते भारत के मेघालय राज्य में चले गए। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारी जानकारी के अनुसार ये दोनों स्थानीय सहयोगियों की मदद से सीमा पार करने में कामयाब हुए। हम भारतीय अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे। संदिग्ध भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित हलुआघाट सीमा के रास्ते भागे हैं। सीमा

पार करने के बाद उन्हें सबसे पहले पूर्ति नामक आदमी ने रिसीव किया।

भारत में इस्लामी राज की साजिश रच रहा अल-कायदा

● अफगानिस्तान से डिजिटल मीडिया के जरिए फैलाया जा रहा जहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकी संगठन अल-कायदा अफगानिस्तान को आधार बनाकर भारत में कट्टर इस्लामी शासन व्यवस्था लागू करने के मंसूबे बना रहा है। इस सिलसिले में अल-कायदा ने अफगानिस्तान में डिजिटल हंगारगेकर को गिरफ्तार कर उससे लंबी पूछताछ की है। जुबैर अल-कायदा के गहरे प्रभाव में था और वह भारत में संगठन का नेटवर्क तैयार करने में जुटा था। जुबैर के पास से बरामद कई तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से पता

कमांड स्थापित कर रखा है, वहीं से वह भारत विरोधी गतिविधियों का संचालन करता है। यह जानकारी महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की जांच में सामने आई है। महाराष्ट्र एटीएस ने अल-कायदा से जुड़े जुबैर चला कि अल-कायदा भारत में कट्टरपंथी विचारधारा के विस्तार की साजिश पर कार्य कर रहा है। वह भारत में इस्लामी कानून वाली सरकार (खलीफा राज) की स्थापना के मंसूबे बांध रहा है। एटीएस की जांच में यह पता चला है।

आईबी भी कर रही इस मामले की जांच

मामले की जांच इंटेलीजेंस ब्यूरो (आइबी) भी कर रही है। जुबैर ने कट्टरपंथी विचारधारा के विकास के लिए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में लोगों से संपर्क किया। इनमें से कुछ को भड़काऊ साहित्य भी भेजा गया और उन्होंने विचारधारा को फैलाने का आश्वासन दिया था। अब ऐसे लोगों के बारे में जानकारियां जुटाने में एजेंसियां लगी हुई हैं।

घाटी में कड़ाके की ठंड में भी ऐक्शन में सेना

● ग्रिड बनाकर बर्फीले और दुर्गम पहाड़ों में बढ़ा दी अपनी गश्त ● अस्थायी बेस पर नजर, 30-35 पाक आतंकियों की है तलाश

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड और 40 दिन की चिल्लई कलां के बावजूद सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़ और डोडा जिलों में आतंकियों के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक बर्फ से ढंके ऊंचे और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है।

खुफिया आंकलन के अनुसार जम्मू क्षेत्र में 30 से 35 पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हैं। लगातार सर्चिंग और स्थानीय समर्थन कमजोर पड़ने के कारण ये आतंकी आबादी से दूर मध्य और ऊपरी पहाड़ी इलाकों में छिपने की कोशिश कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि सेना ने अस्थायी

बेस, निगरानी पोस्ट और गश्ती ग्रिड बनाकर ऊंची पहाड़ियों, जंगलों और घाटियों में नियमित पेट्रोलिंग शुरू की है। पहले सर्दियों में आतंकी गतिविधियों में कमी आती थी, लेकिन अब सेना ने प्रो-एक्टिव विंटर स्ट्रैटजी अपनाई है।

स्पेशल विंटर वॉरफेयर यूनिट्स भी तैनात की गई

ये अभियान जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, एसओजी, सिविल प्रशासन, वन विभाग और ग्राम रक्षा दल के साथ तालमेल में चल रहा है। आतंकियों की निगरानी के लिए ड्रोन, थर्मल इमेजर, ग्राउंड सेंसर और रडार का इस्तेमाल किया जा रहा है। स्पेशल विंटर वॉरफेयर यूनिट्स भी तैनात की गई हैं। सुरक्षा बलों का लक्ष्य आतंकियों को खत्म करना और उन्हें दूर-दराज, मुश्किल पहाड़ी इलाकों में भी नहीं छिपने देना है। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ी है।

80 से ज्यादा गांवों में भी सर्च ऑपरेशन जारी

सीमा से सटे इलाकों में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए सेना, बीएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस पिछले 10 दिन से संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही है। यह सर्चिंग बॉर्डर एरिया के 80 से ज्यादा गांवों में चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक खुफिया इनपुट मिले थे कि आतंकी संगठन घने कोहरे, सर्द मौसम और दुर्गम इलाकों का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इसी के मद्देनजर यह बड़ा ऑपरेशन शुरू किया गया है। पिछले माह बीएसएफ अधिकारी ने खुलासा किया था।

जब कोई काल का ध्यान नहीं रखता तो महाकाल का शिकार होता है

● बोले सीएम योगी, पुलिस व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर की बात

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025 का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के दूसरे दिन सीएम योगी

आदित्यनाथ ने पुलिस व्यवस्था से जुड़े कई मुद्दों पर बात की है। सीएम योगी ने अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि मुख्यालय पर बैठकर पुलिसिंग नहीं हो सकती है। साथ ही कहा कि जब कोई व्यक्ति काल का ध्यान नहीं रखता तो वह महाकाल का शिकार होता है। सीएम योगी ने कहा कि किस प्रकार पुलिस हमें चाहिए उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दो दिनों के अंदर जो रोडमैप तैयार किया गया है, वो अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। 11 सत्रों पर विचार हुआ है। अलग अलग क्षेत्र में क्या नवाचार हो सकते हैं, और वे नवाचार हमें कैसे समसामयिक चुनौतियों से जूझने और उसके अनुरूप रणनीति तैयार करने के लिए कैसे तैयार कर सकते हैं, उसी पर आधारित ये पुलिस मंथन था। आज 4 लाख सिविल पुलिस है। साढ़े 8 सालों में लोगों में हमारे प्रति धारणाएं बदली है। कानून के दायरे का हर व्यक्ति को एहसास कराया है। तब जाकर लोगों की धारणा बदलेगी।

शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में उत्तर भारत

● एमपी-राजस्थान में भीषण ठंड ● यूपी और बिहार से लेकर झारखंड तक स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत इस वक्त भीषण ठंड, शीतलहर और घने कोहरे की चपेट में है। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, खासकर छोटे बच्चों और छात्रों की सेहत को लेकर प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इसी को देखते हुए बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने का बड़ा फैसला लिया गया है। जिला प्रशासन ने साफ किया है कि यह कदम पूरी तरह बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। झारखंड की राजधानी रांची में शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए बड़ा आदेश जारी किया गया है। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार, 27 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी स्कूलों में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक की पढ़ाई स्थगित रहेगी। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। आदेश में मौसम विभाग की चेतावनी का हवाला देते हुए कहा गया है कि रांची को येलो जोन में रखा गया है, जहां भीषण ठंड और शीतलहर की संभावना अधिक है। शुक्रवार को रांची का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो आने वाले दिनों में और गिर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया, आज सुनवाई

● 100 मीटर से ऊंची पहाड़ियों को अरावली माना जाए, इसी फैसले का विरोध हो रहा

जयपुर (एजेंसी)। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठा विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है। अब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच सोमवार को सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी होंगे। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट की इस सुनवाई पर टिकी हैं, जहां केंद्र और राज्य सरकारों को नए निर्देश जारी किए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिश स्वीकार की, जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के रूप में मान्यता देने की बात कही गई। इससे पहले 1985 से चले आ रहे गोदावर्मन और एमसी मेहता मामले में अरावली को व्यापक संरक्षण मिला हुआ था। नए फैसले के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

आरपी बलवान की याचिका पर केंद्र, राज्यों को नोटिस

हरियाणा के वन विभाग के रिटायर अधिकारी आरपी बलवान ने भी पिछले सप्ताह केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में पहले से चल रहे गोदावर्मन मामले में याचिका दाखिल की, जिस पर कोर्ट ने केंद्र, राजस्थान, हरियाणा सरकार और पर्यावरण मंत्रालय को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट शीतकालीन अवकाश के बाद इस मामले में सुनवाई करेगा।

विवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार ने अरावली में नए खनन पट्टों पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। 24 दिसंबर (बुधवार) को केंद्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बयान में कहा कि पूरी अरावली श्रृंखला में कोई नया खनन लीज नहीं जारी होगा। केंद्र ने राज्य सरकारों को अरावली में किसी भी प्रकार के नए खनन पट्टे देने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। ये प्रतिबंध पूरे अरावली पर समान रूप से लागू होंगे।

संघ वाले बयान पर दिग्विजय के साथ आए थरूर

● बयान का समर्थन, बोले-संगठन की मजबूती है जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इन दिनों संघ और भाजपा के संगठन पर दिए बयान के बाद चर्चा में बने हुए हैं। कांग्रेस पार्टी में ही कई लोग उनके इस बयान पर सवाल उठा रहे हैं। हालांकि

इसी बीच केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर अपने साथी के समर्थन में आगे आए हैं। थरूर ने कहा कि किसी भी पार्टी में अनुशासन जरूरी होता है। इस मामले में कांग्रेस का इतिहास 140 साल पीछे जाता है, हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी का 140 साल पुराना इतिहास है। हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। किसी भी पार्टी में अनुशासन बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होता है।

अकाल तख्त का फैसला, पार्क-होटल में शादियां नहीं होंगी

● आनंद कारज सिर्फ गुरुद्वारों में, एआई फिल्मों पर रोक, नेताओं का दखल नहीं चलेगा

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में रविवार को श्री अकाल तख्त साहिब पर पांचों सिंह साहिबानों की अहम बैठक हुई। इसकी अगुवाई कार्यकारी जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने की। इस बैठक में सिख मर्यादाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इनमें आनंद कारज (डेस्टिनेशन वेडिंग), एआई से धार्मिक फिल्में बनाना और सिखा के आंतरिक मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप की मनाही का रहा।

बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने बताया कि अब आनंद कारज गुरुद्वारों में ही होगा।

पार्कों, होटलों और अन्य खुले या व्यवसायिक स्थानों पर आनंद कारज की पूर्णतः मनाही होगी। इसके अलावा धार्मिक विषयों पर एआई या कृत्रिम फिल्में नहीं बनाई जा सकेंगी। यदि बनानी हो तो अनुमति जरूरी होगी। सबसे खास फैसला ये रहा कि पावन स्वरूपों से जुड़े मामलों में कोई भी राजनीतिक दल हस्तक्षेप नहीं करेगा।

हिन्दी दैनिक
सोन वर्षा वाणी
दुमका, सोमवार 29 दिसंबर 2025

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

चक्रधरपुर से गुजरने वाली 8 ट्रेनें 20 जनवरी तक रद, उत्कल एक्सप्रेस का रूट बदला

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले राउरकेला से कासबहाल स्टेशनों के बीच 28 दिसंबर 2025 से लेकर 20 जनवरी 2026 तक बंडामुंडा ए केबिन से राउरकेला स्टेशनों के बीच रेलवे सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को 05:30 घंटे के मेगा ब्लॉक लेकर टीआरटी मशीनों के द्वारा रेल लाइन को दुरूस्त करने का कार्य करेगी। इस वजह से दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल से गुजरने वाली आठ ट्रेनों का परिचालन रद कर दिया है। जबकि चार ट्रेनों को शॉट टर्मिनेशन और शॉट ओरिजिनेशन कर चलाया जाएगा। वहीं रेलवे ने एक ट्रेने को परिवर्तित मार्ग से चलाएगी।

इस संबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे के डिप्टी चीफ ऑपरेशंस मैनेजर श्रीनिवास सामंत ने अधिसूचना पत्र जारी कर दिया है। इस कार्य के पूर्ण होते ही गाडियों की समयबद्धता एवं गति में तेजी आएगी । वहीं ट्रेनों के रद होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

कोडरमा में बरही-रजौली फोरलेन का बदल गया रूट, अब यहां से होकर गुजरेगी सड़क

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा से बिहार सीमा तक एनएच-20 (बरही से रजौली) के फोरलेनिंग का नया रूट अंतिम चरण में है। पहले प्रस्तावित रोड, जो जेजे कालेज से कोडरमा घाटी होते हुए मेघातरी तक जाने वाला था, उच्च न्यायालय के आदेश के बाद रद कर दिया गया।

अब नया रोड झुमरीतिलैया गुमो पार्वती क्लिनिक के पास से होते हुए विसनपुर रोड, कौवावर-गझंडी, चनाको होते हुए रजौली पहुंचेगा। नए रोड के अनुसार झारखंड में यह 15.5 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें 10.3 किलोमीटर वन क्षेत्र से होकर गुजरेगी, शनिवार को एनएचएआई के अधिकारियों ने उपायुक्त, डीएफओ और डीएलओ सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ वीडियोकान्फ्रेंस के माध्यम से नया रोड मैप प्रस्तुत किया। हालांकि विभाग से स्वीकृति के बाद ही आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

नए रोड निर्माण में जमीन और मकानों का अधिग्रहण भी किया जाएगा। अनुमान है कि गुमो मौजा में 20-25, नवादा में 4-5, विसनपुर में 5-6, रतनसोत में 3-4, कौवावर में 5-6 और चनाको में 5-6 मकानों को अधिग्रहित किया जा सकता है, नए रोड में दो आरओबी और तीन टनल का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। पार्वती क्लिनिक के पास 11.7 किलोमीटर और 12.3 किलोमीटर पर आरओबी बनाए जाएंगे। बिहार क्षेत्र में तीन टनल निर्माण का प्रस्ताव है।

संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण: एनएचएआई के निर्देश पर जिला स्तरीय पदाधिकारियों की संयुक्त टीम नए रूट का वेरिफिकेशन करेगी। इसमें वन विभाग, डीएलओ, संबंधित सीओ और अमीन शामिल होंगे। टीम रैयती, जीएम भूमि, वन भूमि और अन्य संबंधित समस्याओं का आकलन कर रिपोर्ट सौंपेगी। वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र की सुरक्षा: पूर्व रोड निर्माण योजना में कोडरमा घाटी से मेघातरी तक वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र प्रभावित हो रहा था। उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद नया रूट तैयार किया गया है, जिससे वन्य प्राणी क्षेत्र सुरक्षित रहेगा।

पटना-हावड़ा मेन लाइन पर रेल परिचालन ठप, दिल्ली की ट्रेनें धनबाद-गया होकर डायवर्ट ; देखें-हेल्पलाइन नंबर

धनबाद, एजेंसी। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत लाहाबन-सिमुलतला स्टेशनों के बीच शनिवार देर रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे एक मालगाड़ी के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे के कारण इस रेलखंड पर अप एवं डाउन दोनों लाइनों पर रेल परिचालन पूरी तरह बाधित हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया। आसनसोल, मधुपुर और झाझा से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) को मौके पर भेजा गया है। रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी युद्धस्तर पर बहाली कार्य में जुटे हुए हैं। ट्रैक की मरम्मत और डिब्बों को हटाने का कार्य लगातार जारी है। इस बीच कई ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा है।

आसनसोल रेल मंडल के अनुसार मालगाड़ी के आधे से अधिक डिब्बे रेलवे ट्रैक से उतरकर नदी में गिर गए हैं। पुल के गार्डर को भी नुकसान पहुंचा है। इसे ठीक करने में लगभग 24 घंटे से अधिक समय लग सकता है, जिससे इस रेलखंड पर सोमवार से पहले परिचालन शुरू होना संभव नहीं है।

हादसे के कारण 13331 धनबाद-पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है। यह ट्रेन धनबाद से जसीडीह एवं झाझा के स्थान पर गोमो, कोडरमा और गया होकर चलाई जा रही है। हावड़ा से वाया पटना, दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को धनबाद-गया रूट पर डायवर्ट किया गया है। वहीं, पटना से धनबाद आने वाली 13332 पटना-धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस भी गया, कोडरमा और गोमो के रास्ते धनबाद पहुंच रही है। इसके अलावा हावड़ा से आसनसोल होते हुए जसीडीह जाने वाली कई ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में ट्रेनों को रद करने के साथ-साथ कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं। यात्रियों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि वे अपने गंतव्य से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकें। आसनसोल रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी बिप्लब बाउरी ने बताया कि रेल यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे पूरी तरह सतर्क है। कुछ ट्रेनों का परिचालन धनबाद होकर कराया जा रहा है।

सोसाइटी ऑफ जियो साइंटिस्ट ने किया सर्वे,

जगन्नाथपुर मंदिर की सड़क तो बनी थी पर मेंटेनेंस नहीं होने से धंसी

रांची, एजेंसी। धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर तक जाने वाली सड़क बारिश के दौरान धंस गई थी। अभी तक सड़क की मरम्मत नहीं की गई है। सड़क धंसने के कारणों की जांच सोसाइटी ऑफ जियो साइंटिस्ट्स की टीम ने किया। आईआईटी एलुमनी सोसाइटी के वीके. जैन के नेतृत्व में सोसाइटी की टीम ने जांच रिपोर्ट मंदिर कमेटी को सौंप दी है। सोसाइटी के डॉ. अनल सिन्हा ने बताया कि सड़क धंसने के विभिन्न बिंदुओं पर जांच की गई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि जगन्नाथपुर मंदिर जिस ऊंचाई पर स्थित है, वहां तक पहुंचने वाले रूट के नीचे का पत्थर और मिट्टी सड़क के लिए अनुकूल है। सड़क धंसने की सबसे बड़ी वजह यह है कि सड़क का निर्माण दो से तीन फेज में हुआ था। सड़क बनने के बाद उसका रख-रखाव सही तरीके से नहीं होने के कारण साइड वॉल की मिट्टी धंस गई। पानी का रिसाव और वाहनों के दबाव से सड़क के किनारे की दीवार धंस गई। इस वजह से मानसून के दौरान पक्की सड़क धंस गई है। कमेटी ने इसका समाधान भी बताया है।

जोन-1 एवं जोन-2 में स्थानीय स्तर पर हुई भंसान को देखते हुए सड़क की सोलिंग एवं अलकतरा की परत को हटाकर पानी निकालने के लिए ड्रेनेज बनाने और पानी के फिल्टर की व्यवस्था करके सड़क का निर्माण कराने का सुझाव दिया गया है।

भू-धंसान वाले क्षेत्र में दोनों तरफ काउंटरफोर्ट बॉल, बढेस रिटेनिं वॉल और कंक्रीट क्लैडिंग बनाने का सुझाव दिया गया है। इसके लिए 20-25 मिमी. आकार की स्वच्छ कुचली हुई बजरी तथा नन-वोवन जियो-टेक्सटाइल का उपयोग किया जाना चाहिए।

जोन के लिए मौजूदा पुलिया एवं नालों की व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से चैनलाइज एवं लाइन किया जाना चाहिए, ताकि वर्षा जल का वाह निर्यात रहे। नालों के इनलेट ागों को मिट्टी, मलबे एवं वनस्पति से साफ रखा जाए, जिससे अवरोध और बैंक फ्लो की समस्या न उत्पन हो। भारी वर्षा के दौरान अधिक जल निकास को ध्यान में रखते हुए आउटलेट भागों को कंक्रीट लाइनिंग, पिचिंग अथवा ऊजा अपसारण संरचनाओं से सुद्द, किया जाना चाहिए।

सड़क धंसन से वाहनों के ऊपर जाने से रोका : जगन्नाथपुर मंदिर से जाने वाले रूट में सड़क धंसने के बाद मंदिर के मुख्य द्वार तक चार पहिया वाहनों को ले जाने पर रोक लगा दी गई है। पहले मंदिर के पीछे तक वाहन पहुंच जाता था, लेकिन अब बीच रास्ते में घेराबंदी करके रास्ते को ब्लॉक कर दिया गया है। दाईं तरफ पार्किंग बनाई गई है, ताकि वाहन ऊपर न जा सकें। इससे सड़क पर वाहनों का दबाव तो कम हो गया है। इसके बावजूद खतरा बना हुआ है।

सुधांशु नाथ शाहदेव, जगन्नाथपुर मंदिर के प्रथम सेवक ने कहा कि रिपोर्ट में जो सुझाव दिए गए हैं, हम उसी आधार पर आगे बढ़ेंगे। आरसीडी के द्वारा डीपीआर बनाई जा रही है। जैसे ही वह बन जाएगी कार्य शुरू हो जाएगा। इस रोड के क्षतिग्रस्त होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है। बुजुर्ग मंदिर तक नहीं आ पा रहे हैं।

एसआईआर नोटिस मिलने के बाद बुजुर्ग को आया अटैक', तृणमूल कांग्रेस का गंभीर आरोप, बीजेपी ने किया पलटवार

खड़गपुर, एजेंसी। पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत चंद्रकोणा में स्ढ्क्र की सुनवाई का नोटिस मिलने के कुछ ही घंटों बाद एक बुजुर्ग की मौत को लेकर राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। देर रात चंद्रकोणा के महेशपुर गांव के निवासी आलम शेख (65) का निधन हो गया।

परिवार के अनुसार, आलम शेख लंबे समय से बीमार थे। वे हृदय रोग से पीड़ित थे और अस्पताल में भी भर्ती रह चुके थे। घर लौटने के बाद भी उन्हें ऑक्सीजन की आवश्यकता पड़ रही थी। रात घर पर ही दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। परिवार की ओर से थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई, इसलिए शव का पोस्टमार्टम भी नहीं हुआ।

हालांकि, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने आरोप लगाया है कि सुनवाई का नोटिस मिलने से उत्पन्न मानसिक तनाव के कारण उनकी तबीयत और बिगड़ गई, जिसके चलते उनकी मौत हुई। इलाके के कुछ लोगों का भी दावा है कि नोटिस मिलने के बाद बुजुर्ग की हालत और खराब हो गई थी।

बताया गया है कि 2002 की मतदाता सूची में आलम शेख का नाम दर्ज नहीं था। वे चंद्रकोणा -2 ब्लॉक के भगवंतपुर पंचायत के महेशपुर-1 बूथ के मतदाता थे। उन्होंने एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा किया था, लेकिन वर्ष 2002 से संबंधित पारिवारिक विवरण उपलब्ध नहीं करा सके थे। इसी कारण गुरुवार दोपहर उन्हें सुनवाई का नोटिस भेजा गया।

चंद्रकोणा के विधायक अरूप धाड़ा ने आरोप लगाया, 'एसआईआर के दबाव में बुजुर्ग की तबीयत और बिगड़ गई। सुनवाई का नोटिस हाथ में मिलने के कुछ ही समय बाद आलम शेख की मौत हो गई।'

वहीं, भाजपा ने तृणमूल पर बेवजह डर फैलाने का आरोप लगाया है। चंद्रकोणा -2 के बीडीओ उत्पल पाइक ने कहा, '2002 की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था, इसलिए उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था।' पुलिस ने बताया है कि मामला उनके संज्ञान में है।

झारखंड में वन्यजीवों की तस्करी का इंटरनेशनल नेटवर्क ध्वस्त, नक्सल प्रभाव कम होने पर मिली कामयाबी

लातेहार, एजेंसी। जंगल अक्सर खामोश होकर सब सह लेता है। गोली की आवाज, फंदे की कसक और जहर की पीड़ा भी, लेकिन बीते एक साल में पलामू टाइगर रिजर्व के जंगलों ने चुप रहना छोड़ दिया। उन्होंने अपने रक्षकों के जरिए गरजना शुरू किया और उसी गरज में दशकों पुराना अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क धराशायी हो गया।

वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, झारखंड वन विभाग और पलामू टाइगर रिजर्व की संयुक्त कार्रवाई ने वह कर दिखाया, जो वर्षों से अधूरा था। झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ की सीमाओं में पसरे शिकारी गिरोहों की जड़ें काट दी गईं। 20 से अधिक तस्कर सलाखों के पीछे हैं और जंगल से छीने गए जीवन के सबूत कानून की मेज पर रखे जा चुके हैं।

विभाग की छापेमारी ने पूरे देश को चौंका दिया। सांप का जहर, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में (करीब 80 करोड़ आंकी गई) जब्त किया गया। उस पर लगा फ्रांस का टैग इस सच्चाई को उजागर करता है कि यहां के जंगल के सन्नाटे से निकली तस्करी की डोर यूरोप की प्रयोगशालाओं और एशिया के काले बाजार तक जुड़ी थी। साथ ही 16 किलो पैंगोलिन स्केल, रेड सैंड बोआ, बाघ की उल्टी, मोर के पैर, हड्डियों का पाउडर और अवैध हथियार भी बरामद हुए।जांच में सामने आया कि शिकार के बाद अंगों को कोलकाता और वाराणसी भेजा जाता था। वहां से रास्ते खुलते थे नेपाल और बांग्लादेश के, और मंज़िल होती थी चीन, वियतनाम और साउथ ईस्ट एशिया। बाघ की हड्डी, सांप का जहर और पैंगोलिन के स्केल सब कुछ लालच और अंधविश्वास के बाजार में बेचा जा रहा था।

बिना अनुमति फ्लैक्स-होर्डिंग लगाने वाले 78 संस्थानों पर 19.50 लाख का जुर्माना, मोनोपोल की जांच अधूरी

रांची, एजेंसी। राजधानी में अतिक्रमण हटाओ अभियान के साथ शहर को साफ-स्वच्छ बनाने की कवायद तेज हो गई है। रांची नगर निगम ने शहर में अवैध तरीके से लगाए गए बैनर,होर्डिंग, पोस्टर या दीवारों पर लिखे गए विज्ञापन के खिलाफ कार्रवाई करना शुरु कर दिया है।

निगम ने बिना अनुमति फ्लैक्स-होर्डिंग लगाने वाले 78 संस्थानों पर कुल 19.50 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। प्रत्येक संस्थानों पर 25 हजार रुपए की दर से जुर्माना लगाया गया है। शुक्रवार को निगम की टीम ने कचहरी रोड और अपर बाजार में जांच अभियान चलाया। इस दौरान दीवारों पर विज्ञापन लिखवाने वालों पर जुर्माना लगाया गया। दीवारों पर स्वीपर का सबसे अधिक विज्ञापन मिला। ऐसे में 6 स्वीपर पर जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा द ब्लैक बोर्ड इंस्टीच्युट पर भी 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

एक ओर अवैध होर्डिंग-पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ निगम कार्रवाई कर रहा है, लेकिन दूसरी ओर शहर में रेवड़ी की तरह बांटे गए मोनोपोल के खिलाफ जांच के आदेश के बावजूद अभी तक जांच पूरी नहीं हुई। इसका नतीजा हुआ कि सभी प्रमुख रूट में हर 500 कदम पर लगाए गए बड़े-बड़े मोनोपोल शहर की छवि खराब कर रहे हैं। इससे दुर्घटना भी बढ़ी है।

दीवार-बिजली के पोल पर भी बिना अनुमति नहीं लगा सकते पोस्टर : झारखंड नगर पालिका अधिनियम के तहत प्रशासक या सक्षम पदाधिकारी की अनुमति के बिना विज्ञापन प्रदर्शित करने पर रोक है। नगर निगम क्षेत्र में किसी भवन की दीवार पर विज्ञापन नहीं लिख सकते। होर्डिंग, बैनर, पोस्टर चस्पा नहीं कर सकते हैं। सार्वजनिक स्थल पर बिना अनुमति विज्ञापन प्रदर्शित करने पर 25 हजार रु. तक जुर्माना लग सकता है। दुकान के बाहर छोटा बोर्ड लगा सकते हैं।

ट्रेड लाइसेंस भी हो सकता है रद्द

नगर निगम में लिखित आवेदन दिए बिना होर्डिंग-बैनर,पोस्टर, दीवार लेखन या बैनर लगाकर दुकान-प्रतिष्ठान का प्रचार किया जाता है तो निगम अधिनियम के तहत इस पर कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे व्यक्ति या प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया जाएगा। जुर्माना नहीं देने पर ट्रेड लाइसेंस भी रद्द कर दिया जाएगा। जिसके बाद अवैध होर्डिंग के साथ ट्रेड लाइसेंस नहीं होने पर अलग से 25 हजार रुपए जुर्माना लग सकता है।

सरायढेला के कचरा गोदाम में भीषण आग, गोदाम मालिक को लोगों ने फोन पर दी सूचना

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के सरायढेला स्थित न्यू बैंक कॉलोनी में शनिवार को एक कचरा गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते गोदाम से ऊंची लपटें उठने लगीं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। संकरी गली होने के कारण दमकल की गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी परेशानी हुई।

इसके बावजूद, फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, जिससे आसपास के घरों और दुकानों को बड़े नुकसान से बचाया गया।

गोदाम मालिक सूरज कुमार ने बताया कि उन्हें आग लगने की सूचना आसपास के लोगों से फोन पर मिली। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि आग की लपटें तेज थीं और पूरा गोदाम उसकी चपेट में आ चुका था। उन्होंने यह भी बताया कि घटना के समय गोदाम बंद था और वे पिछले 15 वर्षों से इसका संचालन कर रहे हैं। इस अग्निकांड में गोदाम में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं।

12 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की तैयारी पूरी, फरवरी से एसआईआर का दूसरा चरण होगा शुरू

रांची, एजेंसी। झारखंड में मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्क्र) की प्रक्रिया को और सख्त कर दिया गया है। राज्य में लगभग 12 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की तैयारी पूरी हो चुकी है और संभावना है कि फरवरी माह से एसआईआर के दूसरे चरण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वोटर आईडी बनाए जाने की शिकायतों के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड सहित सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची हर हाल में सही, भरोसेमंद और विवाद से परे होनी चाहिए।

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, जिन मतदाताओं को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा, उन्हें अपनी पात्रता से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करने होंगे। इसमें पिछली स्ढ्क्रप्रक्रिया के दौरान की गई मैपिंग से जुड़े प्रमाण भी शामिल हो सकते हैं। सभी दस्तावेजों को बूथ लेवल ऑफिसर ऐप के माध्यम से अपलोड किया जाएगा।

दस्तावेज अपलोड होने के बाद ईआरओ स्तर पर उनकी गहन जांच की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि दस्तावेज प्राप्त होने के पांच दिनों के भीतर सत्यापन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य होगा। पूरी प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में संचालित की जाएगी।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने इस संबंध में सभी जिलों को पत्र भेजकर आयोग के ताजा निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्यभर में मतदान केंद्रों और उनके क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग कराई जा रही है, जिससे मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता और मजबूत हो सके।के. रवि कुमार ने कहा कि कम मैपिंग वाले क्षेत्रों में वोटर आउटरीच प्रोग्राम चलाकर मतदाताओं की सहभागिता बढ़ाई जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एक भी योग्य मतदाता छूटने न पाए और अधिक से अधिक मतदाताओं को पिछली गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया की मतदाता सूची से मैपिंग कराना सुनिश्चित किया जाए।

ईसीएल परियोजना में फायरिंग, डोजर जलाने का प्रयास:हथियारबंद अपराधियों ने की फायरिंग

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र स्थित ईसीएल की राजमहल परियोजना में ठेका संचालित कंपनी अंबे माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के लालघुटवा लोहंडिया के मध्य स्थित डंपिंग एरिया में दिनदहाड़े फायरिंग और आगजनी की घटना सामने आई है। दो हथियारबंद अपराधियों ने डोजर ऑपरेटर को भागने को कहा और डोजर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने का प्रयास किया। इसी दौरान एक अपराधी ने पास खड़े दूसरे डोजर पर फायरिंग कर दी, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई और सभी कर्मी अपनी जान बचाने के लिए गार्ड रूम की ओर भागे। घटना की सूचना मिलते ही महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आज़ाद, ललमटिया थाना प्रभारी रौशन कुमार सिंह और बोआरीजोर थाना प्रभारी आशीष यादव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके से पेट्रोल की बोतल, माचिस और डोजर के केबिन में फंसी गोली बरामद की है।

सीडीपीओ: सीडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने डंप एरिया में पहुंचकर फायरिंग की और डोजर में आग लगाने का प्रयास किया। मामले की छानबीन की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइड सुपरवाइजर मुरलीधर, डोजर ऑपरेटर मुनचुन कुमार और गार्ड खुर्शीद अंसारी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि ब्लास्टिंग के समय साइड पर डोजर खड़ा था और वे आपस में बात कर रहे थे। तभी दो अज्ञात बदमाश गाली-गलौज करने लगे और उन्हें भागने के लिए कहा।

इसके बाद दोनों अपराधियों ने कमर से हथियार निकालकर दो राउंड फायरिंग की, जिसमें एक गोली गाड़ी के शीशे में लगी। अपराधियों ने डोजर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, हालांकि आग हल्की होने के कारण जल्द ही बुझ गई। बताया जाता है कि खनन एरिया में अपराधी इस तरह का दुस्साहस कई बार कर चुके है।

मिथिलाक्षर जागरूकता अभियान: लुप्त होती मिथिला की पौराणिक लिपि को बचाने की हो रही कोशिश

रांची, एजेंसी। लुप्त होती मिथिला की पौराणिक लिपि को इन दिनों मिथिलाक्षर जागरूकता अभियान के जरिए बचाने की कोशिश की जा रही है. इसी के तहत इस अभियान से जुड़े लोग राजधानी रांची के हरमू स्थित विद्यापति दलान में एकजुट हुए. इस मौके पर मैथिली भाषा की राष्ट्रीय दैनिक मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश के प्रकाशन की पांचवीं वर्षगांठ का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण के उपरांत 'जय-जय भैरवि असुर भयाउनी' भगवती वंदना के साथ हुआ.

इस दौरान पटना, दरभंगा, मधुबनी, नासिक आदि स्थानों से आए अभियानियों एवं मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश फोरम के पदाधिकारी तथा रांची में रहने वाले अभियानियों एवं झारखंड मैथिली मंच के पदाधिकारियों का पारस्परिक परिचय हुआ. इस अवसर पर नासिक से आए फोरम एवं मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश समाचार पत्र तथा मिथिलाक्षर साक्षरता अभियान के संस्थापक पंडित अजय नाथ झा शास्त्री ने अपने उद्घाटन संबोधन में मिथिलाक्षर साक्षरता अभियान, मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश त्रैमासिक पत्रिका और मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश दैनिक के प्रकाशन तक की अनेक वर्षों की संघर्ष यात्रा का सविस्तार से बताया.

मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश फोरम की स्थापना तथा इसके 13 प्रकल्पों के माध्यम से मिथिला और मैथिली भाषा तथा मिथिलाक्षर के उत्थान हेतु चलाए जा रहे जागरूकता शिक्षण-प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक कौशल संवर्धन कार्यक्रम आदि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मैथिली भाषा अनुरागी सभी लोगों से मैथिली के इस एकमात्र जीवित और जीवंत दैनिक अखबार मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश को सुगमतापूर्वक संचालित करने में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया.

मैथिली पत्र-पत्रिका की चुनौती पर हुई चर्चा

इस मौके पर मैथिली पत्र-पत्रिका के समक्ष चुनौती पर खुलकर चर्चा हुई. पूर्व पार्षद एवं इस समारोह के मुख्य अतिथि अरुण कुमार झा ने मैथिली में दैनिक अखबार के चार वर्षों से नियमित प्रकाशन हेतु अखबार एवं फोरम से जुड़े सभी लोगों की सराहना की. समारोह को संबोधित करते हुए राजकुमार मिश्रा ने आशा व्यक्त की कि मैथिली दैनिक का भविष्य सुखद और उज्जवल होगा. इस अवसर पर झारखंड मैथिली मंच के महासचिव जयंत झा ने अखबार के नियमित प्रकाशन में होने वाली आर्थिक कठिनाइयों को रेखांकित करते हुए इस दिशा में सभी को सहयोग करने की अपील की.

समारोह में मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश फोरम एवं अखबार में विशिष्ट योगदान के लिए अनेक लोगों को सम्मानित किया गया, जिसमें मैथिल पुनर्जागरण प्रकाश के मैथिली समाचार बुलेटिन में समाचार पढ़ने वाले सुमित सौरभ को सर्वश्रेष्ठ समाचार एंकर का सम्मान प्रदान किया गया. इस अवसर पर कृष्णकांत झा, कुमार प्रमोद चंद्र, दीपक आनंद मलिक, वीणा झा, पूनम मिश्रा, अशोक लाल, डॉ. विनय कर्ण आदि को भी सम्मानित किया गया। इस समारोह में प्रेमनाथ झा, सुकुमार झा, शशि भूषण कंठ, सतीश कुमार मिश्रा, ब्रजकुमार झा, समीर कुमार मिश्रा, समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे

साहिबगंजः धूमधाम से मनाया गया कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान और गरीबों के बीच कंबल वितरण

निज संवाददाता

साहिबगंज। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, साहिबगंज में अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर जिलेभर से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं, दिग्गज नेताओं और स्थानीय समर्थकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर पार्टी की विचारधारा के प्रति अपनी अटूट निष्ठा दोहराई। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के साथ हुई। इसके पश्चात जिला अध्यक्ष मो. बरकतउल्ला खान ने विधिवत झंडोत्तोलन किया। इस दौरान पूरा परिसर "विजय विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा" के स्वर से गूंज उठा। झंडा गीत के बाद उपस्थित कांग्रेसजनों ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास, देश की आजादी में दी गई कुर्बानियों और राष्ट्र निर्माण में कांग्रेस के महत्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बरकतउल्ला खान ने कहा, "कांग्रेस देशहित की आवाज उठाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। आज स्थापना दिवस पर हम सच्चाई और समानता के अपने संकल्प को पुनः दोहराते हैं।" उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कार्यकर्ताओं से संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि पार्टी की नीतियों को आम जनता तक पहुँचाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। कांग्रेस की पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए इस अवसर पर तीन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को उनके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष ने प्रदेश प्रतिनिधि मुर्शाद अली, जिला सचिव मंगल पासवान और वरिष्ठ कांग्रेसी ओम प्रकाश साह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही, समाज सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पार्टी की ओर से कार्यक्रम में उपस्थित जरूरतमंद महिलाओं के बीच कंबल का वितरण किया गया। समारोह में अनुकूल मिश्रा, मुर्शाद अली, मो. कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, सरफ़राज़ आलम, नित्यानंद गुप्ता, हीरालाल साह, भोला महतो, राम सिंगर ओझा, यमुना दास, दिलीप गुप्ता, मो. सलाउद्दीन, ओम प्रकाश, मंगल पासवान, रिजवान अली, सतीस पासवान, देवराज सिंह, अली कुरैशी, शब्दुल अंसारी, ज़ाहिद खान और मो. मेराजुद्दीन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा अनिल पांडे, परवेज़ आलम, रणजीत टुडू, अनन्तलाल भगत, नेहाल अख़्तर, शारिक़ रब्बानी, संतोष झा, निताई सरकार, मो. रहीम, मो. रिज़वान, नसीम अंसारी, मो. सलीम, जवाहर सिंह, आरिफ अली, मो. लुकमान, चंद्रभूषण ओझा, समीम अंसारी, सद्दाम हुसैन, मो. शमशाद, नौशाद अंसारी, दिलीप कुमार, नवाब अंसारी, अल्ताफ हुसैन, अजय चौधरी, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, मो. निहाल, राजाउद्दीन अंसारी सहित सैकड़ों महिलाएँ और कांग्रेस कार्यकर्ता इस ऐतिहासिक समारोह के साक्षी बने।

सोशल मीडिया का शौक पड़ा भारीः राजमहल में रिल्स बनाने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से 17 वर्षीय किशोर की मौत

निज संवाददाता

साहिबगंज। सोशल मीडिया पर रिल्स बनाने और फोटो खिंचवाने का जानलेवा क्रेज थमता नजर नहीं आ रहा है। राजमहल के तीनपहाड़ रेल खंड पर शनिवार को एक हृदयविदारक घटना घटी, जहाँ रिल्स शूट करने के चक्कर में एक 17 वर्षीय किशोर को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के वृंदावन निवासी तिलकाई मुर्मू का 17 वर्षीय पुत्र रामजी मुर्मू अपने कुछ दोस्तों के साथ शनिवार को तीनपहाड़ रेल खंड के अंतर्गत झपाई पुल पर गया था। बताया जा रहा है कि सभी दोस्त रेल लाइन के किनारे खड़े होकर मोबाइल से रिल्स और फोटो शूट कर रहे थे। जिस समय किशोर रिल्स बनाने में मशगूल थे, उसी दौरान साहिबगंज की ओर से डाउन अमृत भारत एक्सप्रेस तेज रफ्तार में आ रही थी। रामजी मुर्मू ट्रेन की बेहद करीब खड़ा था, तभी वह अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की पावदानी (फुटबोर्ड) उसके शरीर से जोरदार तरीके से टकराई, जिससे वह हवा में उछलकर काफी दूर जा गिरा। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामजी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद साथ आए दोस्तों और सूचना पाकर पहुँचे परिजनों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. उदय टुडू ने गहन जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार, अस्पताल लाने से पहले ही किशोर की मृत्यु हो चुकी थी। किशोर की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों की चीख-पुकार मच गई। एक उभरते हुए युवा की इस तरह अचानक हुई मौत से पूरे वृंदावन गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस और रेल पुलिस (जीआरपी/आरपीएफ) को दे दी गई है, जो मामले की छानबीन में जुट गई है। यह घटना एक बार फिर रेल पटरियों और पुलों पर रिल्स बनाने की खतरनाक प्रवृत्ति की ओर इशारा करती है। रेलवे प्रशासन और स्थानीय बुद्धिजीवियों ने युवाओं से अपील की है कि वे सोशल मीडिया के शौक के लिए अपनी जान जोखिम में न डालें और रेल पटरियों जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों से दूर रहें।

राजमहलः प्रूडेंट स्टडी सेंटर के छात्रों ने मडरो फॉसिल पार्क का किया शैक्षणिक भ्रमण, जाना पृथ्वी और जीवाश्मों का रहस्य

निज संवाददाता

साहिबगंज। राजमहल स्थित प्रूडेंट स्टडी सेंटर, काज़ीगांव तीनपहाड़ के छात्र-छात्राओं ने रविवार को मंडरो फॉसिल पार्क का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। शिक्षक प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को किताबी ज्ञान से हटकर व्यावहारिक रूप से पृथ्वी के इतिहास और भू-वैज्ञानिक धरोहरों से रूबरू कराना था। पार्क पहुँचने पर गाइड लक्ष्मण मुर्मू ने छात्रों को पार्क और वहां मौजूद करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्मों (Fossils) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने बड़े ही उत्साह के साथ पार्क के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और वहां लगे सूचना पट्टों पर अंकित वैज्ञानिक तथ्यों को पढ़ा। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने म्यूजियम का दौरा किया और पृथ्वी की उत्पत्ति से संबंधित एक विशेष चलचित्र (Film) देखा। इस फिल्म के माध्यम से उन्होंने ज्वालामुखी विस्फोट, जीवाश्मों के निर्माण की प्रक्रिया, उनके बनने के कारण और जीवाश्मों की आयु का वैज्ञानिक आकलन कैसे किया जाता है, इस बारे में गहन जानकारी हासिल की। छात्रों के लिए यह अनुभव काफी शिक्षाप्रद और रोमांचक रहा। इस शैक्षणिक भ्रमण की शुरुआत मॉडल कॉलेज राजमहल परिसर से हुई। छात्रों ने इस सफल यात्रा के लिए मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। छात्रों ने भू-धरोहर (Geo-heritage) के सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में डॉ. सिंह द्वारा की गई पहल और उनके प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उनके सहयोग के कारण ही छात्रों को इस महत्वपूर्ण भू-वैज्ञानिक स्थल को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण में मुख्य रूप से अंशु, नितेश, ऋषि, सुमन, सुरभि, अंजना, कुणाल, हंसराज, सुमन सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। शिक्षक प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे भ्रमण से छात्रों में विज्ञान और भूगोल के प्रति रुचि जागृत होती है और वे अपनी प्राकृतिक व ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं।

राजमहलः मतदाता सूची की शुद्धता पर जोर, बीडीओ मो. यूसुफ ने बीएलओ को दिए कड़े निर्देश

निज संवाददाता

साहिबगंज। आगामी निर्वाचन की तैयारियों को धार देने और मतदाता सूची को पूरी तरह त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से रविवार को राजमहल प्रखंड सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मो. यूसुफ की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में प्रखंड के सभी बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए बीडीओ मो. यूसुफ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए सटीक मतदाता सूची का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, "मतदाता सूची की शुद्धता ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" बैठक के दौरान मतदाता पहचान पत्र (Voter ID) में फोटो की गुणवत्ता पर विशेष चर्चा की गई। बीडीओ ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि यदि नई मतदाता सूची में किसी मतदाता की फोटो धुंधली, ब्लैक एंड व्हाइट, आयामहीन या अस्पष्ट है, तो संबंधित बीएलओ तत्काल उस मतदाता से संपर्क करें। ऐसे मामलों में फॉर्म-8 के माध्यम से फोटो सुधार की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। फोटो के अलावा, मतदाता सूची में दर्ज नाम, पिता/पति का नाम, पता या अन्य व्यक्तिगत विवरणों में पाई जाने वाली त्रुटियों को भी प्राथमिकता के आधार पर सुधारने के निर्देश दिए गए। बीडीओ ने कहा कि सुधार की प्रक्रिया इस प्रकार की जाए कि भविष्य में मतदान के दौरान मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बीएलओ को उनके उत्तरदायित्वों का बोध कराते हुए मो. यूसुफ ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। मतदाता सूची जितनी सटीक होगी, निर्वाचन प्रक्रिया उतनी ही सुदृढ़ और विश्वसनीय होगी। बैठक के अंत में निर्वाचन से जुड़े विभिन्न तकनीकी और प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर बीएलओ की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर राजमहल प्रखंड के सभी बीएलओ उपस्थित थे, जिन्होंने त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवसः प्रखंड अध्यक्ष बदरुद्दोजा ने फहराया झंडा, राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ याद किए गए महापुरुष

निज संवाददाता

साहिबगंज। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस रविवार को पूरे देश के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड कांग्रेस कार्यालय (मोहर्रम लॉज) में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मो० बदरुद्दोजा ने की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड अध्यक्ष मो० बदरुद्दोजा द्वारा पार्टी का ध्वज फहराकर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। ध्वजारोहण के पश्चात कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारों के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष मो० बदरुद्दोजा ने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी और गौरवशाली पार्टी है। उन्होंने कहा, "पार्टी अपनी स्थापना से लेकर आज तक कई चुनौतियों और नाजुक दौर से गुजरी है, लेकिन जनता का विश्वास कभी कम नहीं हुआ। राष्ट्र निर्माण और आधुनिक भारत की नींव रखने में कांग्रेस की जो भूमिका रही है, उसे युगों-युगों तक भुलाया नहीं जा सकता।" स्थापना दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर देश की आजादी और विकास में प्राण न्योछावर करने वाले महापुरुषों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री, मौलाना अबुल कलाम आजाद और स्वर्गीय इंदिरा गांधी के अतुलनीय योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इन महापुरुषों ने राष्ट्र हित में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया और उनके बताए रास्तों पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेताओं के पदचिन्हों पर चलने और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने की शपथ ली। वक्ताओं ने आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार, जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी, जिला सचिव मैनूल हक, जिला सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर आरिफ आलम, मंडल अध्यक्ष खालिद शेख, और मंडल अध्यक्ष मो० मुरसालिम उपस्थित थे। इनके अलावा प्रेम सरकार, जमीरुल इस्लाम, इंजमामुल हक, गुफरान आलम, केरामुल हक, वसीम रेजा, आरीफ शेख, जमील अख़्तर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

राजमहलः जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, सौतेले भाई ने चाकू मारकर भाई को किया लहूलुहान, पत्नी भी घायल

निज संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल/ मो० तानवीर शेख। राजमहल के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत जोंका गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार को हिंसक झड़प हो गई। इस विवाद में आपसी बातचीत देखते ही देखते मारपीट में बदल गई, जिसमें एक व्यक्ति पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया। हमले में पति-पत्नी दोनों घायल हुए हैं, जिन्हें गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, जोंका निवासी ईमाम शेख (35 वर्ष) दोपहर के समय अपने घर के पास खड़े थे। उसी दौरान उनके सौतेले भाई, बहन और परिवार के अन्य सदस्य घर की जमीन से जुड़े किसी पुराने विवाद को लेकर चर्चा कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बातचीत के दौरान माहौल अचानक गर्म हो गया और दोनों पक्षों के बीच तू-तू, मैं-मैं शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि मामला मारपीट तक पहुँच गया। इसी बीच ईमाम शेख के सौतेले भाई ने तैश में आकर उन पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू सीधे ईमाम शेख के सिर पर लगा, जिससे वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी सलमा बीवी के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उन्हें भी चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद चीख-पुकार सुनकर परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुँचे। घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. उदय टुडू ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, ईमाम शेख के सिर की चोट और गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक चिकित्सा के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च संस्थान (हायर सेंटर) रेफर कर दिया गया है। जमीन के लिए अपनों के ही खून के प्यासे होने की इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल है। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑपरेशन 'उपलब्ध' के तहत आरपीएफ की बड़ी कार्रवाईः साहिबगंज स्टेशन से अवैध टिकट दलाल गिरफ्तार

निज संवाददाता

साहिबगंज। रेलवे टिकटों की कालाबाजारी और अवैध टिकटिंग पर लगाम लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अखिल भारतीय अभियान 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), मालदा मंडल को बड़ी सफलता मिली है। रविवार को आरपीएफ की टीम ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर छापेमारी कर अवैध टिकटों के कारोबार में संलिप्त एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरपीएफ/सीआईबी मालदा की संयुक्त टीम ने आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज के सहयोग से यह कार्रवाई की। आरपीएफ की टीम साहिबगंज स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) काउंटर के पास एक व्यक्ति की संदिग्ध हरकतों ने सुरक्षा बलों का ध्यान खींचा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक लाइव आरक्षित तत्काल टिकट और अवैध टिकटिंग से जुड़े अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। जब आरपीएफ अधिकारियों ने टिकट के संबंध में वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब मांगा, तो आरोपी कोई भी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को रेलवे अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ पोस्ट साहिबगंज में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया और गहन जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस अवैध नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। यह पूरी कार्रवाई मालदा के मंडल रेल प्रबंधक (DRM) मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त असीम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में संचालित की गई। आरपीएफ ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा अधिकृत काउंटरों या आधिकारिक वेबसाइट (IRCTC) से ही टिकट खरीदें। किसी भी दलाल या अनधिकृत व्यक्ति से टिकट लेना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि इसमें धोखाधड़ी की संभावना भी बनी रहती है। अधिकारियों के अनुसार, अवैध टिकटिंग के खिलाफ यह सघन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राजमहलः सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर पंचायत की बड़ी कार्रवाई, दुकानों से 25 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त

निज संवाददाता

साहिबगंज। पर्यावरण संरक्षण और शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में राजमहल नगर पंचायत ने सख्त रुख अपना लिया है। विभागीय निर्देशों के आलोक में शनिवार को नगर पंचायत प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में एक व्यापक जांच अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई से प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया। यह अभियान नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन के आदेशानुसार संचालित किया गया। अभियान का नेतृत्व नगर प्रबंधक जितेश कुमार चौधरी ने किया। जांच टीम में मुख्य रूप से नमन कुमार, राजस्व निरीक्षक सुजीत कुमार यादव और नगर पंचायत के अन्य कर्मी शामिल रहे। नगर पंचायत की टीम ने शहर के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अचानक दबिश दी। सघन जांच के दौरान दुकानों में छिपाकर रखे गए प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक की गहन पड़ताल की गई। इस कार्रवाई में लगभग 25 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले कई दुकानदारों पर मौके पर ही नियमानुसार जुर्माना लगाया गया, जबकि कुछ को अंतिम चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। नगर प्रबंधक जितेश कुमार चौधरी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बेहद घातक है और इसके विरुद्ध प्रशासन का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि कोई प्रतिबंधित सामग्री का उपयोग या विक्रय करते पाया गया, तो और अधिक कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत प्रशासन ने शहर के व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का पूर्णतः बहिष्कार करें। इसके स्थान पर कपड़े के थैले, जूट के बैग या अन्य पर्यावरण अनुकूल और वैकल्पिक सामग्रियों का उपयोग करें। प्रशासन ने अंत में यह संदेश दिया कि राजमहल को स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक नियमितता और सख्ती के साथ चलाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आज का संदेश समाजसेवी अजहर इस्लाम की कलम से

समाज के एक प्रभावी आदर्श और जागरूकता के साथ, हम नववर्ष में कदम रख रहे हैं। यह समय है अपने लक्ष्यों को नए सिरे से निर्धारित करने का, अपने सपनों को पूरा करने का, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आपके प्रयासों से समाज में जागरूकता बढ़ रही है, और हम एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। आइए, नववर्ष में भी समाज के लिए काम करते रहें, और एक बेहतर दुनिया बनाने में अपना योगदान दें आपका भरोसा और उम्मीद मेरी पहचान ,आपका अजहर इस्लाम

जंगली हाथी ने मकान को किया क्षतिग्रस्त, उपसमाहर्ता ने सहयोग दिलाया भरोसा

लातेहार/बालूमाथ । बालूमाथ प्रखंड के कोमर ग्राम में जंगली हाथी के द्वारा एक ग्रामीण कृष्णा उरांव का मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रवीण कुमार सिंह उपसमाहर्ता लातेहार एवं जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी के पति ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रवीण कुमार सिंह ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया और हाथी के द्वारा किये गये नुकसान सर्वे कर के क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने वन विभाग से इस संबंध में जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुये पीड़ित को राहत पहुंचाने का अपील की। वहीं इस संबंध में जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि वन क्षेत्र से सटे हुये गांवों में हाथियों का लगातार प्रवेश की घटनायें काफी समय से जारी है यह बहुत ही चिंताजनक बात हैं। ऐसी घटनाओं के रोकथाम के लिये प्रशासन को भी ठोस योजना बनानी चाहिये ताकि आमजन के जान-माल की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

भुवनेश्वर के 'किसस' में राजनीति विज्ञान के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हजारीबाग ।विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के शिक्षक एवं शोधार्थी कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंस (केआईएसएस), भुवनेश्वर में आयोजित 62वें इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन (आईपीएसए) के दो दिवसीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने बताया कि विभाग के शिक्षक एवं शोधार्थी नियमित रूप से इस अखिल भारतीय संगठन के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेते रहे हैं। ज्ञात हो कि राजनीति विज्ञान के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों का सबसे बड़ा एवं पुराना अखिल भारतीय संगठन के रूप में 'इप्सा' की अपनी ख्याति है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने स्पष्ट किया है कि वह चाहते हैं कि शिक्षक और शोधार्थी ऐसे आयोजनों में भाग ले ताकि उन्हें 'एकेडमिक एक्स्पोज़र' की प्राप्ति हो सके। इस वर्ष के 27-28 दिसंबर को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का विषय है "वी द पीपल आफ भारत"। विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर बालेश्वर प्रसाद सिंह विशिष्ट वक्ता के रूप में तथा एक महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किए गए हैं। इसके अलावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के कई प्राध्यापकों के शोध पत्र स्वीकृत हुए हैं। इसमें बरकट्ठा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बलदेव राम, आदर्श कॉलेज राजधनवार के सहायक प्राध्यापक डॉ रोशन कुमार, मारखम महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ लाडली कुमारी तथा अन्नदा महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ आदित्य कुमार पंकज शामिल है। विभावि के राजनीतिक विज्ञान विभाग के पूर्व विद्यार्थी एवं शोधार्थी तथा वर्तमान में कोल्हान विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक डॉ हरीश कुमार भी पूर्व की भांति इस वर्ष सम्मेलन में भाग ले रहे हैं तथा अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा राजनीति विज्ञान विभाग में अध्ययन या शोध कार्य करने वाले डॉ समीर कुमार, अनदीप कुमार, संतोष रजक तथा रवि विश्वकर्मा के भी आलेख इस अखिल भारतीय सम्मेलन के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

सीसीएल हजारीबाग क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट का शुभारंभ

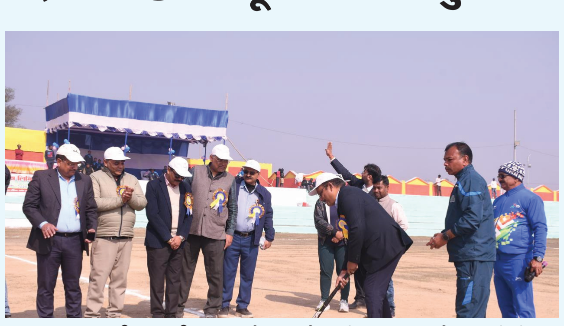

चुरचू/चरही हजारीबाग । सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) हजारीबाग क्षेत्र के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट का शुभारंभ रविवार को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, तापिन साउथ में उत्साहपूर्ण और खेलमय वातावरण के साथ किया गया। इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से कुल ग्यारह टीमों ने भाग लिया। खिलाड़ियों में जबरदस्त जोश, अनुशासन और खेल भावना देखने को मिली जबकि दर्शकों ने भी खेल का भरपूर आनंद उठाया। टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य सीसीएल के कर्मचारियों के बीच खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, शारीरिक फिटनेस को प्रोत्साहित करना तथा आपसी सौहार्द, भाईचारे और टीम भावना को मजबूत करना है। आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि खेल न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। खेल का विधिवत उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि हजारीबाग क्षेत्र के महाप्रबंधक कल्याणजी प्रसाद रहे। उन्होंने झंडोतोलन कर, गुब्बारे उड़ाकर तथा हॉकी स्टिक से बॉल मारकर पारंपरिक रूप से टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल जीवन में ऊर्जा, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क का विकास करता है। उन्होंने सभी टीमों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश कुमार सिन्हा, अमला अधिकारी (खनन), राजेंद्र प्रसाद, अमला अधिकारी (पी एंड पी), नीलाम्बरा मालिक, अमला अधिकारी (मानव संसाधन), निशांत परमार, उप प्रबंधक (मानव संसाधन), पीयूष, सहायक प्रबंधक (सीडी), चन्द्रिका प्रसाद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिता में सभी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और खेल को अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का सशक्त माध्यम बताया। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में हजारीबाग क्षेत्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आम्रपाली-चन्द्रगुप्त क्षेत्र की टीम को 4-0 से पराजित किया। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें हजारीबाग क्षेत्र के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल और बेहतरीन तालमेल का परिचय दिया। दर्शकों ने इस शानदार खेल प्रदर्शन की जमकर सराहना की। इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तुरा मांझी को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। तीन दिवसीय यह अंतर-क्षेत्रीय हॉकी टूर्नामेंट 30 दिसंबर तक चलेगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 30 दिसंबर को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, तापिन साउथ में खेला जाएगा। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र होंगे। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

संथाली भाषा में संविधान का लोकार्पण, जामताड़ा में आदिवासी समाज में खुशी की लहर

निज संवाददाता

जामताड़ा। भारत की राष्ट्रपति द्वारा संविधान का संथाली भाषा में लोकार्पण किए जाने से आदिवासी समाज में उत्साह और गर्व का माहौल है। इस ऐतिहासिक पहल को लेकर जामताड़ा जिले के विभिन्न आदिवासी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता जताई है और इसे आदिवासी अस्मिता, भाषा और संस्कृति के सम्मान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। माझी परगना सरदार महासभा, आदिवासी सांवत सुसार आखड़ा सहित जिले के कई आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि संथाली भाषा को संवैधानिक स्तर पर इस प्रकार मान्यता मिलना आदिवासी समाज के लिए गौरव का विषय है। संगठनों का मानना है कि यह कदम न केवल भाषा के संरक्षण और संवर्धन में सहायक होगा, बल्कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा से और मजबूती से जोड़ने का काम भी करेगा। आदिवासी नेताओं ने कहा कि अब संविधान संथाली भाषा में उपलब्ध होने से ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में काफी सुविधा होगी। अब तक भाषा की बाधा के कारण कई लोग संवैधानिक प्रावधानों से पूरी तरह परिचित नहीं हो पाते थे, लेकिन इस पहल से जागरूकता बढ़ेगी और लोकतांत्रिक सहभागिता मजबूत होगी। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष राधा रानी सोरेन ने कहा कि संथाली भाषा में संविधान का लोकार्पण आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण है। यह हमारी भाषा और संस्कृति को सम्मान देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। वहीं प्रोफेसर सुनील कुमार हसदा ने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इससे शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा मिलेगा। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आदिवासी समाज के आत्मसम्मान को मजबूत करेगी और भाषा आधारित समानता को बढ़ावा देगी। कुल मिलाकर, संथाली भाषा में संविधान का लोकार्पण आदिवासी समाज के लिए एक ऐतिहासिक, प्रेरणादायी और दूरगामी प्रभाव वाली पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे समाज के सर्वांगीण विकास की नई राह खुलेगी।

दिशोम सोहराय महोत्सव की तैयारी को लेकर आदिवासी समाज ने की बैठक

निज संवाददाता

चुरचू/चरही (हज़ारीबाग़) : प्रखंड के आंगो पंचायत के ओरिया-बेला के चड़री चट्टानी में आयोजित बारह जनवरी दिशोम सोहराय मिलन समारोह मनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गणेश मांझी ने की वही संचालन बाबूलाल हेंब्रम ने किया। बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया की हरेक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिशोम सोहराय महोत्सव धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। इस मेला महोत्सव में शामिल आदिवासी समाज के प्रतिभागी अपने आदिवासी रीति रिवाज व विशेष भेष-भूषा के साथ शामिल होंगे। इस वर्ष का विशेष थीम आदिवासियात को बचाना है। बैठक में प्रखंड के रति मांझी, शीतल हेम्ब्रोम, मोहन हेम्ब्रोम, झरी मांझी, दिनेश मुर्मू, कैलू मांझी, सुनित कुमार हेमरोम, जीतन मांझी, सीताराम मुर्मू, महादेव टुडू, बंशी मरांडी, मोतीलाल हेम्ब्रोम, मिहीलाल हेम्ब्रोम, कालीचरण मांझी, सोमर मुर्मू, मंटू मुर्मू आदि शामिल थे।

मईया सम्मान योजना से बदली महिला की तकदीर नाला प्रखंड की उमारानी चक्रवर्ती बनीं आत्मनिर्भर सरकारी योजना से शुरू किया अपना व्यवसाय

निज संवाददाता

नाला प्रखंड के ग्राम भेड़ों की निवासी उमारानी चक्रवर्ती ने यह साबित कर दिया है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे तो जीवन में बड़ा बदलाव संभव है। झारखंड सरकार की मईया सम्मान योजना के तहत मिली 17 किस्तों की राशि को उन्होंने पूरी सूझबूझ और आत्मविश्वास के साथ संजोया और उसी पूंजी से नाला में अपना छोटा व्यवसाय शुरू किया। यह कदम उनके लिए आजीविका का साधन ही नहीं बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बन गया है उनकी इस प्रेरक पहल की जानकारी जब विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो को मिली तो उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नाला पहुंचकर उनके व्यवसाय का फीता काटकर शुभारंभ किया और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर रविंद्र नाथ महतो ने कहा, "उमारानी चक्रवर्ती ने यह साबित कर दिया कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग कर कोई भी महिला अपनी जिंदगी बदल सकती है। यह न केवल महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। हमारी कोशिश है कि ऐसी कहानियों को और अधिक महिलाओं तक पहुंचाया जाए।मौके पर उपस्थित लोगों के बीच उमारानी चक्रवर्ती की मेहनत और संकल्प की सराहना की गई। यह पहल न केवल महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है बल्कि यह भी दर्शाती है कि योजनाओं का सही उपयोग ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना सकता है। उमारानी चक्रवर्ती आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं और उनका यह प्रयास आत्मनिर्भर झारखंड की दिशा में एक मजबूत कदम के रूप में देखा जा रहा है।

अवैध खनन की किला को ऊचाई देने को एक और शातिर पत्थर माफिया के तौर पर उभरे अकमल

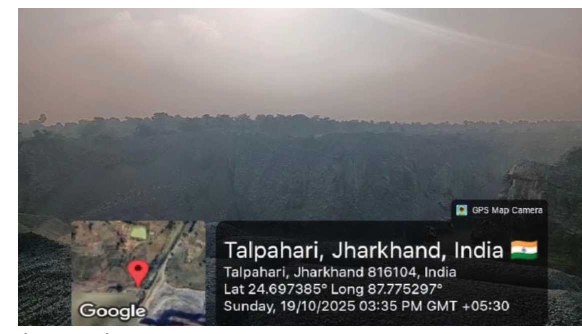

निज संवाददाता

पाकुड़। पाकुड़ ज़िलें मे अवैध खनन एक विरासत बन गई है और इसके नियंत्रण मे लगे पदाधिकारी एक कमीशन रूपी औजार के रूप मे सामने आ रहे है यह बाते कतई सत्य और सटीक है ज़िलें मे कई मामले अवैध खनन से सम्बंधित खबरें लगातार आई और कई खनन क्षेत्र मे जांच हुई पर जांच मे लगे पदाधिकारी और जांच प्रतिवेदन वाले पदाधिकारी ने सारे मामले को पलटने मे कोई कसर नहीं छोड़ी है जिसका उदाहरण पाकुड़ ज़िलें मे कई खनन क्षेत्र मे अवैध खनन की पुष्टि पर भी विभाग या ज़िला प्रशासन ने अब तक कोई कारवाई या प्राथमिकी नहीं करते हुए उन्हें संगरक्षण देने का दृढ निश्चय कायम किया है और अब हिरनपुर अंचल अधीन ताल पहाड़ी के एक खास और तीसरा माफिया अकमल इस पूरे खनन क्षेत्र मे अवैध खनन को अंजाम देने मे अहम् भूमिका निभाई है आइये इस खनन पट्टे धारी की असलियत से आज ज़िला प्रशासन ज़िला के खनन विभाग और राजस्व की प्राप्ति वाले सभी तथा राज्य के स्वतंत्र जांच एजेंसी एवं केंद्रीय जांच एजेंसी को भी संदर्भित करते हुए इन तथ्यों को आप तक पहुंचाने को कृत संकल्पित हूँ और उम्मीद करता हुँ जब सभी लुटेरा एक साथ हो जाएं तो एक साथी ईमानदार जरुर पैदा होता है जो इनका संहार करता है आइये जानिए इसके लीज़ क्षेत्र के कुल जमीन जो इन्हे सरकार ने लीज़ हेतु स्वीकृत दी है जिसके दाग No- 714/P,715/P, 716/P, 717/P,718/P, 719/P, 720/P,730/P,731/P, 732/P,740,741/P, 743/P, 744/P, 745/P, 758/P, 759/P, 760/P,761,762,763,764/P,765,766,767,768/P प्राप्त है एवं इसके अलावे 5दाग पर करीब 15बीघा पर अवैध खनन को अंजाम दिया है साथ साथ जलशय नहर को भी अतिक्रमण कर उस पर रास्ता बना दिया गया है आखिर सवाल है जब अधिकारी पदाधिकारी का निरिक्षण लगातार होता है तो फिर अवैध खनन पर लगाम क्यो नहीं होतीं आखिर इनके कुछ दुरी पर ग्रामीण की वस्ती है फिर भी खनन की ब्लास्टिंग और प्रदुषण पर कोई सटीक निर्णय क्यो नहीं

» हिरनपुर अंचल अधीन तालपहाड़ी मौजा की अवैध कहानी का तीसरा शातिर पत्थर माफिया बना अकमल

» पाकुड़ ज़िलें के ईमानदार पर उठते सवाल कारवाई या लीपापोती का आगाज़

इंटर कॉलेज नाला में नाला एवं कुंडहित कॉलेज की शासी निकाय की संयुक्त बैठक संपन्न

निज संवाददाता

जामताड़ा ।इंटर कॉलेज नाला परिसर में इंटर कॉलेज नाला एवं इंटर कॉलेज कुंडहित की शासी निकाय की संयुक्त बैठक संपन्न हुई बैठक में झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो प्रभारी जिला शिक्षा पदाधिकारी दोनों कॉलेजों के प्राचार्य सहित शासी निकाय के अन्य सदस्य उपस्थित रहे बैठक के दौरान कॉलेजों के वेतन अनुदान रेगुलेशन तथा प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गई साथ ही शैक्षणिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ पारदर्शी और प्रभावी बनाने को लेकर विचार विमर्श हुआ बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की बुनियाद होती है और इंटर कॉलेज ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं उन्होंने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन अनुदान से संबंधित मामलों का समयबद्ध समाधान होना चाहिए ताकि पठन पाठन का कार्य निर्बाध रूप से संचालित हो सके उन्होंने यह भी कहा कि मजबूत रेगुलेशन पारदर्शी प्रशासन और बेहतर समन्वय से ही कॉलेजों का समुचित विकास संभव है प्राचार्यों और शासी निकाय के सदस्यों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करना चाहिए ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भी बेहतर शैक्षणिक वातावरण संसाधन और अवसर उपलब्ध कराए जाएं बैठक में शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने संसाधनों के प्रभावी उपयोग प्रशासनिक सुधार तथा विद्यार्थियों के हित में आवश्यक निर्णय लेने पर सहमति बनी वहीं उपस्थित अधिकारियों ने कॉलेजों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया

» शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों कर्मचारियों के हित सर्वोपरिः रविंद्र नाथ महतो

जामताड़ा में शिक्षा तकनीक और प्रतिभा का उत्सव लखोटिया कंप्यूटर सेंटर ने धूमधाम से मनाया 19वां वार्षिक महोत्सव

निज संवाददाता

जामताड़ा ।जामताड़ा से एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है जहां शिक्षा तकनीक और प्रतिभा का शानदार संगम देखने को मिला जामताड़ा के चर्चित संस्थान लखोटिया कंप्यूटर सेंटर ने अपना 19वां वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया कार्यक्रम में शिक्षा के साथ संस्कृति और रोजगार की झलक भी देखने को मिली दुलाडीह जामताड़ा में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जामताड़ा के डीडीसी निरंजन कुमार और पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर अतिथियों ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में कंप्यूटर शिक्षा युवाओं के लिए रोजगार की सबसे मजबूत कुंजी बन चुकी है कार्यक्रम की खास बात छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा माहौल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा लखोटिया कंप्यूटर सेंटर के डायरेक्टर राजीव रंजन मुखर्जी ने बताया कि संस्थान वर्ष 2006 से लगातार कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और इस वार्षिक महोत्सव में 264 सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया उन्होंने कहा कि संस्थान के छात्र आज सरकारी और निजी क्षेत्र में सफलतापूर्वक रोजगार से जुड़े हुए हैं मंच से एक एक कर 264 विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने से छात्रों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलकता नजर आया कुल मिलाकर लखोटिया कंप्यूटर सेंटर का यह 19वां वार्षिक महोत्सव शिक्षा संस्कृति और सफलता का एक प्रेरणादायक उत्सव बनकर उभरा

प्रगतिशील जिले की कतार पर खडे पाकुड़ अब बनता जा रहा अवैध लॉटरी और फ़र्ज़ी माइनिंग चालान का गढ़

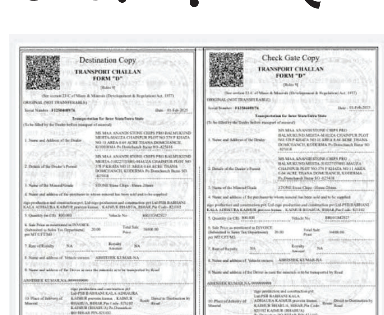
Destination Copy
TRANSPORT CHALLAN
FORM "D"

Check Gate Copy
TRANSPORT CHALLAN
FORM "D"

निज संवाददाता

पाकुड़ ।पाकुड़ ज़िलें को प्रगतिशील बनाने को लेकर ज़िलें के उपायुक्त ने कोई कसर नहीं छोड़ी है पर ज़िलें के कई ऐसे अवैध और प्रतिबंधित कारोबार पर अंकुश नहीं लगता दिख रहा है जो प्रगतिशील पाकुड़ बनने की राह पर पाकुड़ ज़िलें मे प्रतिबंधित अवैध लॉटरी का मायाजाल हो या फ़र्ज़ी माइनिंग चालान को तैयार करने वाले सक्रिय रैकेट का हो पाकुड़ ज़िलें मे अवैध लॉटरी के शातिर साम्राज्य पाकुड़ मे अपना बड़ा रैकेट को खड़ा कर रखे है इस धंधे के बेताज़ बादशाह राम जी इनके ही छत्र छाया मे पाकुड़ ज़िलें मे अवैध और प्रतिबंधित लॉटरी का पदार्पण हुआ और आज यह अवैध धंधे से अपने को बाहर हो जाने की मन्त्रना देते है इस मामले पर अब पाकुड़ सिनेमा हॉल के गली,तातीपाड़ा, और पाकुड़ के कई मुहल्लो मे जोरदार बेटिंग हो रही है यहाँ तक की इसकी स्टोरेज बड़ी चतुराई से अंजाम दी जाती है और सेलेर भी बड़े चतुराई से टिन बांग्ला पोखरा और रंजू पाठक के जूस दुकान और टेक्सी स्टैंड के अगल बगल एवं पूरे शहर मे अवैध लॉटरी का मायाजाल का मकड़जाल बनाकर गरीबों को लालच देकर उनका शोषण करने पर आमादा है पाकुड़ मुफ्फासिल थाना क्षेत्र के मनीराम पुर मे अवैध लॉटरी की छपाई वाला सरगना भी बड़े चतुराई से इस धंधे को अंजाम दे रहे है एवं मालपहाड़ी थाना क्षेत्र के लॉटरी माफिया बेसिरुदिन भी इस खेल मे पिछे नहीं माल पहाड़ी घोड़ा पहाड़ी खपराजोला मे इनकी गढ़ मे अवैध लॉटरी का कारोबार फल फूल रहा है पर इन मामलों पर अंकुश लगता नहीं दिख रहा है जिस ज़िलें मे अवैध कृत्यो का दबदबा कायम हो तो उसकी छवि भी निर्णायक होतीं है और इसी प्रकार फ़र्ज़ी माईनिंग चालान के रैकेट का का भी बड़ा खेल जारी रहा इसके बाबजूद यह रैकेट के माफिया अरशद शेख और इनके पिछे रहने वाले माफिया अब तक पुलिस की पकड़ से कोशो दुर है जब तक निष्पक्ष तरीके से खबरें ना निकले प्रशासन की चुप्पी और कारवाई दिखती ही नहीं नहीं है पर कुछ इस मामले पर अपनी बचाव को सतर्क है आखिर ज़िलें की इस कलंक को मिटाये कौन

» अवैध प्रतिबंधित लॉटरी और फ़र्ज़ी माइनिंग चालान के रैकेट का मामला फिर ठंडे वस्ते मे

आर्मी लेप्टिनेंट शिवम का मंगुरा पंचायत वासियों ने किया स्वागत

निज संवाददाता

इचाक/हजारीबाग । मंगुरा पंचायत के मोकतमा गांव निवासी शिवम कुमार सिंह के भारतीय आर्मी सेना के लेफ्टिनेंट बनने पर रविवार को पंचायत सचिवालय मंगुरा के प्रांगण मे मुखिया मीना देवी के नेतृत्व मे पंचायत वासियों के द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान शिवम कुमार सिंह एवं उनके पिता अजीत कुमार सिंह को शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। वह पूर्व सरपंच सह भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सिंह के पोता है। लेफ्टिनेंट अजीत ने कहा कि लेफ्टनेंट बनने से काफी खुशी हुई है तथा यह सफलता कठिन मेहनत एवं लगन के कारण मिली है जिसमे माता पिता का बहुत सहयोग रहा। इस दौरान विख्यात काष्ठ कलाकार दिनेश्वर राणा ने अपने हाथों से बना लकड़ी का हाथी भेंट किया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि रामशरण शर्मा, गौतम कुमार, बुधन कसेरा, प्रमोद कुमार, अजय सिंह, डॉ कौशल कुमार मेहता, बासुदेव राम, बीरेंद्र राणा, भोला सिंह, लक्ष्मण मेहता, कयूम अंसारी, अनिल सिंह, सुनील सिंह, मखन सिंह, खगेश्वर राणा, केशो महतो, शिबू सिंह, दिलीप ठाकुर, सीताराम कुशवाहा, गिरधारी पांडेय, अरुण स्वर्णकार, रामावतार स्वर्णकार, संदीप कुमार, रवि रजक, संदीप कुमार मेहता, सन्नू देवी के अलावा कई लोग शामिल थे।

महागामाः जमीन विवाद में महिला पर चली गोली, मुख्य आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

निज संवाददाता

गोड्डा/महागामा। जिले के महागामा थाना क्षेत्र के कमरगामा गांव में बरसों पुराने जमीन विवाद को लेकर एक महिला पर जानलेवा हमला किया गया। आरोपी ने महिला पर पीछे से गोली चलाई, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना 26 दिसंबर 2025 की शाम की है। कमरगामा निवासी शिव कुमारी देवी (पति- स्व० लक्ष्मण प्रसाद ब्रहम), जो वर्तमान में उर्जानगर में रहती हैं, उन पर आरोपी अनोज ब्रहम ने जमीन की खरीद-बिक्री के पुराने विवाद को लेकर हमला किया। आरोपी ने महिला की पीठ पर पीछे से देसी कट्टे से फायरिंग की। गनीमत रही कि गोली पीड़िता की पीठ को छूते हुए निकल गई, जिससे उनकी जान बच गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए गोड्डा पुलिस अधीक्षक (SP) के निर्देश पर महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) चंद्रशेखर आज़ाद के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों और सूचना के आधार पर मुख्य नामजद अभियुक्त अनोज ब्रहम (39 वर्ष) को उसके मामा के घर, ललमटिया थाना क्षेत्र के ग्राम अम्बा से दबोच लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर पुलिस ने कांड में इस्तेमाल किए गए हथियारों को बरामद किया है। जब्त सामानों में शामिल हैं:

- एक देसी कट्टा
- एक जिंदा कारतूस
- एक खोखा
- फायर किया हुआ गोली का अग्रभाग (पैलेट)

पीड़िता के लिखित आवेदन के आधार पर महागामा थाना में कांड संख्या 246/2025 दर्ज किया गया है। पुलिस ने नए कानून के तहत BNS की धारा 109, 351(2), 351(3), 352, 61(2), 3(5) और 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। पुलिस अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

इस सफल उद्भेदन और गिरफ्तारी में निम्नलिखित अधिकारी शामिल रहेः

चंद्रशेखर आज़ाद (SDPO, महागामा)

मनोज कुमार पाल (थाना प्रभारी, महागामा)

रोशन कुमार सिंह (थाना प्रभारी, ललमटिया)

पु०अ०नि० जुगनु महथा, पु०अ०नि० रोमा कुमारी

स०अ०नि० खालिद अहमद खान, स०अ०नि० राकेश कुमार सिंह और सशस्त्र बल के जवान।

गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद उसे रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कड़ाके की ठंड में मदनशाही के गरीबों के लिए सहारा बने रियाजुल अंसारी: 100 से अधिक जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

संथाल संध्या साहिबगंज। "समाज के कमजोर, वृद्ध, महिलाओं एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा है।" यह विचार साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड अंतर्गत मदनशाही पंचायत के वार्ड सदस्य सह झामुमो नेता मो. रियाजुल अंसारी ने रविवार को व्यक्त किए। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए उन्होंने एक सराहनीय सामाजिक पहल करते हुए 100 से अधिक गरीब एवं असहाय परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया। वर्तमान में जिले में बेतहाशा ठंड पड़ रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है। ऐसे समय में जब ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब और असहाय परिवार ठंड से जूझ रहे हैं, रियाजुल अंसारी की इस पहल ने उन्हें बड़ी राहत दी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस सीजन की भीषण ठंड में अब तक न तो किसी अन्य जनप्रतिनिधि और न ही किसी सामाजिक संस्था ने कंबल वितरण की दिशा में कदम उठाया था। ऐसे में रियाजुल अंसारी द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर किया गया यह प्रयास क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान मो. रियाजुल अंसारी ने कहा कि राजनीति के साथ-साथ सामाजिक सरोकार भी उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "ठंड के मौसम में जब हम अपने घरों में सुरक्षित होते हैं, तब समाज के कई बुजुर्ग और गरीब परिवार खुले आसमान या टूटे-फूटे घरों में ठिठुरने को मजबूर होते हैं। उन्हें कंबल प्रदान कर जो सुकून मिलता है, वह किसी भी पद या सम्मान से बड़ा है।" उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कार्यों से समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता की भावना मजबूत होती है। इस वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भी सहयोग दिया। मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद हाजरूल अंसारी, मोहम्मद सैफुल्लाह अंसारी, मोहम्मद रब्बानी अंसारी, मोहम्मद तजरुल अंसारी, मोहम्मद गुलशन अंसारी, मोहम्मद जीशान अंसारी और मोहम्मद शब्बीर अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। मदनशाही पंचायत के वृद्ध और जरूरतमंद परिवारों ने इस नेक कार्य के लिए रियाजुल अंसारी का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि एक सजग जनप्रतिनिधि वही है जो आपदा या विषम परिस्थितियों में अपनी जनता के साथ खड़ा रहे। रियाजुल अंसारी की इस पहल ने न केवल गरीबों को ठंड से बचाने का कार्य किया है, बल्कि समाज के अन्य संपन्न लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरित किया है।

राजमहलः जमालपुर फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य समापन; एफसी मुड़माला ने जीता खिताब, विधायक एमटी राजा ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र के महासिंहपुर पंचायत अंतर्गत जमालपुर मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को रंगारंग समापन हो गया। जे.के. जमालपुर क्लब द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में खेल के प्रति भारी उत्साह देखा गया और फाइनल मुकाबले में सैकड़ों खेल प्रेमी इस रोमांचक मैच के गवाह बने। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एफसी मुड़माला और जे.के. जमालपुर की टीमें आमने-सामने थीं। कड़े मुकाबले और बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एफसी मुड़माला ने शानदार जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता टीम एफसी मुड़माला को 1 लाख नगद और उपविजेता जे.के. जमालपुर को 80 हजार नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विजेताओं को पुरस्कार राशि और ट्रॉफी प्रदान की। मैच का शुभारंभ विधायक एमटी राजा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, "हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस सही मार्गदर्शन और मंच की। खेल भावना और अनुशासन ही खिलाड़ी को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला सकते हैं।" उन्होंने सफल आयोजन के लिए क्लब सदस्यों की सराहना की। फुटबॉल टूर्नामेंट के समापन के साथ-साथ विधायक एमटी राजा ने जमालपुर मैदान में विधायक निधि से निर्मित स्टेज सह डीप बोरिंग का भी विधिवत उद्घाटन किया। लगभग 5.25 लाख की लागत से बनी इस सुविधा का लाभ अब स्थानीय खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यक्रमों को मिल सकेगा। विधायक ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर इस निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इस तीन दिवसीय आयोजन में कुल 16 प्रमुख टीमों ने हिस्सा लिया था। तीन दिनों तक चले मुकाबलों के दौरान जमालपुर का मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। दर्शकों के शोर और उत्साह ने पूरे क्षेत्र को खेलमय बना दिया था। इस अवसर पर मुख्य रूप से झामुमो जिला युवा मोर्चा सचिव सह विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, नगर पंचायत प्रशासक सह सीडीपीओ दानिश हुसैन, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि राजेश मंडल, अजय दास, विकास यादव, सुभाष चंद्र दास, बिंदेश्वरी यादव, श्रवण मंडल सहित कई झामुमो कार्यकर्ता, क्लब सदस्य और खेल प्रेमी उपस्थित थे।

अंबा में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभः 108 कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा, भक्तिमय हुआ वातावरण

निज संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित/चंदन मंडल । जामताड़ा जिले के कुंडहित प्रखंड अंतर्गत अंबा पंचायत मुख्यालय में रविवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें पूरा क्षेत्र 'हरे कृष्ण-हरे राम' और 'जय श्री राधे' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कलश यात्रा की शुरुआत अंबा नदी से हुई, जहाँ विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चारण के बीच जल भरा गया। इस भव्य यात्रा में 108 कुमारी कन्याओं ने माथे पर पवित्र कलश धारण किया। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और हरिनाम संकीर्तन के साथ यह यात्रा नदी से शुरू होकर गांव के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए गांव स्थित लक्ष्मी मंदिर पहुँची, जहाँ विधिवत कलश स्थापना की गई। इस सात दिवसीय ज्ञान यज्ञ के मुख्य कथावाचक श्रीधाम वृंदावन से पधारे शिशु बालक कौस्तुभ बल्लभ शास्त्री हैं। कलश यात्रा के दौरान उन्होंने नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलशों को अभिमंत्रित कर जलापूर्ण करवाया। आयोजक मंडली ने बताया कि अगले सात दिनों तक कौस्तुभ बल्लभ शास्त्री जी के मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न दिव्य लीलाओं और श्रीमद्भागवत महापुराण के गूढ़ रहस्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया जाएगा। भागवत कथा को लेकर अंबा सहित आसपास के दर्जनों गांवों में भारी उत्सुकता और भक्ति का माहौल देखा जा रहा है। कलश यात्रा के दौरान सड़कों के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस आध्यात्मिक महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल, झिंटु लायक, गया प्रसाद चंद, प्रदीप पैतंडी, और स्थानीय मुखिया दुलु सिंह टुडू उपस्थित रहे। इनके अलावा अंबा और समीपवर्ती गांवों के हजारों नर-नारी और श्रद्धालु इस पावन यात्रा के साक्षी बने। आयोजन समिति ने बताया कि भागवत कथा के दौरान प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंगों जैसे श्री कृष्ण जन्म, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा और रासलीला का मंचन व वर्णन किया जाएगा। अंबा गांव में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान से क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह सात्विक और भक्तिमय हो गया है।

जामताड़ाः 'नाइट जात्रा' के खिलाफ सामाजिक सुधार की पहल, नशामुक्त और मर्यादित आयोजन की मांग

निज संवाददाता

जामताड़ा। आदिवासी समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और सांस्कृतिक मर्यादा को बचाए रखने के उद्देश्य से 'भारत दिसोम आदिवासी संघ' ने एक नई मुहिम शुरू की है। इसी कड़ी में, संघ के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रेम मरांडी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने करमाटाड़ प्रखंड के ग्राम मुर्गाबनी का दौरा किया और वहां के मांझी बाबा व ग्रामीणों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान प्रेम मरांडी ने बताया कि सोशल मीडिया और विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से यह जानकारी मिली है कि आगामी 26 जनवरी 2026 को ग्राम मुर्गाबनी में एक 'नाइट जात्रा' (रात्रि नाटक/कार्यक्रम) का आयोजन किया जाना तय हुआ है। आदिवासी समाज के हितों और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए संघ ने इस आयोजन के स्वरूप में बदलाव की अपील की है।

भारत दिसोम आदिवासी संघ ने मुर्गाबनी के मांझी बाबा और ग्रामवासियों से चर्चा करते हुए मुख्य रूप से दो मांगें रखी हैं:

1. **समय में बदलावः** नाइट जात्रा (रात्रि कार्यक्रम) के स्थान पर कार्यक्रम का आयोजन दिन में किया जाए।
2. **नशाबंदीः** जात्रा के दौरान हड़िया, दारू और किसी भी प्रकार के नशापान की दुकानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।

संघ का मानना है कि रात्रि कार्यक्रमों में अक्सर नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयां पनपती हैं, जिससे समाज की छवि धूमिल होती है और युवा पीढ़ी पर बुरा असर पड़ता है। प्रेम मरांडी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, "हम मांझी बाबा से यह उम्मीद करते हैं कि वे आदिवासी संथाल समाज की गरिमा और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए एक उचित निर्णय लेंगे।" संघ ने स्पष्ट किया कि समाज को विकास की ओर ले जाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का नशामुक्त और मर्यादित होना अनिवार्य है। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई है कि मुर्गाबनी गांव के पारंपरिक प्रधान (मांझी बाबा) और समस्त ग्रामवासी मिलकर इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएंगे ताकि गणतंत्र दिवस जैसे गौरवशाली अवसर पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम समाज के लिए एक प्रेरणा बन सके।

दुमका में ऐतिहासिक 'पर्पल फेयर' का आयोजनः दिव्यांगजनों की प्रतिभा और हौसले को मिला बड़ा मंच

निज संवाददाता

दुमका। जिले के कन्वेंशन सेंटर में रविवार को दिव्यांगजनों के सम्मान और सशक्तिकरण के नाम एक ऐतिहासिक दिन रहा। भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय) के सौजन्य से तथा सी.आर.सी. (CRC), रांची एवं जिला प्रशासन, दुमका के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड राज्य के तीसरे जिला स्तरीय 'पर्पल फेयर' का भव्य आयोजन किया गया। इस महोत्सव ने न केवल दिव्यांगजनों की प्रतिभा को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया, बल्कि समावेशी समाज की दिशा में एक नई चेतना भी जाग्रत की। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि दुमका सांसद श्री नलिन सोरेन, शिकारीपाड़ा विधायक श्री आलोक कुमार सोरेन, जरमुंडी विधायक श्री देवेन्द्र कुंवर, राज्य निःशक्तता आयुक्त श्री अभयनंदन अंबष्ट, उप विकास आयुक्त श्री अनिकेत सचान और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अंजू कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सभा को संबोधित करते हुए सांसद नलिन सोरेन ने कहा, "पर्पल फेयर जैसे आयोजन दिव्यांगजनों की अदम्य प्रतिभा और क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं हैं, बस आवश्यकता उन्हें समान अवसर और सही मंच देने की है।" उन्होंने भविष्य में भी ऐसे समावेशी कार्यक्रमों को निरंतर समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोहराई। शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन और जरमुंडी विधायक देवेन्द्र कुंवर ने भी दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके अधिकारों की रक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताया। राज्य निःशक्तता आयुक्त अभयनंदन अंबष्ट ने कहा कि ऐसे मेलों से समाज में दिव्यांगता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। महोत्सव का सबसे आकर्षक पहलू दिव्यांग कलाकारों की प्रस्तुतियाँ रहीं। कुल 50 दिव्यांग कलाकारों ने मंच पर नृत्य, संगीत और कविता पाठ के जरिए अपनी कला का ऐसा जादू बिखेरा कि 500 से अधिक दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके साथ ही दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प और कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने उनकी रचनात्मकता और कौशल को साबित किया। पर्पल फेयर में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए कुल 8 स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार और पुनर्वास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। मौके पर अतिथियों द्वारा सांकेतिक रूप से 10 दिव्यांग एवं वृद्ध लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए। साथ ही, एडिप (ADIP) एवं वयोश्री योजना के तहत कई जरूरतमंदों का मूल्यांकन (Assessment) भी किया गया। सी.आर.सी., रांची के निदेशक श्री सूर्य मणि प्रसाद ने बताया कि कार्यक्रम स्थल को पूरी तरह दिव्यांग-अनुकूल बनाया गया था। मंच तक पहुँचने के लिए रैम्प, बाधा-मुक्त शौचालय और अन्य विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी ताकि किसी भी प्रतिभागी को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि सी.आर.सी. रांची दिव्यांगजनों के कौशल विकास और स्वावलंबन के लिए सदैव तत्पर है। इस महोत्सव में आंगनबाड़ी सेविकाओं, विभिन्न सामाजिक संगठनों (NGOs), छात्र-छात्राओं और परिजनों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन सी.आर.सी., रांची के सहायक प्राध्यापक श्री मुकेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। यह पर्पल फेयर दुमका के इतिहास में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उनकी नई पहचान की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

महागामा में खतौरी समाज का ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शनः भतखोरिया कॉलेज में उमड़ा हजारों का सैलाब, अधिकारों के लिए हुंकार

निज संवाददाता

गोड्डा/महागामा। महागामा अनुमंडल अंतर्गत भतखोरिया कॉलेज परिसर में शनिवार को खतौरी समाज का एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जुटान देखने को मिला। 'झारखंड प्रदेश खतौरी जन कल्याण संघ' के बैनर तले आयोजित इस विशाल बैठक में ठाकुरगंटी और बोआरीजोर प्रखंड से हजारों की संख्या में समाज के लोग पहुंचे, जिससे पूरा परिसर खतौरी समाज के नारों से गूंज उठा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष अमृत सिंह ने समाज को संबोधित करते हुए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, "खतौरी समाज अब अपनी उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करेगा। अब समय आ गया है कि हम अपने अधिकार, सम्मान और अपनी विशिष्ट पहचान के लिए मुखर हों। जब तक हमें हमारा वाजिब हक नहीं मिलता, यह संघर्ष थमने वाला नहीं है।" उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार और एकता को समाज की असली ताकत बताते हुए युवाओं से संगठित होने की अपील की। बैठक के दौरान वक्ताओं ने समाज के शैक्षणिक पिछड़ेपन, आर्थिक चुनौतियों और वर्षों से चली आ रही सामाजिक उपेक्षा पर गंभीर चर्चा की। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि वर्षों तक इस समाज को मुख्यधारा से दूर रखने की कोशिश की गई है, लेकिन अब समाज जाग चुका है। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन विस्तार और आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। इस महाजुटान की खास बात यह रही कि इसमें केवल पुरुष ही नहीं, बल्कि भारी संख्या में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने भी शिरकत की। हजारों की यह भीड़ इस बात का प्रमाण थी कि समाज के हर वर्ग में अपने अधिकारों को लेकर चेतना जागृत हुई है। अनुशासित और जोश से भरे इस माहौल ने इसे क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी सामाजिक बैठकों में से एक बना दिया।

इस ऐतिहासिक बैठक में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और समाज के वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से:पवन दर्वे, सुरेश कुंवर राय, मोतीलाल राय, विजय कुंवर, मोहरलाल राय, पाठक राय, प्रियव्रत राय, पंकज राय, पूरन राय, गोपाल राय, मोहन राय, प्रदीप राय और सरवन कुंवर सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने और समाज हित के लिए किसी भी संघर्ष के लिए तैयार रहने का संकल्प लिया। शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई इस बैठक ने राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में खतौरी समाज की एकजुटता का एक बड़ा संदेश दिया है।

जामताड़ाः लखोटिया कंप्यूटर सेंटर का 19वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से सम्पन्न, 264 विद्यार्थियों को मिला सम्मान

निज संवाददाता

जामताड़ा। जामताड़ा शहर के दुलाडीह स्थित नगर भवन में शिक्षा, तकनीक और प्रतिभा का शानदार संगम उस समय देखने को मिला, जब 'लखोटिया कंप्यूटर सेंटर' ने अपना 19वां वार्षिक महोत्सव बड़े ही उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर न केवल तकनीकी शिक्षा का महत्व रेखांकित किया गया, बल्कि विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रतिभा भी उभर कर सामने आई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जामताड़ा के डीडीसी (DDC) निरंजन कुमार एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में डीडीसी निरंजन कुमार ने कहा कि आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। उन्होंने जोर देकर कहा, "तकनीकी ज्ञान के बिना आज के दौर में आगे बढ़ना असंभव है। कंप्यूटर शिक्षा युवाओं के लिए रोजगार की सबसे मजबूत कुंजी है।" पूर्व नगर अध्यक्ष वीरेंद्र मंडल ने भी संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान ग्रामीण और शहरी युवाओं के भविष्य को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर देश की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। महोत्सव का मुख्य आकर्षण छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत और लघु नाटिकाओं के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा नगर भवन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा, जिसने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। संस्थान के डायरेक्टर राजीव रंजन मुखर्जी ने बताया कि लखोटिया कंप्यूटर सेंटर वर्ष 2006 से लगातार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने गर्व के साथ जानकारी दी कि इस 19वें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर कुल 264 सफल विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। उन्होंने आगे कहा, "हमारे लिए यह अत्यंत संतोष का विषय है कि इस संस्थान से निकले कई छात्र आज केंद्र व राज्य सरकार की सेवाओं के साथ-साथ नामी निजी कंपनियों में भी सफलतापूर्वक कार्यरत हैं।" समारोह के दौरान जब एक-एक कर विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर प्रमाण पत्र दिए गए, तो उनके चेहरे पर सफलता की खुशी और भविष्य के प्रति आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा था। अभिभावकों ने भी संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, लखोटिया कंप्यूटर सेंटर का यह वार्षिक आयोजन शिक्षा, प्रेरणा और सफलता के एक उत्सव के रूप में यादगार बन गया।

अनाज भंडारण कीट की रोकथाम

फसल कटाई के बाद बाजार में अनाज की उपलब्धता बनाये रखना दिन प्रतिदिन की आवश्यकता है एवं बीज के लिये अनाज को संग्रहित करना आवश्यक है। आधुनिक किसान ने उन्नत बीज, मंहगे उर्वरक तथा फसल सुरक्षा उपायों के साथ उपज बढ़ाने की नई-नई तकनीकें अपनाकर उत्पादन बढ़ा लिया है। परंतु जब किसान की साल भर की कमाई को भंडारित किया जाता है, तब अनेक तरह के कीट और बीमारियां 10-15 प्रतिशत क्षति पहुंचाते है।

चूहा

चूहा के प्रभावी नियंत्रण के लिये किसानों को एक सामूहिक अभियान चलाना होगा। जिस क्षेत्र में चूहों का प्रकोप हो वहां सारे बिल बंद करें व दूसरे दिन जो बिल खुला मिले वहां जहर रहित चुग्गा रखें। इसके लिये 960 ग्राम अनाज में 20 ग्राम मीठा तेल व 20 ग्राम गुड़ या शक्कर मिलाकर बिलों के पास रखे यह 2–3 दिन तक करते रहें। इसके बाद उसी जगह शाम को 6 से 10 ग्राम विषयुक्त चुग्गा रखें इसमें 940 ग्राम अनाज 20 ग्राम खाने का तेल, 20 ग्राम गुड़ या शक्कर, 20 ग्राम जिंक फॉस्फाइड मिलाकर गोलियां बना लें मरे चूहों को गड्ढा खोदकर गाड़ दे जो चूहे बच गये वे विषयुक्त चुग्गा नहीं खायेंगे। इनके लिये एक सप्ताह बाद

आंतचनरोधी विष रेटामिन, वारफेरिन, ब्रोमोडियोलोन (सुपर वारफेरिन) की टिकिया के 6 हिस्से एक समान बनाते हैं। एक बिल के अंदर एक टुकड़ा डालकर बिल बंद कर देते हैं। इसको चूहे खाना शुरू कर देंगे एवं इसके लगातार खाने से चूहों में ब्लड हेमरेज होकर 3–4 दिन बाद मृत्यु हो जाती है।

चावल का घुन

इसकी खोज सर्वप्रथम चावल में होने से इसे चावल का घुन कहा जाता है। प्रौढ़ मादा अनाज में छेद बनाकर अंडे देती है। इनसे निकलने वाली सूंडियां अंदर ही अंदर दाने को खाती है। इसका आक्रमण अप्रैल से अक्टूबर माह के बीच अधिक देखने को मिलता है। प्रौढ़ व सूंडियां दानों को खाकर खोखला कर देती है।

खपरा भृंग

गेहूं पर इसका अधिक प्रकोप होता है। अनाज की ऊपरी सतह में ज्यादा प्रकोप होता हैं यह जुलाई से अक्टूबर माह के मध्य अधिक नुकसान करता है एवं दानों के भ्रूण को खाता है। इसके अधिक प्रकोप से अनाज की मात्रा भूसी को जाती है।

चावल का पतंगा

इनका आक्रमण चावलों वाले सूखे पल विस्फोट सूजी, तिल, अलसी पर होता है। किंतु चावल और ज्वार पर अत्याधिक आक्रमण होता है। इसकी सूंडी ही नुकसान करती है एवं कीट बाधिक अनाज जालनुमा हो जाता है।

लाल आटा बीटल

इसमें साबुत दानों को भेदने की क्षमता होती है। इसके व्यस्क व सूंडी मुख्य रुप से पिसे हुये उत्पाद आटा, सूजी मैदा व बेसन आदि उत्पादों में अधिक हानि पहुंचाते हैं। आटे में इसकी संख्या अत्याधिक होने पर आटा पीला पड़ जाता है एवं जाल बन जाते है और गंध आती है।

दाल भृंग

कीट का आक्रमण मूंग, उड़द, चना, अदरक, मसूर तथा अन्य दालों पर होता है। कीट अपने अंडे हरी फल्लियों में देती है। दानों के अंदर भृंग छेदकर घूस जाता है तथा छेद बंद कर देता है एवं वहां से गोदामों में पहुंच जाते हैं। ये सालभर सक्रिय रहते हैं किंतु जुलाई से सितम्बर में ज्यादा आक्रमण करते हैं।

अनाज का पतंगा

ये सूंडियां भंडारित गेहूं, चावंल, मक्का, ज्वार आदि के दानों में सुराख करके घुस जाती है। तथा उन्हें खोखला कर अपने अवशिष्ट पदार्थ से भर देती है। ये सूंडियां टूटे हुये चावलों पर बाहरी आक्रमण करती है दानों का जाल बनाती हैं और अनाज को खाती रहती है।

आटे की पंखी

इसकी सूंडियां व व्यस्क दोनों की नुकसान करते हैं। इसमें उड़ने की क्षमता होती है। यह भंडारित चावल, मक्का, ज्वार आदि पर मार्च से नवम्बर के बीच आसानी से देखा जा सकता है। यह कीट दानों मे कई जगह सुराख कर देती है।

कीटों का प्रकोप होने पर सुरक्षा के उपाय

- अनाज को तेज धूप में सुखायें। धूप में कीट बाहर निकलते हैं और इनके अंडे खत्म हो जाते हैं।
- अनाज को दुबारा सुखाने से उनकी नमी खत्म होने से कीटों का खतरा कम हो जाता है। द्य गोदाम, टंकी या कोठों में हवा के आने-जाने का रास्ता बंद करके उनमें दवाओं का प्रयोग करें।
- इथाइलीन डाइब्रोमाइड ईडीबी यह सूती कपड़े में लिपटा कांच का कैप्सूल या इंजेक्शन होता है यह एम्यूल/इंजेक्शन 3.5 एवं 10 मिमी के पैक में आता है। एक एम्यूल 3 मिली को प्रति क्विंटल के हिसाब से प्रयोग करते है। इसका प्रयोग कोठे या टंकी के लिये अच्छा रहता है। टंकी या कोठे को आधा अनाज से भरकर अच्छी तरह से 7 दिन तक बंद रखें। इस तरह से किसान अपने अनाज को ज्यादा समय तक सुरक्षित रख सकते है।

कीटों के प्रकोप से बचने के उपाय

- भंडार के लिये पक्के भंडार गृह बनायें।
- रखने से पहले भंडार गृहों एवं कीटों की दीवारों पर दरारों को सीमेंट से बंद कर दें।
- बीज कंटेनर को मैलाथियान 50 ईसी दवा से अच्छी तरह साफ करें।
- भंडारण में चबूतरा जमीन से 2 या 2.5 फुट ऊंचा और दीवारों से 1.5 से 2.0 फुट दूरी चारों और छोड़कर बनायें।

- भंडारण के पूर्व गोदाम मैलाथियान 50 ईसी दवा की 1:100 के अनुपात में या फिर नुवान दवा कर 1:300 लीटर के अनुपात में पानी के साथ घोलकर फर्श और दीवारों पर छिड़काव करें। 3 लीटर घोल से 100 वर्ग मीटर की दीवार साफ करें।
- पुराने बोरों के प्रयोग से पूर्व तेज धूप में सुखायें सा उबलते पानी में डालकर धूप में रखें और 1 प्रतिशत मैलाथियान के घोल में 10 मिनट तक डुबोकर फिर धूप में रखें।
- नये बोरे ही प्रयोग में लें।
- अनाज ढ़ोने के बर्तन, गाड़ी व अन्य सामान को धूप में सुखा लें।
- फसल मढ़ाई के पूर्व खलिहान को साफ-सुथरा करके गोबर से लीपकर सुखा लें।
- भंडार से पूर्व अनाज में 10-20 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं हों।
- यदि अनाज को बोरों में भरकर रखना हो तो गोदाम के फर्श पर लकड़ी का तख्ता, खजूर की चटाई, पॉलीथिन, तिरपाल या फिर गेहूं के भूसे की परत बिछा दें। जिससे नमी के सहारे बोरे तक न पहुचें।
- अनाज के बोरों को दीवार से कम से कम आधा मीटर की दूरी पर रखें।
- अनाज की सुरक्षा के लिये जहरीले रसायन का प्रयोग नहीं करें।
- अनाज को गोदाम में रखने के पूर्व 1 क्विंटल अनाज में 1 किलो नीम की निंबोली का पाउडर मिलाकर रखे जिससे कीटों की क्षति कम होती है।
- यदि अनाज को ढ़ेरों में रखना हो तो उसमें नीम की पत्तियां मिला दें।
- भंडार में नमी रोकने के लिये बिना जहर वाले पाउडर जैसे कैल्शियम ऑक्साइड, कैल्शियम, हाइड्रॉक्साइड, कैल्शियम व मैग्नेशियम कार्बोनेट और सोडियम व बेरेलियम के फ्यूरोसिलिकेट के बीज या अनाज के साथ वजन के मुताबिक 1:100 से या 1:500 के अनुपात में प्रयोग करें।
- पहाड़ी इलाकों और छोटे किसानों तथा निजी प्रयोग के लिये घरों में जीआई शीट की चादर से बने कोठों का प्रयोग करें।
- यदि अनाज को बीज हेतु सुरक्षित रखने के लिये अनाज पॉलीथिन शीट पर फैलाकर मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण की 250 ग्राम की मात्रा प्रति क्विंटल बीज में अच्छी तरह मिलाकर भंडारित करें।

फसलों की संतुलित खुराक

पोषक तत्वों के कार्य अथवा पौधों पर प्रभाव, कमी के लक्षण व कमी को दूर करने के उपायः

नाइट्रोजन

सामान्यतः नाइट्रोजन की कमी से पौधों का रंग पीला पड़ने लगता है। सबसे पहले लक्षण नीचे की पत्तियों पर दिखाई देते हैं। पौधों की बढ़वार रूक जाती है।

उपचारः सामान्यतः किसी नाइट्रोजन युक्त, उर्वरक द्वारा कमी को दूर किया जा सकता है।

फास्फोरस

पत्तियों का लाल व जामुनी रंग होना इसकी कमी होना बताता है। इसकी कमी से पत्तियों का रंग गहरा होने लगता है इसके बाद पत्तियों के नीचे के भाग में नशों का रंग जामुनी सा होने लगता है।

उपचारः फास्फेटिक उर्वरकों के अंतर्गत सिंगल सुपर फास्फेट, डीएपी एवं एनपीके का उपयोग लाभप्रद है।

पोटेशियम

इसकी कमी से पौधे कमजोर होकर गिरने लगते है तथा फसल की पैदावार कम हो जाती है। कपास में पोटाश की कमी को काटनरस्ट के नाम से भी जाना जाता है इसमें भी पत्तियों के किनारे से पीला पड़ना शुरू होता है फिर लाल-कत्थई होकर पत्तियां मरने लगती हैं इसकी कमी से कपास के बौड़ी में छोटी-छोटी रह जाते हैं तथा रेशे की गुणवत्ता उच्च स्तर की प्राप्त नहीं होती।

उपचार : 750 ग्राम डीएपी तथा 750 ग्राम पोटाश उर्वरक को 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

मैग्नीशियम

पुरानी पत्तियों का हरा रंग समाप्त होने लगता है। पुरानी से नई पत्तियों पर फैलता है इसमें हरिमाहीनता पूरी पत्ती पर होता है। अधिक कमी से पत्तियां लाल-जामुनी होती है।

सल्फर

पत्तियां पीली होकर गिरने लगती है। ब्रेसिका कुल में पत्तियां मुड़ जाती है और वृद्धि करने वाला भाग सूख जाता है पौधों का तना खराब हो जाता है और उसकी वृद्धि कम होजाती है। प्रोटीन की मात्रा में भी कमी आ जाती है।

उपचारः सल्फर युक्त उर्वरकों जैसे अमोनिया सल्फेट, जिप्सम, सुपर फास्फेट, पोटेशियम सल्फेट, आदि को मिट्टी में मिलाया जाता है। इन उर्वरकों तथा खादों के प्रयोग से मिट्टी में सल्फर की कमी दूर की जा सकती है।

लोहा (आयरन)

इसकी कमी से पौधे छोटे एवं कमजोर होते हैं। पत्तियां पीली पड़ जाती हैं विशेषकर फल वाले पेड़ों में यह पीलापन पत्तियों के शिराओं के बीच में होता है।

उपचारः वृक्ष एवं फसलों के ऊपर आयरन सल्फेट का तनु विलयन 1 प्रतिशत घोल लगभग दो सप्ताह के अंतराल के बाद छिड़का जाता है।

जिंक (जस्ता)

पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं। धान में भूरे धब्बे पड़ जाते है। धान का खैरा रोग, मक्का में सफेद कली (व्हाइट बड) रोग, नीबूं की वामन पत्ती (लिटिल लीफ), रोग जस्ते की कमी से उत्पन्न होते हैं।

उपचार : धान की खैरा रोग कर रोकथाम के लिए 8 किग्रा जिंक सल्फेट को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़के। मक्का की सफेद कमी रोग के उपचार के लिए 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट का छिड़काव करें।

मैंगनीज

इससे पौधों की वृद्धि रूक जाती है। मैंगनीज की कमी से जई की भूरी चित्ती, गन्ने का अंगमारी, चुकंदर का चित्तीदार पीला रोग, मटर का पैक चित्ती रोग उत्पन्न होते हैं।

उपचार : 10-20 किग्रा मैंगनीज सल्फेट/हे. के प्रयोग से मैंगनीज की कमी को दूर किया जा सकता है। चूना की मिट्टी में यह मात्रा 200 किग्रा./ हे. प्रयोग की जाती है। खड़ी फसल में मैंगनीज की कमी के उपचार के लिए पर्णीय छिड़काव हेतु 0.4 से 05 प्रतिशत सान्द्रता का मैंगनीज सल्फेट विलयन करना चाहिए और इसमें 0.3 प्रतिशत चूने की मात्रा होनी चाहिए।

कॉपर

इसकी कमी के लक्षण लगभग नाइट्रोजन की कमी के लक्षणों के समान है। पत्तियों के शिराओं के बीज में हरिमाहीनता हो जाती है। पत्तियों का रंग पीला हरा हो जाता है।

उपचारः 10-12 किग्रा कापर सल्फेट प्रति हे की दर से खेत की तैयारी के समय मिट्टी में मिलाया छिड़का जाता है। पर्णीय छिड़काव के लिए 1 प्रतिशत कॉपर सल्फेट तथा 0.5 प्रतिशत चूने का घोल प्रति हे. की दर से छिड़काव करें।

मालिब्डेनम

इसकी कमी से पत्तियों पर पीले धब्बे पड़ जाते है। शिराओं के बीच में हरेपन में कमी आ जाता है तथा नारंगी रंग का चितकबरापन आ जाती है। पत्तियां मुरझाकर नीचे गिरने लगती हैं।

उपचारः 70 ग्राम सोडियम मालिब्डेट को 1200 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

बोरान

तने का ऊपरी वृद्धि वाला भाग मरने लगता है पत्तियां मोटी हो जाती हैं। मुड़ जाती हैं तथा फल फटने लगते हैं।

उपचारः गोबर की खाद का पर्याप्त मात्रा में प्रयोग करें तथा 0.2प्रतिशत बोरेक्स का घोल बनाकर छिड़कना चाहिए।

क्लोरीन

इस तत्व की कमी से पर्णक के नोक मुरझा जाते है। उत्तकों का क्षय होना शुरू होने लगता है।

उपचार : 0.5 प्रतिशत अमोनिया क्लोराइड का घोल छिड़कें

मिर्च को कीट से बचायें

बरसाती मिर्च की खेती में कीड़े एवं बीमारियों से सुरक्षाकर उपाय कर उपज में बढ़ोत्तरी एवं गुणवत्ता अच्छी की जा सकती है। क्योंकि फसलों के कुल में मिर्च एक प्रमुख नगदी फसल है।

जिसे पूरे देश में वर्ष भर उगाया जाता है। वर्षा के मौसम में मिर्च की फसल में कीड़े एवं बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ने लगा है जिससे उपज में भारी कमी आने लगी है इसलिये मिर्च की कीड़ों और रोगों के लिये सुरक्षात्मक प्रबंध कर अधिक उपज प्राप्त कर लाभ लें।

वर्षाकालीन मिर्च के प्रमुख कीट व उनका प्रबंधन

(अ) सफेद मक्खी, चूषक कीट, थ्रिप्स, हरा तेला एवं माहू

सफेद मक्खी जहां पर्ण कुंचन रोग फैलाने में उत्तरदायी है वहीं हरा तेला, थ्रिप्स एवं माहू पौधों के मुलायम भाग पत्ती, फल व कलिकाओं का रस चूसकर पौधे को कमजोर बना देती है जिससे बढ़वार रुक जाती है और संक्रमण से उत्पादन घट जाता है।

प्रबंधन

- पौधों की लाइन से लाइन की दूरी उपयुक्त रखें। घना नहीं लगायें। संक्रमित पौधे को खेत से निकालकर नष्ट कर दें।
- मित्र को खरपतवार रहित रखें जिसके लिये निराई–गुड़ाई नियमित रूप से करें।
- कीट प्रकोप होने पर सुरक्षित कीटनाशक नीम गोल्ड, ईकोनीम ग्रोनिम आदि दवाईयों का छिड़काव करें।
- मेलाथियान 50 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी में घोलकर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।

(ब) सफेद लट

इस कीट की गिडार मोटी, लम्बी एवं मजबूत शरीर वाली होती है। जो पौधे की जड़ों को काटकर खाती हैं। यह कीट मुख्य जड़ को काट देता है। जिससे फसल सूख जाती है। इस कीट के प्रोढ़ रात्रि के समय बेर, अमरूद, नीम और बबूल पर बैठते हैं तथा पत्तियों को खाते हैं। सबेरा होते ही खेतों में जाकर अंडे देते हैं जिससे 8–10 दिन में फिर गिडार निकल आती है जो पत्तियों को खाकर नुकसान पहुंचाती है।

प्रबंधन

- खेतों में अधपका या गोबर खाद न डालें। प्रकाश प्रपंच लगाकर कीट के प्रोढ़ इकट्ठा कर नष्ट करें।
- फोरेट 10 जी की 5 किलोग्राम मात्रा खेत की आखिरी जुताई के समय मिट्टी में मिला दें।
- कीटग्रसित पौधों के ऊपर रात्रि में लम्बे लाठी घुमाकर कीड़े नीचे गिरा दें तथा भृंग कीटों को इक्कट्ठा कर नष्ट करें।

पूर्णिया में कोल्ड-डे जैसे हालात, पारा 8 डिग्री गिरा :8वीं तक के स्कूल 30 दिसबर तक बंद

अगले 72 घंटे में ठिठुरन बढ़ेगी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में कड़ाके की ठंड जारी है। पारा 8 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। कोल्ड डे जैसे हालात है। बर्फीली पछिया हवा के कारण कनकनी का एहसास हो रहा है। लोग गर्म कपड़े से ढके होने के बावजूद ठिठुरते रहे। ठंड को देखते हुए जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 30 दिसंबर तक बंद कर दिया है। क्लास 8 तक की एजुकेशनल एक्टिविटी पर रोक रहेगी। शनिवार सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। पूरे ही दिन धूप गायब रही। लोग घरों में दुबके रहे। हालांकि चाय की दुकानों पर लोगों की काफी भीड़ रही। बर्फीली पछुआ हवा के चलते लोग ठिठुरते रहे। रविवार को भी सुबह से ही कोहरा छाया रहा। 72 घंटे तक ठंड से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। कनकनी में जबरदस्त इजाफा मौसम वैज्ञानिक राकेश कुमार ने बताया कि जिले में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इसी वजह से शनिवार को पारा तेजी से लुढ़का। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। जो शनिवार को 8 डिग्री सेल्सियस लुढ़ककर 15 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। 12 किमीप्रति घंटे की रफ्तार से बर्फीली पछिया हवा के कारण कनकनी में जबरदस्त इजाफा हुआ। आने वाले 3 जनवरी तक ऐसे ही हालात बने रहेंगे। सुबह में मध्यम रेंज का कुहासा रहेगा, सर्द और बढ़ेगी। कोल्ड डे का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दिया। लोग घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिससे सड़कों पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही कम हो गई है। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। 30 दिसंबर तक स्कूल बंद वहीं कड़ाके की ठंड को देखते हुए डीएम अंशुल कुमार ने लेटर जारी करते हुए छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को राहत दी है। जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 30 दिसंबर तक के लिए क्लास 8 तक की एजुकेशनल एक्टिविटी पर रोक लगा दी है। इसमें प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र और कोचिंग क्लासेज भी शामिल हैं। क्लास 8 से ऊपर की एजुकेशनल एक्टिविटी के लिए सुबह 10 से 3.30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। साथ ही प्री-बोर्ड, बोर्ड की परीक्षा के लिए चलाई जाने वाली स्पेशल क्लासेस को इससे दूर रखा गया है।

किशनगंज में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास :70 साल का आरोपी गिरफ्तार

वारंट के बाद पुलिस की कार्रवाई; न्यायिक हिरासत में भेजा गया

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के धरमगंज इलाके में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने 70 वर्षीय आरोपी रामबृक्ष दास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले ही कोर्ट से वारंट जारी किया जा चुका था और उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया गया था। शनिवार को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। लालच देकर सुनसान जगह ले गया आरोपी पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी रामबृक्ष दास धरमगंज केला बगान, वार्ड नंबर 11 का निवासी है। आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके घर के पास से किसी बहाने बाहर बुलाया और लालच देकर एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। शोर मचाने पर आरोपी हुआ फरार घटना के दौरान जब नाबालिग ने शोर मचाना शुरू किया तो आरोपी घबरा गया और मौके से फरार हो गया। बच्ची किसी तरह वहां से जान बचाकर घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। मासूम की आपबीती सुनते ही परिवार में हड़कंप मच गया। महिला थाना में दर्ज हुआ मामला घटना की गंभीरता को देखते हुए परिजन तुरंत महिला थाना पहुंचे। पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी। चूंकि आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था, इसलिए कोर्ट से उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कराया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया था। गुप्त सूचना पर दबिश, आरोपी गिरफ्तार पुलिस को हाल ही में सूचना मिली कि आरोपी धरमगंज इलाके में ही छिपकर रह रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जिले में महिलाओं की सुरक्षा पर फिर सवाल यह घटना किशनगंज जिले में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। बीते कुछ महीनों में जिले में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे आम लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उम्रदराज होने के बावजूद आरोपी का इस तरह का कृत्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। पुलिस का सख्त संदेश पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि नाबालिगों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है और आरोपियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी से लोगों को कुछ हद तक राहत जरूर मिली है।

मोतिहारी में 45 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

यूपी तक सप्लाई का खुलासा, विशेष वाहन जांच अभियान में नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नगर थाना क्षेत्र के अवधेश चौक के पास विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं और गांजा की खेप को यूपी तक पहुंचाने की तैयारी में थे। इस सफलता को पुलिस की सतर्कता और सटीक सूचना तंत्र का नतीजा माना जा रहा है। गुप्त सूचना पर शुरू हुई कार्रवाई मामले की जानकारी देते हुए सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में गांजा की खेप नगर थाना क्षेत्र से होकर गुजरने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस टीम का गठन किया गया और अवधेश चौक के पास सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान हर आने-जाने वाले संदिग्ध वाहन पर विशेष नजर रखी जा रही थी। यूपी नंबर की कार से बरामद हुआ गांजा जांच अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश नंबर की एक आल्टो कार पुलिस को संदिग्ध नजर आई। पुलिस ने जब कार को रोककर तलाशी ली तो उसके अंदर छिपाकर रखा गया 45 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद कार में सवार दोनों व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गांजा को इतनी चतुराई से छिपाया गया था कि पहली नजर में इसकी आशंका नहीं हो रही थी, लेकिन पुलिस की सतर्कता से तस्करों की चाल नाकाम हो गई। गिरफ्तार तस्करों से अहम खुलासे पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने स्वीकार किया कि वे गांजा की खेप को उत्तर प्रदेश तक पहुंचाने जा रहे थे। इसके एवज में उन्हें प्रति खेप 20 हजार रुपये मिलते थे। तस्करों ने यह भी बताया कि उन्हें यह गांजा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सौंपा गया था, जो पूरे नेटवर्क को संचालित करता है। पुलिस इस अज्ञात मास्टरमाइंड की पहचान में जुट गई है। आरोपियों की पहचान और नेटवर्क की जांच गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी दिनेश सिंह और अयाज खान के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में मादक पदार्थ तस्करी के एक संगठित नेटवर्क के संकेत मिले हैं। यह नेटवर्क बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ हो सकता है। सुरक्षा और जांच के दृष्टिकोण से फिलहाल कुछ जानकारियों को गोपनीय रखा गया है, ताकि अन्य तस्करों को सतर्क होने का मौका न मिले।

बिहार में लापता महिला कृषि अधिकारी बख्तियारपुर में ही मिलीं, पुलिस करेगी पूछताछ

पटना, एजेंसी। बिहार में लापता कृषि अधिकारी अर्यमा दीप्ति बख्तियारपुर से मिली हैं। लापता होने के दौरान अर्यमा दीप्ति कहां थीं? अभी इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अब अर्यमा दीप्ति से जल्द ही पूछताछ कर सकती है। आपको बता दें कि अथमलगोला के कृषि विभाग में ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर (बीटीएम) के पद पर कार्यरत महिला अर्यमा दीप्ति शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गई थी। वह कंकड़बाग के विजय नगर की रहने वाली है। 23 दिनों पहले उसकी शादी पटना के चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम कुमार से हुई है। इस मामले में शनिवार को पति शुभम कुमार ने बख्तियारपुर थाने में गुमशुदगी शिकायत दर्ज कराई थी। बताया जाता है कि अथमलगोला कार्यालय से शुक्रवार दोपहर बाद वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली, लेकिन वह अपने आवास पर नहीं पहुंची थीं।

उन्होंने बख्तियारपुर जंक्शन के समीप कमरा ले रखा है। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब चार बजे जब वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली थीं। उसी समय फोन पर भाई से महिला अधिकारी से बात हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि उनके मोबाइल की बैट्री खत्म हो रही है, इसलिए घर पहुंचकर बात करते हैं। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया था। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने काफी तलाश की। लेकिन कोई अता-पता नहीं चला था। अब बख्तियारपुर में ही अर्यमा दीप्ति मिली हैं।

पति ने ऑफिस छोड़ा पर अर्यमा दफ्तर गई ही नहीं- 26 दिसंबर की सुबह अर्यमा दीप्ति रोज की तरह तैयार होकर ड्यूटी पर जाने की तैयारी में थीं। पति शुभम ने उन्हें घर से ऑफिस के लिए छोड़ा। यह बात अब जांच का अहम हिस्सा बना। पति के मुताबिक, वो अर्यमा को लेकर सुबह घर से निकले और रास्ते में छोड़ दिया। उस वक्त किसी तरह की कोई बहस या बातचीत नहीं हुई। अर्यमा शांत थीं और रोज की तरह ड्यूटी की बात कर रही थीं। रास्ते में छोड़ने के बाद शुभम अपने काम पर चले गए, लेकिन ऑफिस के रिकॉर्ड और सहकर्मियों के बयान के मुताबिक, अर्यमा उस दिन ऑफिस पहुंचीं ही नहीं। न उन्होंने अटेंडेंस दर्ज कराई, न किसी मीटिंग या काम में शामिल हुईं।

दोपहर 2 बजे बात हुई, बोलीं- घर पर हूं- अर्यमा किराए का कमरा लेकर बख्तियारपुर में रहती थी। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे पति से बातचीत हुई थी। अर्यमा ने कहा था कि ऑफिस के काम से घर आई हूं। इसके बाद लगभग दो घंटे बाद उसके गायब होने की कहानी शुरू हुई। अर्यमा की करीब 4 बजे भाई से आखिरी बातचीत हुई। बातचीत छोटी थी, किसी खतरे का संकेत नहीं था। उसने भाई को भी कहा कि घर पर हूं, लेकिन उसके बाद उनका संपर्क टूट जाता है। कॉल नहीं लगती, मैसेज का जवाब नहीं मिलता। परिवार पहले इसे नेटवर्क या व्यस्तता मानता है, लेकिन समय बीतने के साथ चिंता बढ़ती है। किराए के कमरे के आसपास पूछताछ होती है। ऑफिस से जानकारी ली जाती है। कोई ठोस सुराग नहीं मिलता है। यहीं से मामला संदिग्ध हो जाता है।

शाम के बाद मोबाइल ट्रेस और लोकेशन बदला- शाम होते-होते पति गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। पुलिस सीडीआर खंगालती है। इसी दौरान एक अहम तथ्य सामने आता है लापता होने के बाद शनिवार सुबह के वक्त मोबाइल एक बार ऑन हुआ। सीडीआर और लोकेशन डेटा से पता चलता है कि शुक्रवार को अर्यमा की आखिरी लोकेशन उस्मानपुर (अथमलगोला) में थी। इसके बाद सुबह फतुहा की लोकेशन मिलती है।

लोकेशन का बदलना संकेत देता है कि या तो अर्यमा मूवमेंट में थीं या फोन किसी और के पास था। पुलिस अब उन रास्तों, संभावित पिक-अप पॉइंट्स और संपर्कों पर फोकस कर रही है, जो उस्मानपुर से फतुहा तक की कड़ी जोड़ते हैं। इसी कड़ी में एक कॉल नंबर सामने आया है, जिस पर आखिरी बातचीत हुई। पुलिस उसी नंबर से लोकेशन ट्रेस करने लगी। पुलिस के अनुसार ये आखिरी बातचीत किसी लड़के से हुई थी। संभवतः ये लड़का या तो अर्यमा से मिलने आया था या उसे रिसीव करने।

शादी से हनीमून और लौटने तक: 20 दिन का सफर- अर्यमा दीप्ति की शादी 4 दिसंबर को हुई थी। यह पूरी तरह अरेंज मैरिज थी। दोनों परिवारों की सहमति से शादी हुई थी। शादी पटना के बजाय बेगूसराय में हुई। शादी के बाद अर्यमा और उनके पति नेपाल हनीमून पर गए। परिवार के अनुसार, यह ट्रिप पूर्व-निर्धारित थी। दोनों कुछ दिन वहां रुके। फोटो और बातचीत से कोई तनाव सामने नहीं आया। 20 दिसंबर के आसपास वे नेपाल से लौटे। लौटते ही अर्यमा ने ड्यूटी जॉइन की। बख्तियारपुर में तैनाती संभाली। सहकर्मी बताते हैं कि वह काम पर फोकस्ड थीं। समय पर आती-जाती थीं। परिवार का कहना है कि शादी और हनीमून के बाद उनके व्यवहार में कोई असामान्य बदलाव नहीं दिखा। वह करियर को लेकर स्पष्ट थीं। यही वजह है कि 26 दिसंबर को अचानक लापता होना सबके लिए चौंकाने वाला है।

पढ़ाई और कथित अफेयर एंगल, भागलपुर से जुड़ रही कड़ी- अर्यमा दीप्ति ने भागलपुर स्थित बिहार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (ब्क्र) से पढ़ाई की है। पढ़ाई के दौरान उनकी पहचान कई सहपाठियों से हुई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उसी दौर में एक युवक से बातचीत की बात सामने आई है।

लास्ट लोकेशन फतुहा मिला, सीवान में मिली- जांच का सबसे अहम बिंदु फतुहा की लोकेशन थी। पुलिस के अनुसार, यहां से एक कॉल की पुष्टि हुई है। जांच के बाद पुलिस ने आर्यमा को छपरा से बरामद कर बख्तियारपुर थाने लाया गया है। पुलिस पूछताछ कर पूरे मामले का पता लगा रही है।

रूम हीटर तापते वक्त बड़ा हादसा, आग की चपेट में आने से बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलसे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में जारी भीषण ठंड के बीच रूम हीटर तापते समय बड़ा हादसा हो गया। सकरा थाना क्षेत्र में हीटर में लगी आग से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। घटना सकरा थाना क्षेत्र के रजिस्ट्री गेट के पास फरीदपुर गांव की बताई जा रही है। घायल बुजुर्ग की पहचान 62 वर्षीय रामनाथ सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रामनाथ सिंह घर में अकेले रूम हीटर ताप रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके चीखने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर लोगों ने देखा कि हीटर में आग लग गई है और आग की चपेट में आकर उनका बेड भी जल रहा है। घर में उस समय कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और हीटर को वहां से हटाया, लेकिन तब तक बुजुर्ग बुरी तरह झुलस चुके थे। इसके बाद घटना की सूचना सकरा थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग को पूरी तरह बुझाया। झुलसे हुए बुजुर्ग को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल मेडिकल कॉलेज में उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और अस्पताल में डॉक्टरों से बुजुर्ग की स्थिति की जानकारी ली। पूरे मामले को लेकर अनुमंडल अग्निशमन अधिकारी रामनिवास पाण्डे ने बताया कि सूचना मिली थी कि रूम हीटर तापने के दौरान बुजुर्ग के शरीर में आग लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए।

परिवार की जमीन हो तो हिस्सेदारों में बंटवारा अब एक आवेदन पर; जमाबंदी की नई व्यवस्था लागू

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने पारिवारिक भूमि बंटवारे की प्रक्रिया को सरल, आसान और विवाद-मुक्त बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 27 दिसंबर से बंटवारा दाखिल-खारिज की नई व्यवस्था राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के बिहारभूमि पोर्टल पर लागू कर दी गई है। अब एक ही आवेदन के माध्यम से परिवार के सभी हिस्सेदारों के नाम उनके हिस्से की जमीन पर जमाबंदी आसानी से हो सकेगी। इस व्यवस्था की घोषणा उपमुख्यमंत्री और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पूर्व की व्यवस्था में पारिवारिक बंटवारे के बाद प्रत्येक हिस्सेदार को अपने हिस्से की जमीन के लिए अलग-अलग दाखिल-खारिज कराना पड़ता था, जिससे आम लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधान सचिव सीके अनिल के नेतृत्व में विभागीय टीम ने अल्प समय में नई व्यवस्था विकसित की, जिसे अब बिहारभूमि पोर्टल की दाखिल-खारिज सेवा के

अंतर्गत लागू कर दिया गया है। इस नई प्रणाली से आम रैयतों को काफी सहूलियत मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने पूर्वजों की भूमि का विधिवत बंटवारा कर डिजिटल माध्यम से अपने हिस्से की जमीन की जमाबंदी अपने नाम से अवश्य कराएं। उन्होंने विशेष रूप से उन लोगों से आग्रह किया, जिनके यहां मौखिक बंटवारा के आधार पर जमीन पर कब्जा और उपयोग हो रहा है, वे इस नई सुविधा का लाभ उठाकर अपने मौखिक बंटवारे को सरकारी दस्तावेजों में दर्ज कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि मौखिक बंटवारा भविष्य में पारिवारिक विवाद और सरकारी योजनाओं तथा सुविधाओं से वंचित होने का कारण बन सकता है। विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत उत्तराधिकार-सह-बंटवारा की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत पूर्वज की मृत्यु के बाद उनकी भूमि का बंटवारा करते हुए सभी उत्तराधिकारियों के नाम उनके हिस्से की जमीन पर एक साथ जमाबंदी की जा सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इसी वर्ष अगस्त-सितंबर में चलाए गए राजस्व महा-अभियान के दौरान 46 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 40 लाख से अधिक आवेदन बंटवारा और उत्तराधिकार नामांतरण से संबंधित थे। इन आवेदनों को 31 दिसंबर तक अपलोड कर दिया जाएगा और जनवरी से मार्च के बीच पुनः पंचायतों में शिविर लगाकर सभी आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि भूमि से संबंधित परेशानियों से जनता को राहत देने के उद्देश्य से भूमि सुधार जनकल्याण संवाद की शुरुआत की गई है। इस संवाद के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं को जिलों में जाकर समझा जाएगा और समय सीमा में उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल भूमि प्रशासन को पारदर्शी, सरल और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सौरभ द्विवेदी को रिमांड पर लेगी पुलिस:म्यूल खाते खोलने में पटना के बैंकर भी शामिल

साइबर फ्रॉडस्टर के साथ मिले हैं; कुछ खाते भी फ्रीज

पटना, एजेंसी। गर्दनीबाग इलाके में ग्लू लगाकर एटीएम फ्रॉड करने वाले गैंग के मास्टरमाइंड बेतिया नौतन के रहने वाले सौरभ द्विवेदी को रिमांड पर लेकर पटना पुलिस पूछताछ करेगी। अब तक पटना पुलिस इस गैंग के 13 शातिरों को अरेस्ट कर चुकी है। पुलिस की तफ्तीश के दौरान सौरभ और इसके सॉफ्टवेयर इंजीनियर दोस्त मुजफ्फरपुर के रहने वाले सत्यम का आपराधिक इतिहास पाया गया है। इन दोनों के खिलाफ पहले से साइबर थाने में केस दर्ज है। पुलिस इनके कुछ खाते को फ्रीज कर चुकी है।

गैंग में शामिल हैं बैंकर- इस गैंग में बैंक एजेंट के अलावा कुछ बैंकर भी हैं। जिनकी भूमिका म्यूल एकाउंट खोलने और खाते प्रोवाइड कराने में संदिग्ध पाई गई है। पकड़े गए राहुल नाम के शख्स के माध्यम से सौरभ द्विवेदी के संपर्क में कुछ बैंकर

भी थे। जो अलग अलग बैंक से हैं। ये सभी सौरभ और इसके साथियों को वैसे खाते प्रोवाइड कराते थे या उसके बारे में बताते थे, जिसमें रुपए कम होते थे। बैंकर इन्हें डेटा उपलब्ध कराते थे। जिसके जरिए यह गैंग उस व्यक्ति से संपर्क कर के कुछ रुपए का प्रलोभन देता था और उनके पासबुक, एटीएम अपने कब्जे में ले लेता था। पुलिस फिलहाल इनकी निशानदेही पर इन बैंकर्स को ढूंढने में लगी है। पुलिस के मुताबिक दो तरीके से फ्रॉड किए जा रहे थे। इसमें गेमिंग ऐप और एटीएम फ्रॉड का मामला शामिल है। एटीएम मशीन में ग्लू लगाते थे। जिसके चलते एटीएम कार्ड फंस जाता था। ठीक उस व्यक्ति के पीछे गिरोह का एक सदस्य खड़ा रहता था। जो पिन देख लेता था। ञरूफंसने के बाद वह शख्स परेशान हो जाता था। एक हेल्प के लिए नम्बर भी चिपका देते थे। जिससे वह शख्स संपर्क करने लगता था। इसी बीच उसके कार्ड से ट्रांजैक्शन कर लिए जाते थे। इसके अलावा गेमिंग ऐप के जरिए भी फ्रॉड किए जा रहे थे। क्रिप्टो करेंसी के जरिए भी इनके खाते में बड़े पैमाने पर ट्रांजैक्शन के साक्ष्य मिले हैं। तकरीबन 55 करोड़ का आंकड़ा सामने आया है। अमाउंट और भी अधिक हो सकता है। इसकी छानबीन हो रही है। अभी तक इस मामले में 13 लोग अरेस्ट किए गए हैं। जिसमें अधिकतर बैंक एजेंट हैं। इस पूरे नेटवर्क में बेतिया के नौतन के रहने वाले सौरभ द्विवेदी की भूमिका मास्टर माइंड के तौर पर सामने आई है। इस गिरोह में और भी लोग शामिल हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पकड़े गए आरोपियों का नाम- मोहम्मद अमीर(26वर्ष), मोहम्मद आमिर 22 वर्ष, मोहम्मद बकार 27 वर्ष, मोहम्मद जाहिद अहसान 28 वर्ष, नवनीत कुमार उर्फ सौरभ(23वर्ष), सोनू कुमार 28 वर्ष, सुजीत कुमार 23 वर्ष, प्रभात रंजन कौतुक 28 वर्ष, मोहम्मद खुशाम 25 वर्ष, विशाल कुमार 23 वर्ष, राहुल कुमार 27 वर्ष, सत्यम कुमार 23 वर्ष, सौरभ द्विवेदी शामिल हैं।बरामद किए गए सामानः अब तक इनके पास से 54 एटीएम कार्ड, 11 पासबुक, 23 मोबाइल सिम के साथ, 5 सिम, 5900 नगद रुपए, 2 चार चक्का गाड़ी, 28 चेकबुक, 2 ब्लैंक चेक, 1 पीस पासपोर्ट मिले हैं।

मगध महिला कॉलेज में छात्राओं के पर्सनल डिटेल्स खतरे में :वेबसाइट में खराबी

छात्राएं नहीं भर पा रही फॉर्म, साइबर कंप्लेन फाइल की जाएगी

पटना, एजेंसी। मगध महिला कॉलेज में छात्राओं की पर्सनल डिटेल्स अब खतरे में है। वेबसाइट खोलने पर कॉलेज की साइट की जगह फर्जी लिंक खुल रहा है। कॉलेज की वेबसाइट कई दिनों से हैक है। छात्राओं की ओर से रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के दौरान हैकर्स ने उनके डिटेल को हैक कर उनके नाम के आगे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है और न ही फॉर्म समय पर भरा पा रहा है। इससे छात्राएं काफी परेशान है।

ठीक नहीं होने पर साइबर कम्प्लेन फाइल की जाएगी- पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ की अध्यक्ष मैथिली मृणालिनी ने कहा कि वेबसाइट हैक होना छात्राओं की सुरक्षा से लेकर पूरे शैक्षणिक सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। एजेंसी पर जो भी कार्यभार सौंपी जा रहा है, वह सफल नहीं हो पा रहा है। कोई ना कोई खामी रह जा रही है। कॉलेज में जब हमने इसकी शिकायत की, तो कहा गया कि इस पर काम हो रहा है। प्रिंसिपल का कहना है कि अगर यह समस्या ठीक नहीं होती है, तो फिर साइबर कम्प्लेन फाइल की जाएगी।

महिला कॉलेज में महिला का डेटा सेफ नहीं- उन्होंने आगे कहा कि यह एक बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह पटना विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन के ऊपर खड़ा करता है कि महिला सेफ्टी और उनका डेटा एक महिला कॉलेज में होते हुए भी सेफ नहीं है। जब लड़कियां अपना फॉर्म भर रही है, तो उनके नाम के बगल में आपत्तिजनक शब्द आ रहे हैं। यह सब काफी निंदनीय है। हमारे राज्यपाल से मांग है कि जो एजेंसी की लापरवाही का सिलसिला पिछले कई महीनों से चलते आ रहा है, उसको रोका जाए और एक निर्णायक कदम उठाया जाए। जब तक यूनिवर्सिटी का खुद का सर्वर नहीं होगा, तब तक ऐसी समस्याएं होती रहेगी और हम लोग दूसरों पर निर्भर रहेंगे। इस मामले को लेकर राज्यपाल के साथ बैठक प्रस्तावित है, जिसके लिए पत्र भी भेजा गया है।

बांका में लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा:देसी कट्टा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पूछताछ में अन्य साथियों का नाम भी बताया

बांका, एजेंसी। बांका टाउन थाना क्षेत्र में 25 दिसंबर की शाम हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से लूट में प्रयुक्त एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि इस वारदात में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

मैनवरण के पास हुई थी लूट की वारदात- बताया जाता है कि 25 दिसंबर की शाम मैनवरण के समीप बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को निशाना बनाया था। अपराधियों ने युवक से 20 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन लूट लिया था। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। पीड़ित युवक ने किसी तरह अपने परिजनों को सूचना दी और बाद में टाउन थाना पहुंचकर घटना की लिखित

शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस- मामले की गंभीरता को देखते हुए बांका पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान शुरू किया। टाउन थानाध्यक्ष अरविंद राय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूत्रों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू की। लगातार दबिश के बाद पुलिस को एक आरोपी के बारे में ठोस जानकारी मिली।

दुधारी इलाके से आरोपी की गिरफ्तारी- छापेमारी के दौरान पुलिस ने पोखरिया निवासी बाल्मिकी कुमार को दुधारी इलाके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया, जिसका इस्तेमाल लूट की घटना में किया गया था। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही हिरासत में लेकर थाने लाया और पूछताछ शुरू की।

पूछताछ में हुए अहम खुलासे- पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसने यह भी बताया कि वह अकेला नहीं था, बल्कि उसके साथ अन्य साथी भी शामिल थे। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस अब उसके सहयोगियों की पहचान कर रही है। संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

देसी कट्टा बरामद, आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज- थानाध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लूट और अवैध हथियार रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बरामद देसी कट्टा को जब्त कर लिया गया है और उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है।

इलाके में बढ़ाई गई पुलिस गश्त- लूट की घटना के बाद से इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। खासकर शाम और रात के समय संवेदनशील इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और आम लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने जनता से की सहयोग की अपील- बांका पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस का दावा है कि अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और लूट व आपराधिक घटनाओं में शामिल लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, पुलिस इस लूटकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही पूरे मामले का पूर्ण खुलासा किए जाने की बात कही जा रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

लापरवाही का धुआं और पांच जिंदगियां खाक

आमतौर पर होटलों में ठहरने के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि वहां सुकून के साथ सुरक्षित माहौल भी होगा। मगर देश भर के कई होटलों में जिस तरह की लापरवाही बरती जाती है, वह चिंताजनक है। सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने के कारण कई दफा लोगों की जान तक चली जाती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में ऐसी ही एक घटना सामने आई है। यहां एक होटल में सोमवार रात अंगीठी के धुएं के कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इस होटल में रंग-रोगन संबंधी कार्य के लिए आए थे और वहीं एक कमरे में ठहरे थे। यह आश्चर्य की बात है कि इस होटल के कमरे में अंगीठी का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में सवाल है कि अंगीठी का बंदोबस्त होटल प्रबंधन ने ही किया था या फिर इन लोगों ने अपने स्तर पर इसका इंतजाम किया? और अगर निजी तौर पर वहां अंगीठी लाई गई थी, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका क्यों नहीं! यहां तक कि कमरे से उठते धुएं पर भी ध्यान न देना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। होटलों में प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त की जांच करना स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि धुएं और आग की चेतावनी देने वाले उपकरण आमतौर पर कर्मचारियों को सचेत कर देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इस होटल में क्या जरूरी सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे? इस तरह की व्यवस्थागत खामी के लिए होटल प्रबंधन के साथ-साथ वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं, जो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करते हैं। कुरुक्षेत्र में हुए हादसे को टाला जा सकता था, अगर वहां तैनात कर्मचारी सचेत रहते और सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए होते। लापरवाही के इस धुएं में पांच लोगों के जीवन की लौ बुझ गई, तो इसका दोषी कौन है? इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर ठोस कदम उठाने होंगे।

अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है। आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी।

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

(ललित गर्ग)

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। अरावली पर्वत श्रृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का यह कवच ध्वस्त भी हुआ है। अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। यह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से 100 मीटर ऊंचाई जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है। पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती हैं। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि नियंत्रित शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रूकेगा। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है।

जिन कट्टरपंथियों को पाला, वही बने चुनौती?

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल के स्वनिर्वासन के बाद गुरुवार को देश लौटे, जिन्हें देश का अगला पीएम माना जा रहा है। इस बीच, अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने जिन कट्टरपंथियों को बढ़ावा दिया था, आज वही देश में शांति-सौहार्द के लिए चुनौती बन गए हैं। गंभीर आरोप - शेख हसीना को पद से हटाने के बाद छात्र नेताओं ने इस उम्मीद के साथ मोहम्मद यूनुस को कमान सौंपी थी कि वह एक बेहतर व्यवस्था की नींव रखने में मदद करेंगे। हालांकि कुछ महीनों बाद ही यह उम्मीद टूटने लगी थी और चुनाव को लेकर जिस तरह की खींचतान मची, उससे लगा कि अब लड़ाई व्यवस्था परिवर्तन नहीं, सत्ता कब्जाने की है। इस कड़ी में कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद उनके भाई के लगाए गए आरोप बेहद संगीन हैं। कट्टरपंथियों की साजिश - हादी के भाई का कहना है कि सरकार से जुड़े लोगों ने हादी को मरवाया, ताकि चुनाव टाला जा सके। सभी दलों को समान अवसर नहीं देने के कारण यह चुनाव पहले ही संदेह के घेरे में है। इस आरोप का मतलब है कि सत्ता में शामिल कुछ तत्व जानबूझकर बांग्लादेश को अस्थिरता की ओर ले जा रहे हैं और वहां भारत विरोधी झूठा नैरेटिव बनाने में भी उन्हीं की साजिश है।भारी पड़ेंगे सवाल-हादी कट्टर विचारधारा के युवा नेता थे, जो जुलाई क्रांति से उभरे थे। बांग्लादेश के मौजूदा माहौल में उनका कद बहुत बढ़ गया था, ऐसे में उनके परिवार की ओर से उठाए गए सवाल मोहम्मद यूनुस पर भारी पड़ सकते हैं। खराब कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन पर पहले से अंतरराष्ट्रीय मंचों का दबाव है। निष्पक्षता पर शक - इस बात पर शुरू से संशय था कि शेख हसीना की पार्टी को चुनाव में हिस्सा लेने दिया जाएगा। अब सरकार का स्पष्टीकरण आ गया है और वह भी उस दिन, जब तारिक रहमान देश लौटे हैं। यह संयोग नहीं हो सकता। विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे तारिक को अंतरिम सरकार में ही राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ।

2025 में भाजपा और एनडीए को मिली सफलताओं ने भविष्य की राजनीति की दिशा तय कर दी है

(नीरज कुमार दुबे)

साल की शुरुआत दिल्ली विधानसभा चुनाव से हुई, जहां भाजपा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि देश की राजधानी को स्थिर, सक्षम और दूरदर्शी शासन की आवश्यकता है। विकास, बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छ प्रशासन और राष्ट्रीय दृष्टि के मुद्दों को केंद्र में रखकर लड़ा गया यह चुनाव मुफ्त सौगातों की राजनीति करने वालों पर भारी पड़ा। साल 2025 भारतीय राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक वर्ष बनकर सामने आया। यह वर्ष केवल चुनावी आंकड़ों की कहानी नहीं बयां करके जा रहा है बल्कि उस गहरे जन विश्वास का साक्ष्य देकर जा रहा है जो भाजपा ने निरंतर अपने कार्य, नीति और संगठनात्मक अनुशासन से अर्जित किया है। साल की शुरुआत से लेकर अंत तक, चाहे दिल्ली विधानसभा चुनाव हों, विभिन्न राज्यों के नगर निकाय और पंचायत चुनाव हों या फिर बिहार विधानसभा का महासंग्राम, भाजपा ने हर मोर्चे पर यह साबित कर दिया कि वह आज भी जनता की पहली पसंद बनी हुई है। साल की शुरुआत दिल्ली विधानसभा चुनाव से हुई, जहां भाजपा ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि देश की राजधानी को स्थिर, सक्षम और दूरदर्शी शासन की आवश्यकता है। विकास, बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छ प्रशासन और राष्ट्रीय दृष्टि के मुद्दों को केंद्र में रखकर लड़ा गया यह चुनाव मुफ्त सौगातों की राजनीति करने वालों पर भारी पड़ा। दिल्ली के मतदाता ने यह महसूस किया कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि परिणाम देती है। इस जीत ने वर्ष 2025 के राजनीतिक स्वर को साल के शुरू में ही तय कर दिया था। दिल्ली विधानसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, असम जैसे राज्यों में हुए नगर निकाय और पंचायत चुनावों में भाजपा की अपार सफलता ने यह साबित कर दिया कि पार्टी की पकड़ केवल विधानसभा और लोकसभा तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र के शहरी निकायों से लेकर असम और अरुणाचल के गांवों तक, भाजपा ने स्थानीय मुद्दों को समझते हुए विकास का भरोसा दिया। गोवा में स्थिर प्रशासन और पारदर्शिता की छवि ने मतदाताओं को प्रभावित किया, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और केंद्र सरकार की सक्रिय भागीदारी ने भाजपा को मजबूत आधार प्रदान किया। पंचायत और निकाय स्तर पर मिली ये जीतें इस बात का प्रमाण हैं कि भाजपा जमीनी राजनीति में भी अजेय होती जा रही है।भाजपा की इस निरंतर विजय का एक प्रमुख आधार है उसका मजबूत संगठन और बूथ स्तर तक फैला कार्यकर्ता नेटवर्क। पार्टी सभी चुनावों को एक मिशन के रूप में लड़ती है। हर बूथ पर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी तय होती है, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया जाता है और स्थानीय समस्याओं को एजेंडे में शामिल किया जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5957

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5956

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

वर्ग पहेली 5957

संकेतः बाएं से दाएं
1. 4 मई 1979 को श्रीमती मार्गरैट थैचर इस देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी (3)
4. महाकवि कालीदास की सप्रसिद्ध कृति (4)
7. जल से उत्पन्न (3)
8. अभ्यास पुस्तिका को अंग्रेजी में यह कहते है (4)
11. पंचतत्वों में से एक, आकाश, गगन (2)
13. शाखायुक्त, टहनीदार (4)
15. उत्तम, विशुद्ध, सदाशय (2)
16. बयाना, अग्रिस देय (3)
18. हानिकर या नाशक जीव या कीटाणु, चिपकाने की क्रिया (2)
19. जुड़वा, अश्विी कुमार (2)
21. दिशा में, पहलू (4)
23. हुनर, फन (2)
24. धर्मच्युत, पतित (2)
25. अधिकार, इख्तिहार (2)

ऊपर से नीचे
1. पुल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. दर्जी, वेशकार, सूचिक (3)
3. अरब का प्रसिद्ध नगर जहां हजरत अली कीमजार है (3)
5. अन्न, लकड़ी आदि में लगने एक प्रकार का छोटा कीड़ा (2)
6. एक प्रकार का कीट, पतंगा, परवाना (3)
9. यह हंगरी की राजधानी है और सबसे बड़ा नगर है (4)
10. कंगूरा, गुंबज, शिखर, घट (3)
11. पुरूष, मर्द (2)
12. जिसमें दाग या धब्बा लगा हो (2)
17. 4 मई 1902 को केसी रेड्डी का जन्म दिवस है जो इस प्रांत के प्रथम मुख्यमंत्री और मध्यप्रदेश के भूतपूर्व राज्यपाल थे (4)
18. पृष्ठ, पन्ना (2)
20. मुझे (मराठी)(2)
21. तकलीफ, दर्द (2)
22. एक शब्द जिसके द्वारा वक्ता और श्रोता के अतिरिक्त किसी तीसरे मनुष्य का संकेत किया जाता है (2)

वर्ग पहेली 5956 का हल

इ	ज	रा	इ	ल		वि	श्व
रा	ज	न		व	की	ल	
व				इ	ना	य	त
ती	ज			न		न	ल
	न		आ	शि	क		वा
	वा	दा		म	श	हू	र
मौ	सा		बा	ला		र	
का		का	जू		हां		

आज का राशिफल

मेष
आज खानपान का विशेष ध्यान रखना होगा। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुए कार्य समय पर संपन्न होंगे। राजनीतिक क्षेत्र में उम्मीद के मुताबिक सफलता मिलेगी। समाज के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। पाचन क्रिया मंद तथा नेत्र विकार संभव है।

वृष
आज इष्ट देव के आशीर्वाद और कुलदेवी की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें। सायंकाल से लेकर रात होने तक शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें। प्रिय एवं महान पुरुषों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी वांछित सिद्धि हो सकती है।

कर्क
आज भ्राता को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैद्यानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल के समय माता के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा-पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है।

सिंह
वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की लाभदायक यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती तरक्की से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। सायंकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलेक्स होगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन
आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

कन्या
आज अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। सायंकाल से देर रात तक देव दर्शन का लाभ लें।

तुला
आज धार्मिक कार्यों में अग्रसर रहेंगे। किसी धार्मिक क्षेत्र की यात्रा भी हो सकती है। फलस्वरूप वृद्धजनों की सेवा तथा पुण्य कार्यों पर धन व्यय होने से मन में हर्ष रहेगा। प्रतिद्वंद्वियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। मौसमी बीमारियों से सावधान रहने की आवश्यकता है नहीं तो डाक्टरों के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

वृश्चिक
आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि का योग है। आय के नए स्रोत बनेंगे। वाक् पटुता आपको विशेष सम्मान दिलायेगी। भागदौड़ अधिक रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद रहेगी। प्रतिद्वंद्वियों के लिए आप सिरदर्द बने रहेंगे।

मकर
आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन सम्मान यश कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सायंकाल प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे।

कुंभ
आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

धनु
आज आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। किन्तु आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात्रि में भाई का स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
आज घर के लिए उपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में राज्य कार्य कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें अन्ततः आपकी विजय हो जाएगी। आपके विरुद्ध षड्यंत्र विफल हो जाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम जी रिश्तों का मेला 2025 आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो कुंडली भाग्य में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया। वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं।

श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, जीटीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ। शो में प्यार, यादें और अपनापन साफ दिखता है। सेट पर काम करते समय लोग मुझे अब भी प्रीता के नाम से बुलाते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कुंडली भाग्य अभी भी चल रहा है और मैं रोज शूटिंग कर रही हूं।

सहर बंबा ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बातचीत में बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे। सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, 'यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।' दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। यह कॉल उनके मुझपर भरोसा किए जाने के बारे में था। सहर ने बताया, ' 'तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा, 'चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, 'मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। कब 'ना' कहना है, धैर्य रखना है, और समय पर भरोसा करना है, यह मैंने सीख लिया है। यह अंदरूनी बदलाव मेरे लिए किसी बाहरी सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

अब केवल हिट फिल्म में नहीं, बल्कि सराहना में भी छिपी है कामयाबी

भारतीय फिल्म और वेब इंडस्ट्री पिछले कुछ दशकों में बहुत बदल चुकी है। खासकर महिला कलाकारों के लिए अब नए मौके खुले हैं, जो पहले शायद सिर्फ सीमित तरह के रोल तक ही सिमटकर रह जाते थे। इसी बदलाव और अपनी व्यक्तिगत यात्रा को लेकर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी यात्रा में बदलाव आए। श्वेता ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसे लोगों के साथ और कहानियों में काम किया है, जिन्होंने मुझे नए तरीके से सोचने और महसूस करने का मौका दिया है। मैं हमेशा रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने में भरोसा करती हूं। पहले फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अवसर और रोल सीमित होते थे। हीरोइन या महिला कलाकार का रूप और किरदार अक्सर तय ही होता था। लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, नए क्रिएटर्स, और दर्शकों की बदलती सोच ने कहानी कहने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। श्वेता ने इस बदलाव में दर्शकों की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, सिर्फ कहानीकार ही बदलाव नहीं लाते, बल्कि दर्शक भी इसमें अपना अहम योगदान देते हैं। जब दर्शक इन नई कहानियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनाते हैं, किरदारों और कहानियों को पसंद करते हैं और सराहना देते हैं, तब कलाकारों को प्रयोग करने का हौसला मिलता है। आज के समय में कलाकारों के पास ज्यादा जगह है कि वे नए अनुभव लें और अपने करियर की दिशा खुद तय करें।

अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में श्वेता ने बताया, इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया और आत्मविश्वास को बढ़ाया। सफलता अब सिर्फ एक ही रूप में नहीं देखी जाती। पहले यह माना जाता था कि एक कलाकार को सिर्फ बड़े नाम और बॉक्स ऑफिस हिट चाहिए। लेकिन, आज सफलता की परिभाषा बदल गई है और ये सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। जब आप अच्छा काम करते हैं और वह सराहा जाता है, तो यह आपको एक खास तरह की ताकत देता है। श्वेता ने कहा, करियर में अब तक के अलग-अलग किरदार और कहानियां मेरे लिए हमेशा यादगार रहे हैं। सभी किरदारों ने मुझे अलग तरह से सोचने और महसूस करने का मौका दिया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा प्रोफेशन मिला, जो मुझे नए तरीके से देखने और समझने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में महिलाओं की जगह और उनकी आवाज पहले की तुलना में बहुत मजबूत हो गई है। अब न केवल बड़े स्टार्स बल्कि छोटे और नए कलाकार भी अपनी पहचान बना सकते हैं, साथ ही दर्शकों के साथ सीधे जुड़ सकते हैं। यह बदलाव अवसर के साथ-साथ रचनात्मक स्वतंत्रता भी देता है।

नागिन 7 में प्रियंका चाहर चौधरी के साथ नजर आएंगे साहिल उप्पल

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल नागिन का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे।

ये सितारे भी होंगे शो का हिस्सा

प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा नागिन 7 में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल ह्यूमन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है। वह साल में सिर्फ एक या दो ही फिल्में करती है।

क्या श्रद्धा को सच में मिल रहीं कम फिल्में?

शक्ति कपूर ने यहां इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया। उनके मुताबिक, भले ही श्रद्धा कम फिल्में करती हों, लेकिन आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं। वहीं शक्ति से पूछा गया कि ऐसी खबरें आती हैं कि, श्रद्धा को उतना काम नहीं मिल रहा है तो इस पर वो हंसते हुए कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि, 'क्या सच में उसे काम नहीं मिल रहा है?

मैं कर्जत में खेती करके खुश थी, सोचा लिया था उनकी शक्ल नहीं देखूंगी

एक दशक पहले छोटे पर्दे के चर्चित कॉमिडी शो भाभी जी घर पर हैं ने जिस एक किरदार को सबसे अधिक पॉपुलर बनाया, वो है अंगूरी भाभी का। सही पकड़े हैं जैसे तकिया कलाम से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने इस किरदार में जान डाल दी। दर्शक उनके मुरीद हो गए। लेकिन 2016 में फैंस को तब झटका लगा जब शिल्पा ने भारी विवादों के बीच शो छोड़ने का फैसला कर लिया। तब उनके और शो के मेकर्स के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर भी चला। जाहिर है, ऐसे में किसी ने नहीं सोचा था कि शिल्पा कभी दोबारा अंगूरी भाभी बनकर लौटेंगी। लेकिन वक्त बदला, कड़वाहट कम हुई और अब वह फिर से भाभी जी घर पर हैं 2.0 में लौट आई हैं। शो में अपनी वापसी के बारे में शिल्पा शिंदे कहती हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह शो वापस करूंगी। मैंने तो संतोष कर लिया था कि चलो जिंदगी में जो हुआ, वो हुआ। लेकिन असल में, हमारे शो के जो राइटर हैं मनोज संतोषी जी, यह किरदार उनका बच्चा था। उन्होंने अंगूरी भाभी को जन्म दिया था। वह अक्सर मुझे फोन करते रहते थे। पूछते भी थे कि क्या मैं वापस आऊंगी, मगर मैं टाल जाती थी। शिल्पा ने बताया कि वह मनोज के कारण ही शो में लौटी हैं।

मैं मनोज जी के लिए लौटी हूं

एक्ट्रेस ने आगे बताया, पिछले साल दिसंबर में मनोज संतोषी जी की तबीयत खराब हो गई, तब मैं उनके संपर्क में थी। जो भी संभव हुआ, मैंने किया। उनके साथ हॉस्पिटल में रही। मेरी पूरी कोशिश थी कि मैं मनोज जी को बचाऊं, मगर नहीं बचा पाई। उनका लिवर ट्रांसप्लांट होना था, पर वे नहीं बच पाए। उस दौरान जब शो से जुड़े सब लोग मिले तो एक अलग बॉन्डिंग हो गई। जब मेकर्स ने मुझे पूछा तो मैंने पहले मना ही किया। फिर आसिफ शेख जी ने कहा कि मनोज जी बहुत खुश होंगे तो मैंने उनके लिए और ऑडियंस जिसने हमेशा मुझे प्यार दिया, उनके लिए यह शो किया।

उन इल्जामों में सच्चाई नहीं

शिल्पा ने 2016 में जब शो छोड़ा था, तब मेकर्स ने जहां उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था, वहीं उन्होंने भी मेकर्स पर सेक्सुअल हरैसमेंट के आरोप लगाते हुए स्न्ढ्ढक्रदर्ज करवाई थी। इतनी तल्खी के बाद शो में वापसी को लेकर कोई डर था? इसके जवाब में वह कहती हैं उस वक्त हम दोनों के बीच एक तीसरा व्यक्ति था और जब भी कोई तीसरा घुसता है तो बहुत सारी गलतफहमी क्रिएट होती है और रिश्ता टूट जाता है। हमारे साथ भी वही हुआ था। जहां तक इल्जाम लगाने की बात थी तो मैंने महाभारत के सीख लेते हुए जैसे को तैसा वाली चीज की थी, क्योंकि मुझ पर अनप्रफेशनल होने, शो को खराब करने जैसे इल्जाम लगाए जा रहे थे। मुझे काम करने से रोका जा रहा था। ऐसे में मेरे पास कोई रास्ता नहीं था, लेकिन हकीकत सबको पता है।

मेरा टीवी से मन उठ गया था

शिल्पा शिंदे भाभी जी घर पर हैं से फेमस हुईं। बाद में बिग बॉस 13 की विनर भी बनीं। इसके बावजूद उन्होंने झलक दिखला जा के अलावा कोई और शो नहीं किया। इस बारे में वह बताती हैं, मेरा टीवी से मन उठ गया था। मुझ पर जिस तरह इल्जाम लगाए गए, काम नहीं करने दिया गया तो मेरी सोच भी ऐसी थी कि भाड़ में जाओ। आपकी वजह से मेरी रोजी रोटी नहीं चल रही है। मैंने तो लिखकर रखा था कि बिग बॉस के बाद छह महीने तक जो मेरे साथ काम करने आएंगे, उनकी जिंदगी में शक्ल नहीं देखूंगी (हंसती हैं)। मेरी ये सोच थी कि मुझे इन लोगों के साथ काम नहीं करना है जो बिग बॉस की सफलता के बाद मेरे पास आए। उसके अलावा, जो ऑफर आए वो इतने अच्छे नहीं थे कि उन्हें करने का मन करे।

मैं तो खेती करके खुश थी

बकौल शिल्पा, मैंने तो टीवी इंडस्ट्री को टाटा-बाय बोल दिया है। मैं बहुत अलग दुनिया में जा चुकी हूं। मैं कर्जत में जैसे गांव में रहते हैं, खेती करते हैं, वैसे रहती हूं। मैंने मुंबई लगभग छोड़ दिया है। मैंने पहले लॉकडाउन के दौरान कर्जत में कुछ जमीन ली थी। वहां मैंने अपना बंगला बनाया है। फिर रिवरसाइड पर और जमीन ली, जहां मैं बहुत प्यारा सा विंटेज रिसॉर्ट जैसा बना रही हूं। मैं खुद ही उसकी इंजीनियर, आर्किटेक्ट सब हूं, तो उसमें बिजी रहती हूं। मैं वहां ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रही हूं तो मैं अपनी जिंदगी में काफी संतुष्ट हूं। वरना ये ग्लैमर, पैसा और बाकी चीजों की चाह तो अंतहीन हैं। पैसा जितना भी कमाओ कम पड़ता है लेकिन एक ठहराव जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम के साथ पोट्टी की एआई फोटो साझा करने पर कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोझिकोड, एजेंसी। सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी कांड में आरोपित उन्नीकृष्णन पोट्टी के साथ केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन की एआइ-जनरेटेड तस्वीर साझा करने के आरोप में कांग्रेस के नेता एन. सुब्रमण्यम को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की राज्य इकाई के सदस्य सुब्रमण्यम को पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद पहले हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी की गई। विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि गिरफ्तारी का तरीका एक तानाशाही शासक के आचरण के समान है। केरल को भय के माहौल की ओर धकेला जा रहा है। यह स्टालिन का रूस या इदी अमीन का युगांडा नहीं है। यह लोकतांत्रिक केरल है। माकपा ने दावा किया है कि इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रही तस्वीर एआइ जनरेटेड है। इस दावे पर अपनी प्रतिक्रिया में आरएसपी नेता शिबू बेबी जान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ माकपा के नेताओं को एआइ का कोई ज्ञान नहीं है। ये समस्याएं तब उत्पन्न होती हैं, जब एआइ के बारे में बिल्कुल भी जानकारी न रखने वाले व्यक्ति को पार्टी सचिव नियुक्त कर दिया जाता है। हमें नहीं पता कि वे किस युग में जी रहे हैं। उधर, कर्नाटक भाजपा ने प्रधानमंत्री को निशाना बनाने और अदालत के आदेश के बारे में जनता को गुमराह करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे पर एआइ द्वारा बनाई गई दुर्भावनापूर्ण तस्वीर प्रसारित करके फर्जी खबरें फैलाने का आरोप लगाया है और उनसे बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

मध्य प्रदेश में पिता की बंदूक से खेल रहे बच्चे से गोली चली

मुरैना। मध्य प्रदेश में मुरैना जिले के पोरसा कस्बे में शनिवार रात लाइसेंसी बंदूक से चली गोली ने नौ वर्षीय ऋषभ तोमर की जान ले ली। बंदूक लोकेंद्र तोमर की है। ऋषभ का परिवार उनके मकान में किराये से रहता है। पुलिस के मुताबिक शनिवार रात 8-30 बजे लोकेंद्र तोमर कमरे में सो रहे थे, तभी उनका 11 साल का बालक उनकी 315 बोर की लाइसेंसी बंदूक से खेलने लगा। पास में ऋषभ तोमर भी खेल रहा था। ट्रिगर दबने से गोली चली और ऋषभ को लग गई। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं स्वजन ने कहा कि खेलते समय बच्चे की चूक से फायर हुआ, लेकिन लोडेड बंदूक उसे खेलने को किसने दी, यह जवाब किसी के पास नहीं था।

छत्तीसगढ़ में कोल ब्लॉक के विरोध में ग्रामीणों का आंदोलन हुआ उग्र

रायगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में प्रस्तावित गारे-पेलमा कोल ब्लॉक सेक्टर-एक की जनसुनवाई निरस्त करने की मांग को लेकर पिछले 15 दिनों से जारी ग्रामीणों का आंदोलन शनिवार को हिंसक हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर मौजूद पुलिस व प्रशासन की बस-कार में आग लगा दी। यहां स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि तमनार की महिला थानेदार कमला पुसाम को महिलाओं ने सड़क पर गिरा दिया और पिटाई कर दी। आंदोलन में शामिल कुछ अन्य लोगों ने थानेदार को बचाया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी स्थिति सामान्य है। पुलिस टीम शनिवार को ग्रामीणों को धरना स्थल से उठाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर दल-बल के साथ पहुंची थी। बड़ी संख्या में पुलिस बल देख ग्रामीणों के आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। आंदोलन उग्र होने पर जिला मुख्यालय एवं पड़ोसी जिले से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाना पड़ा। पुलिस ने करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है। रायगढ़ के कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा ग्रामीणों को उकसाया गया, जिससे उन्होंने धरना स्थल पर सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस पर पथराव कर दिया। इससे पुलिसकर्मियों को चोट आई।

कांग्रेस का अरावली बचाओ जन आंदोलन शुरू, अजमेर में जोरदार प्रदर्शन

अजमेर, एजेंसी। केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से अरावली बचाओ अभियान एवं मनरेगा को लेकर कांग्रेसियों ने शनिवार को प्रदेशभर में अरावली बचाओ जनआंदोलनजन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसी क्रम में अजमेर जिले में भी कांग्रेस द्वारा रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया। शनिवार को अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ.राजकुमार जयपाल के नेतृत्व में करीब तीन किलोमीटर पैदल मार्च निकाला गया। यह पैदल मार्च अरावली पर्वतमाला की रक्षा, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ आयोजित किया गया।

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्षद के पति की दिनदहाड़े हत्या, बीच सड़क पर तलवार और कुल्हाड़ियों किए वार; नौ गिरफ्तार

● रायगढ़ जिले में नवनिर्वाचित शिवसेना पार्षद के पति की हत्या कर दी गई

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में नवनिर्वाचित शिवसेना पार्षद के पति की हत्या कर दी गई। इस मामले में एक महिला समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंगेश सदाशिव कालोखे उर्फ अप्पा का शुक्रवार को खोपोली कस्बे में कुछ लोगों ने पीछा कर बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस के अनुसार, 45 वर्षीय कालोखे अपनी बेटियों को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे, तभी विहारी इलाके में उन पर हमला हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि मृतक नवनिर्वाचित पार्षद मानसी कालोखे के पति थे, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से हैं। यह हत्या कालोखे और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच राजनीतिक रंजिश का नतीजा थी। प्रतिद्वंद्वी हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में हार गए थे। पुलिस ने बताया कि रायगढ़ पुलिस ने मुख्य आरोपित रविंद्र देवकर, दर्शन देवकर और छह अन्य लोगों को नागोथाने इलाके से गिरफ्तार किया गया है। हत्या में शामिल अन्य लोगों की तलाश के बीच खोपोली पुलिस ने इस मामले में एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक पुलिस ने कालोखे की हत्या के संबंध में नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। हमारी जांच जारी है। जांच का हवाला देते हुए अधिकारी ने बताया कि दर्शन रविंद्र देवकर ने सचिन चव्हाण और तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर कालोखे का पीछा किया और तलवार, हंसिया और कुल्हाड़ी से उन पर हमला किया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना को अंजाम देने के बाद वे मौके से फरार हो गए और अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए। अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मामले को सुलझाने के लिए पांच टीमें गठित की हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान और भी लोगों की संलिप्तता सामने आई है। तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी की मदद से पुलिस ने नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

डोमिसाइल के बाद अब बंगाल में जन्म व जाति प्रमाणपत्र भी जांच के घेरे में

कोलकाता , एजेंसी।
बंगाल में जारी डोमिसाइल (घोषणा-पत्र) प्रमाणपत्रों के बाद अब चुनाव आयोग की जांच के घेरे में जाति और जन्म प्रमाणपत्र भी आ गए हैं। आयोग ने जाति व जन्म प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया पर निगरानी बढ़ा दी है।

मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने राज्य सरकार से वर्ष 2011 के बाद से रद किए गए ओबीसी प्रमाणपत्रों की सूची तलब करने के साथ ही अब जिला प्रशासनों को एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। आयोग ने विशेष रूप से उन अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और जन्म प्रमाणपत्रों का ब्योरा मांगा है, जो बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के बाद से जारी किए गए हैं। 24 जून से 25 दिसंबर के बीच जारी प्रमाणपत्रों का ब्योरा तलब आयोग ने सभी जिलाधिकारियों को लिखित आदेश दिया है कि इस वर्ष 24 जून से 25 दिसंबर के बीच जारी किए गए सभी दस्तावेजों का डाटा विधानसभा क्षेत्र, माह और तारीख के अनुसार तैयार करके उसे भेजा जाए। आयोग ने इस बात पर विशेष जोर दिया है कि जन्म प्रमाणपत्रों की जांच हाल में जन्मे बच्चों के लिए नहीं, बल्कि उन वयस्कों के लिए है जिन्होंने विलंबित पंजीकरण के माध्यम से प्रमाणपत्र प्राप्त किए हैं। आयोग उन अधिकारियों की सूची भी चाहता है, जिन्होंने इन प्रमाणपत्रों पर हस्ताक्षर किए हैं। अब आयोग यह देखना चाहता है कि बिहार में एसआइआर के बाद बंगाल में प्रमाणपत्रों के लिए मची होड़ के बीच सरकारी नियमों और पारदर्शिता का पूर्णतः पालन किया गया है या नहीं।

उन्नाव दुष्कर्म मामले में कुलदीप सेंगर को मिलेगी राहत

सुप्रीम कोर्ट करेगा हाईकोर्ट का फैसला रद्द

उन्नाव, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित किए जाने के खिलाफ सीबीआइ द्वारा दायर याचिका पर 29 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा।

23 दिसंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे सेंगर की सजा को यह कहते हुए निलंबित कर दिया था कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुके हैं।

हाईकोर्ट के आदेश को सीबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वैसे, पूर्व भाजपा विधायक अभी जेल में ही रहेंगे, क्योंकि दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भी वह 10 साल की सजा काट रहे हैं।

दिसंबर 2019 में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने कुलदीप सिंह सेंगर को नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। 23 दिसंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट ने अपील लंबित रहने तक सजा निलंबित कर दी और कुछ शर्तों (जैसे पीड़िता के घर से 5 किमी दूर रहना, धमकी न देना आदि) के साथ जमानत दी। हालांकि, सेंगर अभी जेल में ही हैं क्योंकि पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के अलग मामले में उन्हें 10 साल की सजा मिली है। सीबीआई के अलावा, कुछ वकीलों और पीड़िता पक्ष की ओर से भी हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई है। पीड़िता ने इस फैसले पर गहरी निराशा जताई है और अपनी सुरक्षा को खतरा बताया है।

बेटा न होने से परेशान मां ने छह वर्षीय बेटी की कर दी हत्या, मराठी न बोल पाने से भी थी नाखुश

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई की एक 30 वर्षीय महिला को अपनी छह वर्षीय बेटी की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि वह बेटी नहीं चाहती थी, इसलिए उसकी हत्या कर दी। पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बेटी की हत्या इसलिए की क्योंकि उसे बेटा चाहिए था। वह इस बात से भी नाखुश थी कि बेटी की बोली स्पष्ट नहीं थी। वह केवल हिंदी बोलती थी, मराठी नहीं। महिला अवसादग्रस्त बताई गई है। कलंबोली पुलिस अधिकारी के अनुसार, महिला ने बीएससी की पढ़ाई की है और अपने आइटी इंजीनियर पति के साथ रहती है। महिला 23 दिसंबर को अपनी बेटी को अस्पताल ले गई और बताया कि तबीयत खराब होने के कारण वह बेहोश हो गई है। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने शक होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। शुरुआत में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया, लेकिन पोस्टमार्टम से पता चला कि बच्ची का गला घोंटा गया था। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय अदालत ने मां को 30 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आगे की जांच जारी है।

हिमंत सरमा ने किया आगाह, बोले- असम को बांग्लादेश में मिलाने की हो सकती है कोशिश

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। शनिवार को भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि राज्य में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 50 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर जाती है तो असम को बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के प्रयास शुरू हो सकते हैं। उन्होंने इस स्थिति को असम की अस्मिता और संस्कृति के लिए एक बड़ा खतरा बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है और यह लगातार बढ़ रही है।

यह जगह इंसानों के रहने लायक नहीं

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भिड़े सिद्दरमैया और विजयन

बेंगलुरु , एजेंसी।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने बेंगलुरु की एक कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के संदर्भ में केरल के सीएम पिनाराई विजयन पर पलटवार किया है। विजयन ने इसे उत्तर भारतीय बुलडोजर न्याय करार दिया था। सिद्दरमैया ने विजयन के बयान को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इसमें वास्तविक स्थिति की समझ की कमी है। कर्नाटक के सीएम ने कहा, ÷बुलडोजर न्याय और अवैध अतिक्रमणों को कानूनी तरीके से हटाने में एक बुनियादी फर्क है। पिनाराई विजयन जो आलोचना कर रहे हैं, वह राजनीति से प्रेरित है और वास्तविक स्थिति की समझ की कमी को दिखाता है।÷

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का बचाव करते हुए उन्होंने ने कहा, ÷यह जगह इंसानों के रहने लायक नहीं है। प्रभावित सभी लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा। बेंगलुरु के येलहंका के पास कोगिलु लेआउट में कचरा निपटान स्थल पर कई लोगों ने अवैध रूप से अस्थायी शेल्टर बना लिए थे। यह जगह इंसानों के रहने लायक नहीं है।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷परिवारों को दूसरी जगह जाने का निर्देश देते हुए कई बार नोटिस जारी करने के बावजूद, निवासियों ने बात नहीं मानी। इन परिस्थितियों में अतिक्रमण हटाना और जगह खाली करवाना जरूरी हो गया था विजयन ने एक फेसबुक पोस्ट में बेंगलुरु में फकीर कॉलोनी और वसीम लेआउट को गिराए जाने की आलोचना की। विजयन ने इस कार्रवाई को बेहद चौंकाने वाला और दर्दनाक बताया और दावा किया कि मुसलमान इन इलाकों में सालों से रह रहे थे और कर्नाटक सरकार पर उत्तर भारतीय बुलडोजर न्याय मॉडल अपनाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार गरीबों के लिए घर देने के बजाय जबरन बेदखली को कैसे सही ठहरा सकती है। इस तोड़फोड़ को अल्पसंख्यक विरोधी आक्रामक राजनीति का उदाहरण बताते हुए केरल के सीएम ने कहा कि कांग्रेस सरकार के तहत ऐसी कार्रवाई देखना हैरानी की बात है।

मेडिकल छात्र की देहरादून में दर्दनाक मौत

नस्लीय टिप्पणी के खिलाफ बोलने पर हुई सरेआम हत्या

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड के देहरादून में नस्लीय टिप्पणी करने पर एक आदिवासी छात्र को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। छात्र का शव त्रिपुरा पहुंचते ही पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है।

पीड़ित का नाम अंजेल चकमा है, जो त्रिपुरा का निवासी था। अंजेल देहरादून के जिज्ञासा विश्वविद्यालय में एमबीए के अंतिम वर्ष का छात्र था। अंजेल पर जानलेवा हमले के बाद वो गंभीर रूप से घायल हो गया था। कई दिनों तक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ने के बाद अंजेल ने दम तोड़ दिया।

दरअसल देहरादून के सेलाक्वी इलाके में 9 दिसंबर को शाम लगभग 6-7 बजे अंजेल अपने छोटे भाई माइकल चकमा के साथ किराने का सामान खरीदने बाहर गया था। इस दौरान शराब के नशे में धुत्त कुछ लोगों ने दोनों भाइयों पर नस्लीय टिप्पणियां कर दीं।

खबरों के अनुसार, हमलावरों ने अपशब्दों के साथ कई अपमानजनक बातें भी की। जब दोनों भाइयों ने इसका विरोध किया, जो हमलावरों ने हिंसा शुरू कर दी। इस दौरान माइकल के सिर पर प्रहार किया गया। वहीं, अंजेला की गर्दन और पेट में चाकू मार दी गई। अंजेला को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

अंजेला के शव को दिल्ली के रास्ते अगरतला ले जाया गया। महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे पर परिवार के सदस्यों समेत कई नेता मौजूद थे। वहां से शव को अंजेला के पैतृक गांव उनाकोटी ले जाया गया। उसके अंतिम संस्कार से पहले घर के बाहर भारी संख्या में लोगों का जमावड़ा लग गया।

केंद्र सरकार से की गई मांग

अंजेला की मौत के बाद परिजनों समेत कई छात्र संगठनों ने केंद्र सरकार से दखल देने की मांग की है। उनका कहना है कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए, साथ ही उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के युवाओं पर होने वाली नस्लीय टिप्पणी की समस्या के समाधान के लिए कठोर कदम उठाए जाएं।

मप्र में साइबर ठगी में उपयोग हुए 800 म्यूल खाते

भोपाल।
साइबर ठगी की राशि जमा करवाने और ट्रांसफर में उपयोग होने वाले म्यूल (किराये के) खातों और खाताधारकों के विरुद्ध मध्य प्रदेश साइबर पुलिस मुख्यालय शिकंजा कसने की तैयारी कर रहा है। पहले चरण में 800 ऐसे खातों को चिह्नित किया गया है, जिनमें किसी भी ठगी की रकम सबसे पहले आई।

सभी जिलों में पुलिस इन खातों और खाताधारकों की कुंडली निकाल रही है। इसमें यह देखा जा रहा है कि खाताधारक की क्या भूमिका है। खाता ठगों को देने या बेचने में उसकी भूमिका है या नहीं। ठगों ने नया खाता खुलवाया या पहले से खोले गए खातों को बेचा या किराये पर दिया गया। बता दें, मध्य प्रदेश में लगभग तीन लाख म्यूल खातों का पता चला है। चरणबद्ध तरीके से सभी की पड़ताल की जाएगी। पुलिस ने इस अभियान का नाम आपरेशन मैट्रिक्स दिया है।

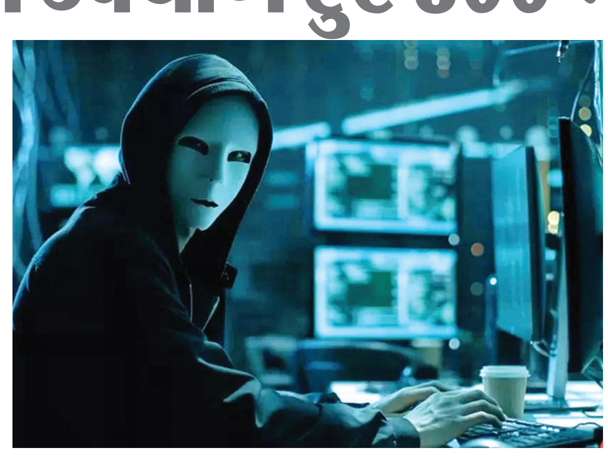

अकेले इस वर्ष अभी तक लगभग 450 करोड़ रुपये की साइबर ठगी मध्य प्रदेश के लोगों से हो चुकी है। इनमें उपयोग किए गए कुछ खाते मध्य प्रदेश में, कुछ दूसरे राज्यों या फिर विदेश में हैं। साइबर पुलिस ने इसके पहले फर्जी सिम बेचने वालों के विरुद्ध आपरेशन फास्ट चलाया था। फर्जी तरीके से सिम बेचने वाले 3824 विक्रेताओं को चिह्नित किया गया था। पूछताछ के बाद 50 एफआइआर दर्ज की गई। इसी अभियान में पता चला था कि फर्जी सिम कार्ड का उपयोग म्यूल खाते खोलने में भी किया जा रहा है। साइबर पुलिस ही नहीं एसटीएफ द्वारा पकड़े गए आर्थिक ठगी के आरोपितों से पूछताछ में भी म्यूल खातों का पता चला था।

यह होता है म्यूल खाता

यह खाता ठगी की राशि रखने के लिए उपयोग किया जाता है। इन्हें फर्जी दस्तावेज के आधार पर खुलवाया जाता है या फिर किसी को गुमराह कर उसके दस्तावेज लेकर ठग खाते खुलवाते हैं। ऐसे मामले भी सामने आए हैं कि खाताधारक ने कुछ रुपयों के लालच में या अज्ञानता के चलते अपना खाता ठगों को उपयोग करने के लिए दे दिया।

नए साल के लिए नोएडा डिपो से उत्तराखंड 4 शहरों के लिए चलेंगी स्पेशल बसें, यहां बुक करें टिकट

नोएडा, एजेंसी। नोएडा बस डिपो से 30 दिसंबर से नए साल के लिए स्पेशल बस सेवा शुरू होगी। इसमें उत्तराखंड के हरिद्वार, देहरादून, कोटद्वार,और हल्द्वानी के लिए अतिरिक्त बस चलाई जाएंगी। अधिकारियों के अनुसार हर साल नया वर्ष मनाने के लिए इन शहरों को बड़ी संख्या में यात्री निकलते हैं। करीब एक हफ्ते तक अतिरिक्त बसों की सुविधा यात्रियों को मिलेगी।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो में 305 बसें हैं। इसमें नोएडा डिपो की 188 बसें शामिल हैं। डिपो की सभी बसें साधारण और सीएनजी से चलने वाली हैं। डिपो से तमाम शहरों के लिए बसे चलती हैं। सभी बसों में ऑनलाइन टिकट बुक करने की सुविधा है डिपो की अपनी वातानुकूलित बसें नहीं हैं। अन्य डिपों की वातानुकूलित बसें नोएडा डिपो होकर निकलती हैं। इसमें आगरा, मथुरा, लखनऊ और गोरखपुर की वातानुकूलित बस शामिल है। पर्वतीय इलाकों में नोएडा डिपो से हरिद्वार, कोटद्वार, हरिद्वार और हल्द्वानी के लिए बस चलती है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि हरिद्वार के लिए चार, कोटद्वार के लिए चार, देहरादून के लिए एक और हल्द्वानी के लिए एक बस चलाई जा रही है। 30 दिसंबर से प्रत्येक शहर के लिए 2 से 3 अतिरिक्त बसें चलेंगी।

लौरा ने महिला टी-20 की फास्टेस्ट फिफ्टी की बराबरी की: सुपर स्मैश में 15 गेंद में 50 रन पूरे किए

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में चल रही महिला सुपर स्मैश में ऑस्ट्रेलिया की विस्फोटक बल्लेबाज लौरा हैरिस ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर महिला टी-20 क्रिकेट के सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की वारविकशर खिलाड़ी मैरी केली के नाम था। रविवार को एलेक्जेंड्रा के मोलिन्यू पार्क में खेले गए

मुकाबले में ओटागो को जीत के लिए 146 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 6 ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में लौरा हैरिस क्रीज पर उतरीं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल दिया। हैरिस ने महज17 गेंदों में 52 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ओटागो ने लक्ष्य को 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया। हैरिस गैबी सुलिवन की गेंद पर डीप में कैच आउट हुईं, लेकिन तब तक जीत लगभग तय हो चुकी थी। लौरा हैरिस ने अपने टी-20 करियर में अब तक 6 बार 20 गेंदों से कम में अर्धशतक पूरे किए हैं। इनमें एक 15 गेंदों में, एक 17 गेंदों में, तीन 18 गेंदों में और एक 19 गेंदों में आई फिफ्टी शामिल है। महिला क्रिकेट में किसी अन्य बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है। इस साल की शुरुआत में हैरिस ने इंग्लैंड में वारविकशायर की ओर से खेलते हुए 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

हार मिली तो फिर से गंदी हरकत, नंबर-1 प्लेयर ने दिया कैमरामैन को धक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। शतरंज की दुनिया के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार अपनी चालों के लिए नहीं बल्कि अपने गुस्से के लिए। स्रद्धष्ठश्च वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप 2025 के दौरान कार्लसन का आपा खोना चर्चा का विषय बना हुआ है।

हार की निराशा और कैमरे पर निकला गुस्सा

शनिवार को प्रतियोगिता के दूसरे दिन मैग्नस कार्लसन का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। जब वे रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिव से हार गए, तो उनकी निराशा गुस्से में बदल गई। खेल हॉल से बाहर निकलते समय उनके सामने एक कैमरा आ गया, जिसे कार्लसन ने झटके से धक्का देकर हटा दिया और वहां से चले गए। चेस बेस इंडिया द्वारा साझा किया गया यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पांच बार के विश्व चैंपियन का यह व्यवहार खेल प्रेमियों को हैरान कर रहा है।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप:

सूर्या और तन्वी के बीच होगा महिला एकल का खिताबी मैच, पुरुषों में संजीवी-राघव फाइनल में

विजयवाड़ा, एजेंसी। राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल का फाइनल 19 वर्षीय सूर्या करिश्मा तमिरी और 14 वर्षीय तन्वी पात्री के बीच होगा। तन्वी ने सेमीफाइनल में श्रुति मूंदड़ा को 18-21, 21-12, 21-15 से मात दी। पहला गेम हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। सूर्या ने रक्षिता श्री को 21-18, 18-21, 21-9 से हराया। पहला गेम हारने के बाद रक्षिता ने दबाव बनाया और दूसरे गेम में बराबरी की। विजयवाड़ा की सूर्या ने हालांकि तीसरा गेम 21-9 से जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। सूर्या ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा को हराकर उलटफेर किया था। पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक संजीवी का मुकाबला राघव से होगा। ऋत्विक ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय किरण जॉर्ज को 21-16, 17-21, 22-20 से हराया। राघव ने तरुण मानेपल्ली को 21-17, 11-21, 21-11 से मात दी।

महज 14 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी बने कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के उभरते क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी ने महज 14 साल की उम्र में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। युवा बल्लेबाज को भारत की अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है और वह इस सीरीज में भारतीय टीम की अगुआई करते नजर आएंगे। आईपीएल से लेकर इंटरनेशनल यूथ क्रिकेट तक, वैभव की तेजी से बढ़ती सफलता ने सभी का ध्यान खींचा है।

सबसे कम उम्र में शतक

अप्रैल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल डेब्यू करने वाले वैभव पहले ही टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। अब दक्षिण अफ्रीका में होने वाली तीन मैचों की सीरीज के लिए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा पड़ाव माना जा रहा है।

रिकॉर्ड तोड़ते प्रदर्शन

वैभव ने अगले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और 11 छक्के शामिल थे। इस प्रदर्शन के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 190 रन बनाकर सबसे कम उम्र में शतक लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया।

आंकड़े और करियर

वैभव ने सिर्फ 23 महीने के सीनियर क्रिकेट करियर में खुद को साबित कर दिया है। 50 ओवर के मैचों में औसतः 46, स्ट्राइक रेटः 157.83, टी20 में औसतः 41.23, स्ट्राइक रेटः 204.37, टी20 में तीन शतक और सबसे अधिक 144 रन। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि 14 साल की उम्र में भी वह कितने बेखौफ और खतरनाक बल्लेबाज हैं।

भारत की अंडर-19 टीम (साउथ अफ्रीका दौरा)

वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), एरन जॉर्ज (उपकप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अम्बरीश, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, डी. दीपेश, किशन कुमार सिंह, उधव मोहन, युवराज गोहिल, राहुल कुमार।

कप्तानी और भविष्य

अब वैभव सूर्यवंशी को भारत की अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है। इस सीरीज का उद्देश्य जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 50 ओवर वर्ल्ड कप से पहले आखिरी ड्रेस रिहर्सल है। युवा खिलाड़ी के लिए यह एक असली इम्तिहान साबित होगा।

कबड्डी:

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की मिली सजा

पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी पर लगा प्रतिबंध

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत के एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने कड़ा ऐतराज जताया और उन पर कड़ी कार्रवाई की है। पाकिस्तान के एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत को एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने की सजा मिली है।

उबैदुल्लाह पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने आपातकालीन बैठक बुलाई और उबैदुल्लाह पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

बिना एनओसी लिए खेलने के पाए गए दोषी

उबैदुल्लाह पर महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया। पीकेएफ के सचिव राणा सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह को अनुशासनात्मक समिति के समक्ष अपील करने का अधिकार है। सरवर ने कहा कि महासंघ ने इस तथ्य पर गंभीरता से ध्यान दिया कि राजपूत न केवल बिना एनओसी के विदेश यात्रा पर

गए, बल्कि उन्होंने भारत की एक टीम का प्रतिनिधित्व किया, उसकी जर्सी पहनी और एक अवसर पर मैच जीतने के बाद भारतीय ध्वज को अपने कंधों पर लपेटा।

सरवर ने कहा कि उबैदुल्लाह ने दावा किया है कि यह पूरी तरह से गलतफहमी थी और उन्हें यह नहीं बताया गया था कि इस निजी टूर्नामेंट में वह जिस टीम के लिए खेलेंगे वह भारतीय टीम होगी। लेकिन फिर भी वह एनओसी नियमों का उल्लंघन करने के दोषी हैं। जीसीसी कप के दौरान भारतीय जर्सी पहने और भारतीय ध्वज लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी जिसके बाद वह मुश्किल में फंस गए।

उबैदुल्लाह ने मांगी थी माफी

सरवर ने कहा कि अन्य खिलाड़ियों पर भी एनओसी लिए बिना इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिबंध और जुर्माना लगाया गया है। उबैदुल्लाह ने इससे पहले माफी मांगते हुए कहा था कि उन्हें बहरीन में खेली गई प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था और वह एक निजी टीम का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था। मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल न करें। अतीत में निजी प्रतियोगिताओं में भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी एक साथ निजी टीम के लिए खेले हैं, लेकिन उन टीमों के नाम भारत या पाकिस्तान की टीम नहीं था। मुझे गलत जानकारी दी गई थी।

गौतम गंभीर से छिनेगी कुर्सी!

BCCI ने टेस्ट में इस दिग्गज को दिया कोचिंग का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम गंभीर जुलाई, 2024 में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बने थे. उनकी कोचिंग में भारत का टी20 और वनडे में प्रदर्शन शानदार रहा है. टीम ने न्यूजीलैंड को फाइनल में हराकर चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता तो वहीं टी20 में एशिया कप जीता. लेकिन टेस्ट में टीम संघर्ष करती हुई दिखी है. आखिरी सीरीज में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर पर 0-2 से टेस्ट सीरीज गंवाई. इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बीसीसीआई में शीर्ष पदस्थ किसी शख्स ने इनफॉर्मल तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से टेस्ट टीम के कोच बनने के बारे में पूछा था.

गौतम गंभीर की कोचिंग में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में भी टेस्ट सीरीज हारी थी, जिसके बाद भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का सपना टूट गया था. इस चक्र (2025-27) में भी भारत की स्थिति अच्छी नहीं है, टीम ने 9 में से 4 मैच ही जीते हैं और इतने ही हारे हैं. टीम छठे नंबर पर है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई में अभी इस बात पर चर्चा है कि फिलहाल गंभीर ही टेस्ट टीम के कोच बने रहने के लिए सही व्यक्ति हैं.

अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया जा पा रहा है कि क्या वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र के अगले 9 मैचों में किसी और को कोच बनाया जाए या गंभीर को ही इस पद पर बने रहना दिया जाए.

लक्ष्मण को मिला था टेस्ट टीम के कोच बनने का ऑफर?

एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद बीसीसीआई में एक शीर्ष पद पर बैठे शख्स ने इनफॉर्मल तौर पीएसई वीवीएस लक्ष्मण से पूछा था, कि क्या वह टेस्ट टीम का कोच बनना चाहेंगे. पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ क्रिकेट हैं. खबर के अनुसार वह अभी इसी पद पर बने रहना चाहते हैं. गौतम गंभीर का बीसीसीआई के साथ 2027 वर्ल्ड कप तक का कॉन्ट्रैक्ट है. लेकिन खबर है कि इस पर विचार किया जा सकता है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा.

नोदिरबेक से हारे गुकेश, कार्लसन से आधा अंक पीछे

दोहा, एजेंसी। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के नौ दौर पूरे हो चुके हैं। भारत के डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप के दूसरे दिन चार राउंड खेले गए, नौ राउंड पूरे होने के बाद क्लासिकल विश्व

चैंपियन डी गुकेश और भारत के नंबर-1 अर्जुन एरिगेसी फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं। गुकेश और एरिगेसी 6.5 अंकों के साथ 12 अन्य खिलाड़ियों समेत संयुक्त सातवें स्थान पर हैं।

शीर्ष पर रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव और अमेरिका के हंस नीमैन 7.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। आर्टेमिएव ने विश्व नंबर-1 और पांच बार के रैपिड चैंपियन मैग्नस कार्लसन (7 अंक) को हराकर बड़ा उलटफेर किया। कार्लसन अब चार अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गए। आर्टेमिएव ने दिन के पहले राउंड में एरिगेसी को भी मात दी थी। गुकेश ने छठे राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरी और सातवें में एलेक्सेय साराना से से ड्रॉ लिया। फिर आठवें में स्पेन के डेविड एंटोन को मात दी, लेकिन नौवें राउंड में उज्बेकिस्तान के पूर्व चैंपियन नोदिरवेक अब्दुसत्तोरोव से हार गए और फिसल गए।

विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए आयरलैंड की टीम घोषित

डबलिन, एजेंसी। क्रिकेट आयरलैंड ने आईसीसी महिला टी 20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। गैबी लुईस को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि ओर्ला प्रेंडरगास्ट उप-कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट अगले साल 18 जनवरी से 1 फरवरी तक नेपाल के काठमांडू में खेला जाएगा। हाई परफॉर्मेंस के डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने कहा, हाल ही में साउथ अफ्रीकी दौरा यह दिखाता है कि इंटरनेशनल क्रिकेट कितना मुश्किल हो सकता है, लेकिन इस दौरे ने यह भी बताया कि हमारी टीम कैसे अनुभव से सीखकर खुद को ढाल सकती है और आगे बढ़ सकती है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज कौशल को निखारने और सुधार के लिए जरूरी क्षेत्रों की पहचान करने

का एक मौका था। क्वालीफायर में टीम को उस अनुभव को मैदान पर अमल में लाना होगा। उन्होंने कहा, नेपाल का विकेट पारंपरिक रूप से धीमी गति के होते हैं, इसलिए हम टीम में तीन फ्रंटलाइन स्पिनर्स को ले रहे हैं। उम्मीद है कि वे इन परिस्थितियों में अहम भूमिका निभाएंगे। कोई भी खिलाड़ी गंभीर रूप से चोटिल नहीं है। उम्मीद है कि एमी हंटर हल्की चोट से पूरी तरह ठीक हो जाएंगी, जिसकी वजह से वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे से बाहर थीं। हम कोच और टीम को शुभकामनाएं देते हैं। उम्मीद करते हैं कि क्वालीफाइंग अभियान सफल होगा और जून 2026 में आयरलैंड एक बड़े इवेंट में फिर से हिस्सा लेगा। आयरिश टीम 6 जनवरी 2026 को दुबई में 6 दिवसीय कैंप में हिस्सा लेने के लिए रवाना होगी, जिसके बाद 12 जनवरी को नेपाल जाएगी। आयरलैंड की टीम नेपाल और जिम्बाब्वे के खिलाफ दो आधिकारिक वार्म-अप मैच खेलेगी। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड, नामीबिया, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी, स्कॉटलैंड, थाईलैंड, यूएसए और जिम्बाब्वे की टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं।

इन टीमों को पांच-पांच के दो ग्रुप में बांटा गया है। आयरलैंड को ग्रुप ए में रखा गया है।

टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए आयरलैंड की टीम: गैबी लुईस (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कोल्टर रीली, अलाना डेलजेल, लौरा डेलानी, सारा फॉर्ब्स, एमी हंटर, अर्लीन केली, एमी मैगुइरे, जेन मैगुइरे, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लेह पॉल, ओर्ला प्रेंडरगास्ट, रेबेका स्टोकवेल।

श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तानी टीम का ऐलान, बाबर-शाहीन बाहर, इस स्टार ऑलराउंडर की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तानी टीम को श्रीलंका का दौरा करना है, जहां वो मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भाग लेगी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टी20 सीरीज में पाकिस्तानी टीम की कप्तानी सलमान अली आगा करेंगे. सीरीज के तीनों मैच दांबुला में 7, 9 और 11 जनवरी को खेले जाने हैं. इस सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम में ऑलराउंडर शादाब खान की वापसी हुई है. 27 वर्षीय शादाब ने इस साल कंधे की सर्जरी कराई थी. नेशनल क्रिकेट एकेडमी में सफल रिहैब के बाद वह पूरी तरह फिट हो चुके हैं. शादाब फिलहाल सिडनी थंडर के लिए बिग बैश लीग में खेल रहे हैं. पीसीबी ने शादाब पर भरोसा जताते हुए उन्हें सीधे टीम में शामिल किया है. यह सीरीज पाकिस्तान को टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ आजमाने और नए कॉम्बिनेशन को परखने का मौका देगी. इस सीरीज के लिए बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और हारिस रऊफ को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है. तीनों खिलाड़ी इस समय ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेल रहे हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इस लीग में व्यस्तता के कारण उन्हें चयन से बाहर रखा गया है. हालांकि, इसी लीग में खेल रहे शादाब खान की तो टीम में वापसी हो गई. बाबर आजम का फॉर्म लगातार चिंता का विषय बना

हुआ है. बीबीएल में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए बाबर ने 4 मैचों में 110.1 के स्ट्राइक रेट सिर्फ 71 रन बनाए हैं. बाबर को एशिया कप टीम से भी बाहर रहा गया था, हालांकि बाद में उनकी साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 मैचों और ट्राई सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई. इस साल टी20 इंटरनेशनल में बाबर का प्रदर्शन साधारण रहा, जहां उन्होंने 8 मैचों में 114.44 की स्ट्राइक-रेट से 206 रन बनाए. तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी इस समय ब्रिस्बेन हीट की ओर से बिग बैश लीग में खेल रहे हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है. अब तक वह सिर्फ 2 विकेट ही ले पाए हैं, जबकि उनका गेंदबाजी औसत और इकोनॉमी रेट काफी खराब रहा है. टी20 टीम में पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान को एक बार फिर जगह नहीं मिली है. रिजवान को टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड से भी बाहर रखा जा सकता है.

टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम:

सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सैम अयूब, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) और उस्मान तारिक.

न्यूज बाइट्स

बड़ा मधुमक्खी काटने से एक बृद्ध की मौत

जामा (दुमका)(नि. सं.)। जामा थाना क्षेत्र के सिमरा पंचायत के भोड़ाबदार गांव निवासी दिव्यांग रामकृष्ण राय उम्र 59 वर्ष की मौत बड़ा मधुमक्खी के काटने से रविवार अगले सुबह हो गई। मिली जानकारी के अनुसार वह अपने बहन के घर जरमुंडी प्रखंड अंतर्गत सड़मरा बसबुटिया गांव तीन दिन पहले गया था कल दोपहर घर के बाहर टहल रहा था इस दौरान बड़ा मधुमक्खी का झुंड इस पर हमला कर दिया जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गयें। परिजनों ने उन्हें आनन फानन में उठाकर दुमका मेडिकल कॉलेज ले गया जहाँ इलाज के दौरान रामकृष्ण की मौत हो गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में शौक लहर है। वहीं इंटर स्टेट माइग्रेन मजदूर यूनियन का प्रभारी अनिल टुडू बताया कि पास के नदी में उनका अंतिम संस्कार किया गया उन्होंने परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान किया है, जिनके नेतृत्व में कॉलेज ने कई शैक्षणिक और प्रशासनिक उपलब्धियां हासिल की हैं।

तेज रफ्तार कार ने 7 वर्षीय बालिका को कुचला, चालक फरार

रानेश्वर (दुमका) (नि. सं.)। बरमसिया–रघुनाथपुर मुख्य पथ पर मुर्गाबनी गांव के समीप रविवार दोपहर बाद तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से सात वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया, जिससे इलाके में आक्रोश का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार आल्टो कार रघुनाथपुर की ओर से तेज गति से आ रही थी। इसी दौरान मुर्गाबनी गांव निवासी सात वर्षीय रुपाली देहरी सड़क किनारे खड़ी थी। अचानक तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार ठोकर मार दी, जिससे बालिका सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक ने वाहन रोकने के बजाय मौके से भागने में ही भलाई समझी। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और सड़क किनारे लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से कार की पहचान करने का प्रयास किया। सीसीटीवी फुटेज में आल्टो कार का नंबर आंशिक रूप से 6414 दिखाई दिया है। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी है। घायल बालिका को परिजन और ग्रामीणों की मदद से पहले पश्चिम बंगाल के सिउड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए वर्द्धमान रेफर कर दिया। फिलहाल बालिका का इलाज वर्द्धमान में चल रहा है और उसकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। इधर घटना के बाद मुर्गाबनी गांव सहित आसपास के क्षेत्र में लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने पुलिस से फरार चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस प्रशासन और पत्रकार एकादश के बीच हुआ फ्रेंडली क्रिकेट मैच।

शिकारीपाड़ा (दुमका) (नि. सं.)। कारीपाड़ा पुलिस प्रशासन तथा शिकारीपाड़ा मीडिया एकादश के बीच आज शिकारीपाड़ा गणेशपुर के मैदान में एक फ्रेंडली क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। पहले टॉस जीतकर पुलिस एकादश के कप्तान अमित कुमार लकड़ा ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और टीम ने सामूहिक प्रयास से 14 ओवरों में 109 रन ठोकें। शिकारीपाड़ा थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा का इसमें महत्वपूर्ण 30 रन बनाए। वहीं जवाब में उतरी मीडिया एकादश की टीम 10 विकेट पर 14 ओवरों में मात्र 111 रन बना विजयी हुई। मीडिया एकादश के उपकप्तान सद्दाम हुसैन ने बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए 27 रन बनाए जबकि उत्कृष्ट गेंदबाजी भी की। साथ ही साथ शेर खान 31 रन एवं धीमा 25 रनों का अहम योगदान दिया टिम को मैच जीताने में। वहीं कृष्ण सिंह ने मैच के अंतिम गेंद पर 6 लगाकर मैच जीताया। हालांकि 30 रन तथा चार विकेट प्राप्त करने पर पुलिस एकादश के कप्तान थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा मैन ऑफ द मैच बने। मीडिया एकादश की ओर से पत्रकार (कप्तान) भानु प्रताप सिंह, उपकप्तान सद्दाम हुसैन, मोहम्मद हारुन मियां, ललित पाल ने भाग लिया जबकि मौके पर मौजूद अन्य पत्रकारों अब्दुल अंसारी, जुम्मन अंसारी, राजा अंसारी आदि ने हौसला अफजाई की। मैच के व्यवस्थापक के रूप में स्थानीय ग्रामीण कादिर मियां का योगदान सराहनीय रहा।

मिलन समारोह में कुशवाहा समाज के अधिकार और विकास पर हुई चर्चा

दुमका (नि. सं.)। सेल्फी ब्रिज के समीप रविवार को झारखंड कुशवाहा महासभा, जिला दुमका द्वारा 'मिलन समारोह सह वनभोज' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज की एकजुटता और भविष्य की दशा-दिशा पर मंथन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि झारखंड कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हाकिम प्रसाद महतो, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य नरेश वर्मा, प्रशिक्षण प्रमुख संजय शाण, रविंद्र प्र. वर्मा, प्रमंडलीय संयोजक अजीत कुमार मांझी और असीम मंडल सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और तथागत बुद्ध के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। मुख्य अतिथि हाकिम प्रसाद महतो ने सभा को संबोधित करते हुए समाज की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने विशेष रूप से संथाल परगना में 'शून्य आरक्षण' को पुनः बहाल करने, कृषि को उद्योग का दर्जा देने और ओबीसी छात्रों के लिए छात्रावास निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने समाज से सामाजिक कुरीतियों को त्यागने का संकल्प भी दिलाया। राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य नरेश वर्मा ने कहा कि पिछड़े समाज को अपना मान-सम्मान और हक सुरक्षित रखने के लिए निरंतर संघर्ष करना होगा। वहीं, अन्य वक्ताओं जिनमें बोकारो जिला अध्यक्ष सुनील कुमार महतो, डॉ. राकेश रंजन, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष असीम मंडल और आजसू नेता सचिन कुशवाहा शामिल थे, ने भी समाज के चौमुखी विकास पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद कुमार मंडल ने की, जबकि मंच संचालन मोहन मंडल द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में सुधाकर मंडल, फूल कुमारी, अरुण पंजीयारा, भुनेश्वर कापरी, नवनीत शेखर, अधिवक्ता धीरेंद्र मांझी, राजेंद्र मांझी, महादेव महतो, और मुकेश कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संताल समाज के स्वाभिमान का ऐतिहासिक क्षण, दुमका के गांव-गांव में मना उत्सव

- दुमका जिले के कई गांवों में मांझी थान पर पूजा-अर्चना, ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य-गीत और मिठाई वितरण किया गया।
- ओलचिकी लिपि में संविधान से आदिवासी समाज में संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों की समझ और अधिक मजबूत होगी।

निज संवाददाता | दुमका

भारत के संविधान को अब संताल आदिवासियों की मातृभाषा संताली और ओलचिकी लिपि में पढ़ा जा सकेगा। 25 दिसंबर 2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा संताली (ओलचिकी) संविधान का विमोचन किया गया। इस ऐतिहासिक पहल से संताल समाज में अपार हर्ष और गर्व की लहर दौड़ गई है। दुमका जिले के ग्रामीण इलाकों में पूजा-अर्चना, प्रसाद वितरण और पारंपरिक नृत्य-गीतों के साथ लोगों ने इस उपलब्धि का स्वागत किया। दुमका के धतिकबोना, नवाडीह, रामखरी, लेटो, धानकुनिया, रांगा, ठेकाहा, तितरीडंगाल सहित कई गांवों में संताल समाज ने अपने पवित्र स्थल मांझी थान पर विशेष पूजा की। ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य हुआ और मिठाइयों का वितरण कर राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया गया। ग्रामीणों ने इसे "संताल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय" बताते हुए कहा कि अब संविधान के अधिकारों और कर्तव्यों को अपनी भाषा में समझना कहीं अधिक सहज होगा।

संताली भाषा में संविधानः जागरूकता और सशक्तिकरण का नया द्वार

ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में बसे करोड़ों संताल आदिवासियों के लिए ओलचिकी लिपि में संविधान एक मील का पत्थर है। इससे संवैधानिक मूल्यों, अनुच्छेदों और अधिकारों की समझ गहरी होगी, जो आदिवासी समाज के सशक्तिकरण को नई दिशा देगी। उल्लेखनीय है कि संताली भाषा भारत की प्राचीन जीवित भाषाओं में से एक को वर्ष 2003 में 92वें संविधान संशोधन के तहत आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। यह भाषा भारत के साथ-साथ नेपाल और बांग्लादेश में भी बोली जाती है, जो इसके वैश्विक सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती है।

सामाजिक संगठनों का स्वागतः पहचान के संरक्षण का प्रतीक

परसी अरीचली अखाड़ा, सरी धर्म अखाड़ा, दिसोम मरांग बुरु युग जाहेर अखाड़ा और दिसोम मरांग बुरु संताली अरिचली आर लेग्चर अखाड़ा सहित कई संगठनों ने इस पहल का जोरदार स्वागत किया। संगठनों का कहना है कि यह केवल पुस्तक का विमोचन नहीं, बल्कि संताल समाज की पहचान, सम्मान और भविष्य का संरक्षण है।

उत्साह से भरी सहभागिता

उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से मकलु मुर्मू, सरकनी मुर्मू, सुनील टुडू, सोहराय टुडू, सुरजमुनि किस्कू, मिस्त्री मरांडी, रुपेश सोरेन, अंबिका मुर्मू, प्रकाश मरांडी, गोविंद किस्कू, रविंदर मुर्मू, अविलास टुडू, लुखिन हेम्ब्रोम, पूर्णिमा मुर्मू, पान्मुनी सोरेन, सिकंदर हांसदा, मनिलाल मुर्मू, महेश चंद्र मुर्मू, मारशील हांसदा, राकेश सोरेन, अभिनंदन मुर्मू, चुनु हांसदा, प्रतिभा हेम्ब्रम, प्रियंका हांसदा, सरिता हांसदा, बिकास मुर्मू, विमल टुडू, प्रेमशीला हांसदा, मैनेजर मुर्मू, बसंती टुडू, सोम किस्कू, चिता हेम्ब्रम, झोमल मरांडी, मुनि मुर्मू, निशा मरांडी, मुनु सोरेन, नयन तारा हेम्ब्रम, सिमा हेम्ब्रम, शर्मिला सोरेन, प्रीति मुर्मू और रोशनी मरांडी शामिल रहीं।

भारतीय जनसंघ को सशक्त आधार प्रदान करने में अटल जी की भूमिका ऐतिहासिक : पूर्व सांसद

निज संवाददाता | दुमका

भारतीय जनता पार्टी दुमका विधानसभा स्तरीय अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन रविवार को अग्रसेन भवन, दुमका में जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बिट्टू की अध्यक्षता में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में झारखंड भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में तथा दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता अभयकांत प्रसाद ने भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय जनसंघ को सशक्त आधार देने में अटल जी की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने 1957 में बलरामपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा में प्रवेश कर अपनी ओजस्वी वाणी, राष्ट्रनिष्ठा और दूरदर्शी विचारों से पूरे सदन को प्रभावित किया। उनके प्रभावशाली भाषण से तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि यह युवक एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनेगा। अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन का प्रेरक उदाहरण है।

पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल सत्ता की राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सर्वोपरि मानती है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जहां हर कार्यकर्ता राष्ट्रनिर्माण का सिपाही है। अटल जी की विचारधारा ही भाजपा की आत्मा है, जिसमें सबसे पहले देश, फिर समाज और अंत में स्वयं का भाव निहित है। सम्मेलन में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, अमरेंद्र सिंह, बिपिन अग्रवाल, मनोज साह, मनोज सिंह पहाड़िया, विवेकानंद राय, धर्मेंद्र सिंह, मृणाल मिश्रा, दीपक स्वर्णकार, अनुज आर्या, पिंटू साह, नवल किस्कू, मनीष कुमार, गणपति पाल, सहदेव मरांडी, नंदकिशोर मंडल, किशोरेंद्र दास, अजय गुप्ता, पंकज वर्मा, राजेश वर्मा, दीप्तांशु कोचगवे, गोविंद दान, बिमान सिंह, ओम केसरी, शशांक शेखर भुई, टिंकू गण, श्रीधर दास, दिनेश सिंह, रामवतार भालोठिया, संतोष साह, गायत्री जायसवाल, रानी सिंह, दीपाली मंडल, हराधन मंडल, इंदु भंडारी, राजेश दत्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

दिसोम सोहराय पर्व की तैयारियों को लेकर बैठक चार जनवरी को दुमका में होगा भव्य आयोजन

निज संवाददाता | दुमका

दिसोम मांझी थान, दुमका परिसर में रविवार को दिसोम सोहराय पर्व की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीनीलाल टुडू दिसोम मांझी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पारंपरिक और सांस्कृतिक महत्व से जुड़े दिसोम सोहराय पर्व का आयोजन आगामी 4 जनवरी 2026, रविवार को पूरे हर्षोल्लास, गरिमा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा। बैठक के दौरान पर्व के आयोजन से जुड़ी तैयारियों, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, अतिथियों के स्वागत, पूजा-पाठ, प्रसाद वितरण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुचारू संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए गए। आयोजन को सफल और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न संचालन समितियों के गठन पर भी सहमति बनी। बैठक में बताया गया कि इस पावन अवसर पर विधायक बसंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं झारखंड अधिवक्ता परिषद, रांची के अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा, दुमका के अध्यक्ष शिवकुमार बास्की विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाएंगे। अतिथियों की उपस्थिति से आयोजन को विशेष महत्व मिलने की बात कही गई।

कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा भी बैठक में तय की गई। इसके अनुसार सुबह 07:00 बजे पारंपरिक विधि-विधान के साथ गॉड पूजा की जाएगी। दोपहर 12:00 बजे अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 01:00 बजे प्रसाद वितरण होगा। दोपहर 02:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक पारंपरिक सोहराय नृत्य, लोकगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न गांवों के कलाकार भाग लेंगे। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि दिसोम सोहराय पर्व संताल समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस आयोजन के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक एकता से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

दुमका में पर्पल फेयर बना आत्मनिर्भरता का मंच, दिव्यांगों की कला ने जीता दिल

निज संवाददाता | दुमका

जिले में रविवार को एक ऐसा आयोजन हुआ, जिसने न केवल दिव्यांगजनों की छिपी हुई प्रतिभाओं को रोशनी में लाया, बल्कि समाज को समावेशिता का सच्चा संदेश भी दिया। भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से, समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सी.आर.सी.), रांची और जिला प्रशासन दुमका के संयुक्त प्रयासों से तीसरा जिला स्तरीय पर्पल फेयर कन्वेंशन सेंटर में धूमधाम से संपन्न हुआ। यह फेयर दिव्यांगों की क्षमताओं को उजागर करने का एक जीवंत मंच साबित हुआ, जहां हर नजर उनकी आत्मनिर्भरता और रचनात्मकता पर ठहर गई। कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन से हुआ। इनमें शामिल थे माननीय सांसद नलिन सोरेन विधायक आलोक कुमार सोरेन विधायक देवेन्द्र कुंवर, राज्य निःशक्तता आयुक्त अभयनंदन अंबष्ट, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान और जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी। अतिथियों ने दिव्यांगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की तारीफ की और भविष्य में ऐसे समावेशी कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का वादा किया। सांसद नलिन सोरेन ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा, "पर्पल फेयर जैसे आयोजन दिव्यांगों की प्रतिभा को नई उड़ान देते हैं।

वे किसी से कम नहीं, बस उन्हें सही मंच और अवसर चाहिए।" उन्होंने राज्य स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, विधायक आलोक कुमार सोरेन, देवेन्द्र कुंवर और राज्य निःशक्तता आयुक्त अभयनंदन अंबष्ट ने जोर दिया कि दिव्यांगों के अधिकार, सुलभता और मुख्यधारा में एकीकरण राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इन आयोजनों से समाज में दिव्यांगता को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है। फेयर में 500 से ज्यादा दर्शकों ने शिरकत की, जिनमें दिव्यांगजन, उनके परिवारजन, स्कूली बच्चे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के सदस्य और जिला अधिकारी शामिल थे। 50 से अधिक दिव्यांग कलाकारों ने नृत्य, संगीत और कविता पाठ के माध्यम से मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा, दिव्यांगों द्वारा बनाई गई हस्तशिल्प और कलाकृतियों की प्रदर्शनी ने सभी को आकर्षित किया, जो उनकी रचनात्मकता की जीती-जागती मिसाल बनी। रोजगार, शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास की जानकारी के लिए 8 स्टॉल लगाए गए, जहां सरकारी-गैर सरकारी संस्थाओं ने उपयोगी सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने 10 दिव्यांगों और वृद्ध लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए। साथ ही, एडिप और वयोश्री योजना के तहत कई लोगों का आकलन भी किया गया, जिससे उन्हें तत्काल लाभ मिला।

सी.आर.सी., रांची के निदेशक सूर्य मणि प्रसाद ने बताया कि पूरा आयोजन दिव्यांग-अनुकूल था। रैम्प, बाधारहित शौचालय और अन्य सुविधाओं से सभी बिना किसी परेशानी के शामिल हो सके। उन्होंने कहा, "हम दिव्यांगों के कौशल विकास और स्वावलंबन के लिए कटिबद्ध हैं।" कार्यक्रम का समापन **मुकेश कुमार, सहायक प्राध्यापक (श्रवण एवं वाक्), सी.आर.सी., रांची के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। यह पर्पल फेयर एक बार फिर साबित करता है कि समावेशिता और संवेदनशीलता से दिव्यांगजन समाज को नई ऊर्जा दे सकते हैं। ऐसे आयोजन न केवल प्रेरणा देते हैं, बल्कि एक समान समाज की नींव रखते हैं।

रामगढ़ में धूमधाम से मनाया गया कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस

निज संवाददाता | रामगढ़(दुमका)

रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत छोटी रन बहियार पंचायत में कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस का आयोजन जोर-शोर से किया गया। पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर राय के नेतृत्व में हुए इस समारोह ने न केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित किया, बल्कि ग्रामीणों के दिलों को भी छू लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक झंडोतोलन से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, ग्रामीण और सम्मानित अतिथि शामिल हुए।

समारोह के मुख्य आकर्षण में पार्टी के वरिष्ठ एवं वृद्ध सदस्यों को सम्मानित करना रहा। इसके अलावा, गांव की वृद्ध विधवाओं और असहाय लोगों को कांग्रेस की ओर से कंबल वितरित किए गए, जो सामाजिक सेवा की मिसाल बने। इस अवसर पर पार्टी महासचिव राजीव जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा, "कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है। यह विचारधारा 140 वर्षों से देश की सेवा में लगी हुई है। तमाम मुश्किलों, संघर्षों और उतार-चढ़ाव के बावजूद, आज यह भारतीय राजनीति का आधार स्तंभ बनी हुई है। लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद अब विपक्ष की भूमिका निभाते हुए भी यह अपनी जिम्मेदारियां बखूबी निभा रही है। कांग्रेस का हर सिपाही देश की विविधता और अनेकता में एकता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

कार्यक्रम में सुभाष साधु, प्रभात जायसवाल, अजय कुमार, सुरेश मरांडी, मनीष मिर्धा, सुरेश मंडल, जयकांत साह, रितेश कुमार, मनीष कुमार, रवि कुमार, सहदेव जायसवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल पार्टी की जड़ों को मजबूत करने वाला साबित हुआ, बल्कि ग्रामीण स्तर पर सामाजिक एकजुटता का भी प्रतीक बना।

वीणा मेमोरियल लीग का धमाकेदार आगाजः लोकेश झा की तूफानी पारी और गेंदबाजी

एलएजी एकेडमी ए ने 53 रनों से धोया सुपर जोन ए को

निज संवाददाता | दुमका

क्रिकेट संघ, दुमका के तत्वावधान में वीणा मेमोरियल डिस्ट्रिक्ट लीग ए डिवीजन 2025-26 का शुभारंभ रविवार को एक रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। उद्घाटन मैच में एलएजी एकेडमी ए और स्पोर्ट्स जोन ए के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जिसमें एलएजी एकेडमी ए ने शानदार प्रदर्शन कर 53 रनों से शानदार जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलएजी एकेडमी ए ने 35 ओवरों में 6 विकेट खोकर 280 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान लक्ष्मण ने विस्फोटक 122 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि लोकेश झा ने 57 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पोर्ट्स जोन ए की पारी 227 रनों पर ढेर हो गई।

उनकी ओर से आर्यन बक्सी ने 42 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, लेकिन यह पर्याप्त न साबित हुआ। एलएजी एकेडमी ए की गेंदबाजी में लोकेश झा ने कमाल कर दिखाया, जिन्होंने 4 विकेट हथिया कर मैच का रुख मोड़ दिया। स्पोर्ट्स जोन ए की ओर से आर्या ने 3 और विभु कुमार ने 2 विकेट लेकर कुछ हद तक वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम टूट गई। मैच समाप्ति पर लोकेश झा को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। जिला क्रिकेट संघ, दुमका के सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने उन्हें ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संघ के सभी सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान पर मौजूद रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया। लीग में रोमांच जारी रहेगा। आज को एलएजी एकेडमी बी और एलएजी कैंप क्लब के बीच अगला मुकाबला होगा। दुमका के क्रिकेटप्रेमी इस रोमांचक लीग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने का बड़ा मंच साबित होगी।

दुर्गापुर में टी-10 क्रिकेट का धमाकाः अमरापाड़ा की जीत से हुआ टूर्नामेंट का जोरदार आगाज

निज संवाददाता | गोपीकांदर(दुमका)

गोपीकांदर प्रखंड के दुर्गापुर गांव में एनवाईएसी क्रिकेट क्लब दुर्गापुर ने धूमधाम से तीन दिवसीय T-10 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया, जो स्थानीय खेलप्रेमियों के बीच खासा उत्साह लेकर आई।

टूर्नामेंट का शुभारंभ बीजीआर कोल कंपनी के पेट्रोलिंग मैनेजर मनोज चांद ने फीता काटकर किया। उद्घाटन मैच अमरापाड़ा और राजापुर पाकुड़ टीमों के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमरापाड़ा ने 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 118 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी राजापुर पाकुड़ की टीम 7 विकेट गंवाकर मात्र 111 रन ही बना सकी, जिससे अमरापाड़ा ने 7 रनों से रोमांचक जीत हासिल की। दूसरे मैच में दुमका बदरजोरी ने ड्रीम ड्रीम्स आसनसोल को कड़ी टक्कर देकर हराया और सीधे सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

ये मैच देखने वालों को अंत तक बांधे रखा, जहां तेज गेंदबाजी और आक्रामक बल्लेबाजी ने दर्शकों को तालियों की गड़गड़ाहट से नवाजा। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रवि हांसदा, उपाध्यक्ष मार्शल हांसदा, सचिव जोवाकिम हांसदा, उपसचिव अभिषेक हांसदा, कोषाध्यक्ष जोएल हांसदा और रोहित हांसदा सहित सैकड़ों खेलप्रेमी मौजूद थे। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि यह टूर्नामेंट युवाओं को क्रिकेट के प्रति प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है, और आगामी दिनों में और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। टूर्नामेंट के जरिए गांव में खेल की हवा तेज हो रही है, और उम्मीद है कि इससे कई नई प्रतिभाएं उभरेंगी।